MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 25 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-24

नामपल्ली के फर्नीचर गोदाम में भीषण आग

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नामपल्ली इलाके में शनिवार को एक फर्नीचर गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान छूती आग की लपटों को बुझाने के लिए दमकल विभाग के कर्मचारियों को कड़ी मशक्कत करनी पडी। शुरुआती रिपोर्टों में अनुमान लगाया गया था कि घटना के समय दो बच्चे इमारत के अंदर मौजूद हो सकते हैं, जिससे गंभीर चिंता पैदा हुई और बचाव अभियान तेज कर दिया गया। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक इस जानकारी की पुष्टि नहीं की है।

इस घटना से आसपास के रिहायशी इलाकों में रहने वाले लोगों के बीच भारी दहशत और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग फर्नीचर गोदाम के ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुई और धीरे-धीरे पूरी चार मंजिला इमारत में फैल गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग अलर्ट हो गया और चार दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। ▶10 पर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

खुदाई में मिले 6000 साल पुराने विशाल समुद्री शंख

मैड्रिड, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

स्पेन के कैटेलोनिया क्षेत्र में की गई खुदाई के दौरान 6000 साल पुराने विशाल समुद्री शंख मिले हैं, जिनका इस्तेमाल उस दौर में लंबी दूरी तक संदेश पहुंचाने के लिए किया जाता था। स्पेन के पुरातत्वविदों की इस खोज ने आधुनिक विज्ञान को भी हैरान कर दिया है। ये शंख केवल सजावटी वस्तुएं नहीं थे, बल्कि प्राचीन खेती करने वाले समुदायों की एक प्रभावशाली और संगठित संचार प्रणाली का अहम हिस्सा थे। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन शंखों से निकली आवाज आज भी इतनी तेज और स्पष्ट है कि वह पूरी घाटी में गूंज सकती है और जमीन के नीचे बनी गहरी खानों तक आसानी से पहुंच सकती है। रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों ने इन प्राचीन शंखों को फिर से बजाकर उनकी ध्वनि क्षमता का परीक्षण किया। अध्ययन में सामने आया कि कैरोनिया लैम्पस नामक बड़े समुद्री घोंघों के शंखों से बनाए गए ये हार्न 100 डेसीबल से भी ज्यादा तेज आवाज पैदा कर सकते हैं। पांच अलग-अलग पुरातात्विक स्थलों से मिले 12 शंखों में से आठ आज भी पूरी तरह काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी स्थिति में पाए गए एक शंख से 111.5 डेसीबल तक की आवाज दर्ज की गई, जो लगभग एक कार के हार्न के बराबर मानी जाती है। खुले मैदानों और पहाड़ी इलाकों में ऐसी आवाज को कई किलोमीटर दूर तक सुना जा सकता था। ये शंख केवल एक ही तरह की जगहों से नहीं मिले हैं। वैज्ञानिकों को ये खेतों, गुफाओं और जमीन के नीचे बनी खानों में भी मिले हैं, जो लगभग 10 किलोमीटर के क्षेत्र में फैले हुए थे।

इससे यह संकेत मिलता है कि यह किसी एक स्थान की सीमित परंपरा नहीं थी, बल्कि पूरे इलाके में अपनाई गई एक साझा सांस्कृतिक और व्यावहारिक प्रणाली थी। पहाड़ी और गुफाओं वाले क्षेत्रों में, जहां दूर तक देख पाना मुश्किल होता था, वहां ये शंख सूचना भेजने का सबसे भरोसेमंद माध्यम रहे होंगे। गहरी खानों में इनकी गूंज से सुरक्षा संकेत या चेतावनी देने का काम भी लिया जाता रहा होगा। शोध में यह भी सामने आया है कि प्राचीन कारीगरों ने इन शंखों को बेहद सोच-समझकर तैयार किया था। शंख के ऊपरी हिस्से को हटाकर लगभग 20 मिलीमीटर चौड़ा एक विशेष माउथपीस बनाया गया था, जिससे निकलने वाली आवाज स्थिर और नियंत्रित रहती थी। कुछ शंखों में छोटे छेद भी मिले हैं, जिनसे लगता है कि इन्हें डोरी के सहारे लटकाकर या साथ ले जाकर इस्तेमाल किया जाता था। इन पर समुद्री जीवों द्वारा किए गए प्राकृतिक छेद और निशान भी मिले हैं, जो यह साबित करते हैं कि इन्हें भोजन के लिए नहीं, बल्कि ध्वनि उत्पन्न करने के उद्देश्य से चुना गया था। परीक्षणों में यह भी स्पष्ट हुआ कि ये शंख केवल एक ही तरह की आवाज तक सीमित नहीं थे। कुछ शंखों से तीन अलग-अलग सुर निकाले जा सकते थे, जो संगीत की दृष्टि से सटीक और बार-बार दोहराए जा सकने योग्य थे। एक पेशेवर ट्रम्पेट वादक की मदद से इन शंखों की ध्वनिक क्षमता को मापा गया, जिससे यह साबित हुआ कि पाषाण काल के लोग केवल रस्मों तक सीमित नहीं थे, बल्कि व्यावहारिक जरूरतों के लिए भी अत्यंत उन्नत उपकरणों का उपयोग करते थे।

न्यूज ब्रीफ

अब चीन अमेरिका के गेराल्ड आर फोर्ड से भी बड़ा न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट बनाएगा

बीजिंग। चीन का नई एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान नवंबर 2025 में आधिकारिक रूप से सेवा में शामिल हो गई है और इसे बीजिंग की तेजी से बढ़ती समुद्री ताकत का प्रतीक माना जा रहा है। करीब 80 हजार टन वजनी यह पोत चीन का पहला पूरी तरह स्वदेशी डिजाइन वाला विमानवाहक पोत है, जिसमें आधुनिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट सिस्टम लगे हैं। इसे दुनिया का सबसे बड़ा पारंपरिक ईंधन से संचालित युद्धपोत भी बताया गया, लेकिन हालिया तकनीकी आकलनों में इसके डिजाइन से जुड़ी खामियां सामने आई हैं। इन्हीं कमियों ने अब चीन को इससे कहीं बड़े और न्यूक्लियर एनर्जी पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर के विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैन्य विशेषज्ञों और स्वतंत्र विश्लेषकों के मुताबिक फुजियान की सबसे बड़ी समस्या इसके फ्लाइट डेक लेआउट से जुड़ी है। अमेरिकी सुपरकैरियर्स के विपरीत, फुजियान का आइलैंड सुपरस्टक्चर फ्लाइट डेक के बीचों-बीच स्थित है, जबकि अमेरिकी जहाजों में इसे पीछे की ओर रखा जाता है। इस डिजाइन के कारण विमानों की पार्किंग और आवाजाही के लिए उपलब्ध जगह सीमित हो जाती है, जिससे तेज गति से उड़ान संचालन में बाधा आती है। नतीजतन, फाइटर जेट के टेक-आफ और डेक पर मूवमेंट के दौरान दिक्कतें सामने आ रही हैं। कैटापल्ट सिस्टम की स्थिति ने इन समस्याओं को और बढ़ा दिया है। फुजियान में मौजूद इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लान्च सिस्टम भले ही अत्याधुनिक हो, लेकिन इनमें से एक कैटापल्ट लैंडिंग जोन में हस्तक्षेप करता है, जिससे लैंडिंग के समय उसका उपयोग संभव नहीं हो पाता।

ईरान के प्रदर्शन में अब तक 5000 लोगों की मौत, इंटरनेट अभी भी बंद

तेहरान। ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान सख्त कार्रवाई में शुक्रवार तक करीब 5,002 लोगों की मौत हो गई है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने यह दावा किया है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि देश के इतिहास की सबसे बड़ी इंटरनेट बंदी आठ जनवरी से जारी है और मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मारे गए लोगों में 4,716 प्रदर्शनकारी, 203 सरकारी कर्मचारी, 43 बच्चे और 40 आम नागरिक शामिल हैं। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि 26,800 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरान सरकार ने पहली बार मृतकों की संख्या जारी कर कहा कि अब तक 3,117 लोग मारे गए हैं। इसमें बताया गया कि 28 दिसंबर से शुरू हुए प्रदर्शन में मारे गए लोगों में से 2,427 नागरिक और सुरक्षा बल थे, जबकि बाकी को आतंकवादी बताया गया है। इसी बीच, अमेरिका के कई विमानवाहक पोत पश्चिम एशिया की ओर बढ़ रहे हैं, इससे अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है।

वेनेजुएला आपरेशन में सीक्रेट सोनिक वेपन के उपयोग से रूस और चीन का बढ़ा टेंशन

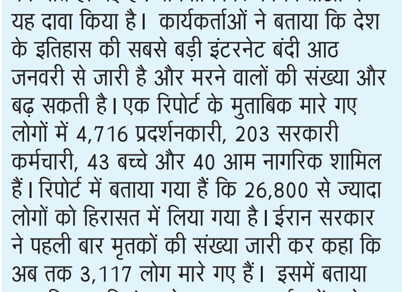

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक सनसनीखेज खुलासा करते हुए पहली बार सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए किए गए सैन्य आपरेशन में अमेरिकी सेना ने एक अत्यंत गुप्त सोनिक हथियार (ध्वनि हथियार) का इस्तेमाल किया था। एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने इस हथियार के विवरण को गोपनीय रखते हुए इसके प्रभाव को अद्भुत और अकल्पनीय बताया। ट्रंप के इस बयान ने न केवल वैश्विक रक्षा विशेषज्ञों को चौंका दिया है, बल्कि रूस और चीन जैसे देशों को भी गहरे तनाव और अलर्ट मोड पर ला खड़ा किया है। राष्ट्रपति ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अमेरिका के पास आज ऐसी सैन्य तकनीक और हथियार मौजूद हैं, जिनके बारे में बाकी दुनिया कल्पना तक नहीं कर सकती। इस रहस्यमय हथियार को लेकर अटकलें उसी समय से लगाई जा रही थीं, जब व्हाइट हाउस की ओर से मादुरो के ठिकाने पर हुए हमले के विवरण साझा किए गए थे। बताया गया था कि आपरेशन के दौरान वेनेजुएलाई सैनिकों को अचानक ऐसी शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ा जो सामान्य युद्ध में नहीं देखी जातीं।

70 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अलग हुआ अमेरिका..........ट्रंप का ईगो बना अहम कारण

अभी अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन से अलग होने की प्रक्रिया पूरी हुई

वाशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका ने औपचारिक रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अलग होने की प्रक्रिया पूरी कर ली है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले दिन का एक बड़ा कदम था। इस निर्णय के परिणामस्वरूप, अमेरिका करीब 78 साल पुरानी संस्था से अलग हो गया है। ट्रंप प्रशासन के इस निर्णय से डब्ल्यूएचओ को काफी नुकसान हो सकता है, क्योंकि अमेरिका लंबे समय से संगठन का सबसे बड़ा दानदाता रहा है। इसके अलावा, अमेरिका पर अभी भी डब्ल्यूएचओ के 130 मिलियन डालर से ज्यादा बकाया हैं। यह कदम वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर नई बीमारियों और महामारियों से निपटने के संदर्भ में डब्ल्यूएचओ की भूमिका वैश्विक स्वास्थ्य संकटों के समाधान में महत्वपूर्ण रही है।

संगठन ने इबोला, पोलियो और एमपाक्स जैसी बीमारियों से निपटने के लिए वैश्विक प्रयासों को समन्वित किया है और गरीब देशों को तकनीकी सहायता और दवाओं के वितरण में मदद की है। इसके बाद अमेरिका का डब्ल्यूएचओ से अलग होना वैश्विक स्वास्थ्य संकटों से निपटने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। इसके अलावा, अमेरिकी वैज्ञानिकों और दवा कंपनियों के लिए नए टीके और दवाओं के विकास में भी मुश्किलें आ सकती हैं। जार्जटाउन यूनिवर्सिटी के पब्लिक हेल्थ ला एक्सपर्ट लारेंस गोस्टिन ने इस अपने जीवनकाल का सबसे विनाशकारी राष्ट्रपति फैसला बताया है। अमेरिका का डब्ल्यूएचओ से बाहर जाना केवल स्वास्थ्य क्षेत्र तक सीमित नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने 66 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों से भी नाता तोड़ने का निर्णय लिया है। इसमें 31 संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी संस्थाएं और 35 गैर-यूएन संगठन शामिल हैं। इनमें से कई संस्थाएं जलवायु परिवर्तन, प्रवासन, और विविधता जैसे मुद्दों पर काम कर रही थीं, जिन्हें ट्रंप प्रशासन ने वोक एजेंडा मानते हुए अमेरिका के हितों के खिलाफ करार दिया है। अमेरिका का यह कदम वैश्विक सहयोग और संकट समाधान की दिशा में एक गंभीर चुनौती प्रस्तुत करता है।

इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन ने पेरिस जलवायु समझौते से भी अमेरिका को बाहर निकालने का ऐलान किया था। यह निर्णय 27 जनवरी 2026 से लागू होगा, जिसके बाद अमेरिका कार्बन उत्सर्जन में कमी करने के किसी कानूनी दायित्व से मुक्त होगा। यह कदम वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को कमजोर कर सकता है, क्योंकि पेरिस समझौते को एक महत्वपूर्ण वैश्विक पर्यावरणीय पहल माना जाता है। इसके साथ ही, यूएनएफसीसीसी (संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन) से भी अमेरिका की सदस्यता समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

हालांकि, ट्रंप प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका कुछ महत्वपूर्ण संस्थाओं जैसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और शरणार्थी एजेंसी यूएनएचआरसी का सदस्य बना रहेगा। इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय हितों के लिए आवश्यक माना गया है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिकी सरकार कुछ बुनियादी अंतरराष्ट्रीय रिश्तों को बनाए रखने का प्रयास करेगी, जबकि कई अन्य संस्थाओं से नाता तोड़ लिया जाएगा। समाप्त होने वाली यह प्रक्रिया और इसके परिणाम वैश्विक स्तर पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़े सहयोग पर महत्वपूर्ण असर डाल सकते हैं। हालांकि, यह कदम अमेरिका के आंतरिक हितों को प्राथमिकता देता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह एक बड़ा चुनौती है।

किसान को खेत में मिला 17वीं सदी का चांदी का खजाना

वारसावारसा, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

पोलैंड के उत्तरी हिस्से में स्थित गांव बुकोविएत्स विएल्की के खेत में जुताई के दौरान ऐतिहासिक रहस्य सामने आया है, जिसे देखकर वैज्ञानिक चौक गए हैं। सामने आए इस रहस्य ने सदियों पुराने अतीत की परतें खोल दीं। अपने खेत से पत्थर हटाने के लिए एक किसान दंपती जब फावड़ा चला रहे थे, तभी मिट्टी के नीचे से चमकती चांदी ने उन्हें चौंका दिया। थोड़ी ही देर में यह साफ हो गया कि यह कोई साधारण खोज नहीं, बल्कि 17वीं सदी का एक पूरा खजाना है। यह खोज पोलैंड के वार्मियन-मसूरियन क्षेत्र में हुई, जहां पहले कभी किसी बड़े ऐतिहासिक स्थल के संकेत नहीं मिले थे। जमीन के नीचे करीब 350 साल पुराना 162 चांदी के सिक्कों का खजाना दबा हुआ था। सिक्कों को देखकर विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया कि यह खजाना 1660 से 1679 के बीच का है, यानी उस दौर का जब पोलैंड-लिथुआनिया राष्ट्रमंडल राजनीतिक अस्थिरता, युद्धों और सामाजिक उथल-पुथल से गुजर रहा था। यही वजह मानी जा रही है कि किसी ने अपनी दौलत को जमीन में छिपाने का फैसला किया होगा। खजाने में अलग-अलग मूल्य और प्रकार के सिक्के मिले हैं, जिनमें थैलर, टिम्फ, आर्ट और शोस्ताक शामिल हैं। सभी सिक्के चांदी के बने हुए हैं और कई पर आज भी टकसाल के निशान साफ दिखाई देते हैं। पुरातत्वविदों के मुताबिक सिक्के किसी मिट्टी के बर्तन में रखे गए थे, जिसके टूटे हुए अवशेष भी खुदाई स्थल से मिले हैं। सिक्कों का ज्यादा गहराई में न दबा होना इस बात की ओर इशारा करता है कि इन्हें जल्दबाजी में छिपाया गया होगा। सबसे बड़ा रहस्य यही है कि इसे किसने दफनाया और वह व्यक्ति या परिवार दोबारा इसे लेने क्यों नहीं लौटा। इतिहासकारों का मानना है कि यह खजाना किसी अमीर परिवार, स्थानीय जमींदार या व्यापारी का हो सकता है, जिसने युद्ध, लूटपाट या असुरक्षा के डर से अपनी संपत्ति जमीन में छिपा दी हो। उस समय क्षेत्र में संघर्ष आम बात थी और ऐसे में अपनी जमा-पूंजी को सुरक्षित रखने का यह तरीका अक्सर अपनाया जाता था। दुर्भाग्यवश, संभव है कि खजाने का मालिक किसी युद्ध, बीमारी या पलायन का शिकार हो गया हो। खुदाई के दौरान सिर्फ सिक्के ही नहीं मिले, बल्कि मस्कट की गोलियां, पुराने बटन, बेल्ट की बकल, अंगूठियां और धार्मिक पदक भी बरामद किए गए हैं। इनमें एक पदक पर ब्लैक मैडोना आफ चेंस्टोहोवा और एक संरक्षक देवदूत की आकृति उकेरी गई है, जो उस समय की धार्मिक आस्था को दर्शाती है।

जापान में 8 फरवरी को होंगे चुनाव

टोकियो। जापान में सियासी हलचल तेज हो गई है। प्रधानमंत्री साने तकाइची ने शुक्रवार को संसद के निचले सदन को भंग कर दिया। इसके साथ ही 8 फरवरी को चुनाव कराने की तारीख तय कर दी गई है। प्रधानमंत्री तकाइची ने चुनाव का फैसला 19 जनवरी को ही सुना दिया था। अक्टूबर में वह देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं, लेकिन केवल तीन महीने बाद ही उन्होंने जनता के बीच जाने का रास्ता चुना। उनकी पार्टी एलडीपी और सहयोगी जापान इनोवेशन पार्टी के पास सदन में कुल 233 सीटें हैं, जो बहुमत से बस एक सीट ज्यादा हैं। कमजोर बहुमत को देखते हुए तकाइची ज्यादा सीटें जीतने की कोशिश में चुनाव करवा रही हैं। जापान में यह चुनाव समय से करीब 3 साल पहले हो रहा है। जापान की संसद के निचले सदन (हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स) का कार्यकाल 4 साल का होता है। पिछला चुनाव अक्टूबर 2024 में हुआ था, इसलिए सामान्य तौर पर अगला चुनाव 2028 में होना था।

चंद्रमा पर परमाणु फिशन रिएक्टर तैनात करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने मिलकर चंद्रमा पर परमाणु फिशन आधारित पावर सिस्टम स्थापित करने की प्रक्रिया को औपचारिक रूप से आगे बढ़ा दिया है। इस योजना का उद्देश्य 2030 तक चांद की सतह पर एक ऐसा रिएक्टर तैनात करना है, जो वहां स्थायी मानव और रोबोटिक मिशनों को लगातार बिजली उपलब्ध करा सके। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है, जब चीन और रूस भी संयुक्त रूप से चंद्रमा पर परमाणु रिएक्टर विकसित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे अंतरिक्ष में वैश्विक प्रतिस्पर्धा और तीखी हो गई है। यह परियोजना नासा के महत्वाकांक्षी आर्टेमिस अभियान और भविष्य के मंगल मिशनों की आधारशिला मानी जा रही है। नासा और ऊर्जा विभाग के बीच इस सहयोग को एक औपचारिक समझौते के जरिए मजबूत किया गया है, जिसका मकसद अंतरिक्ष विज्ञान में अमेरिका के नेतृत्व को बनाए रखना और चंद्रमा पर लंबे समय तक टिकाऊ मौजूदगी के लिए भरोसेमंद ऊर्जा ढांचा तैयार करना है। अधिकारियों का मानना है कि बिना स्थिर और शक्तिशाली ऊर्जा स्रोत के चंद्रमा पर स्थायी बेस बनाना और वहां निरंतर मिशन चलाना संभव नहीं होगा। इस योजना के तहत फिशन सरफेस पावर सिस्टम विकसित किया जा रहा है, जो चंद्रमा की कठोर परिस्थितियों में भी लगातार बिजली देने में सक्षम होगा।

चांद पर लंबे समय तक अंधकार, अत्यधिक ठंड और तापमान में भारी उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियां रहती हैं, जहां सौर ऊर्जा हमेशा भरोसेमंद विकल्प नहीं बन पाती। ऐसे में परमाणु फिशन आधारित सिस्टम वर्षों तक बिना रिफ्यूलिंग के काम कर सकता है और 24 घंटे बिजली उपलब्ध करा सकता है। यही कारण है कि इसे भविष्य के चंद्र अभियानों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। नासा प्रशासक जेरेड आइज़ैकमैन ने साफ कहा है कि अमेरिका अब केवल चांद पर लौटने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वहां टिके रहने और आगे मंगल तक पहुंचने की ठोस तैयारी कर रहा है। उनके अनुसार, राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति के तहत परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल अनिवार्य हो गया है, क्योंकि यही तकनीक गहरे अंतरिक्ष अभियानों को व्यवहारिक और टिकाऊ बना सकती है। नासा और ऊर्जा विभाग के बीच यह सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण के एक नए युग की शुरुआत करेगा। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने भी इस समझौते को अमेरिका की वैज्ञानिक विरासत से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि जब-जब अमेरिकी विज्ञान और नवाचार ने एकजुट होकर काम किया है, तब-तब देश ने असंभव माने जाने वाले लक्ष्य हासिल किए हैं।

क्या ईरान में खामेनेई सिर्फ मुखौटा.......असली खेल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स खेल रही

तेहरान, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

ईरान में महीने के शुरुआत में हुए विरोध प्रदर्शनों ने एक नया सवाल उठाया है कि असली ताकत किसके हाथ में है। इन प्रदर्शनों को दबाने के बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने अपनी ताकत और प्रभाव को बढ़ाया है। अयातुल्ला अली खामेनेई, जो ईरान के सुप्रीम लीडर हैं, उनका नेतृत्व अब चुनौतीपूर्ण हो गया है, क्योंकि आईआरजीसी अब सिर्फ एक सैन्य संगठन नहीं, बल्कि सत्ता के फैसले लेने और भविष्य तय करने वाली एक प्रमुख ताकत बन चुका है।

1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद स्थापित आईआरजीसी ने ईरान की सुरक्षा, राजनीति और अर्थव्यवस्था में गहरी पैठ बना ली है। इसके पास अपनी सेना, नौसेना, वायु सेना और एक शक्तिशाली खुफिया नेटवर्क है, जिससे यह देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बीते कुछ सालों में, खासकर आर्थिक

संकट और वैश्विक प्रतिबंधों के कारण, आईआरजीसी ने अधिक शक्ति हासिल की है। इसके कई पूर्व कमांडर अब सरकारी संस्थाओं और महत्वपूर्ण उद्योगों में उच्च पदों पर हैं, जिससे नागरिक शासन और सैन्य सत्ता के बीच की रेखा धुंधली हो गई है।

ईरान की राजनीति में आईआरजीसी की बढ़ती ताकत ने सत्ता के संतुलन को बदल दिया है। अब राष्ट्रपति और कैबिनेट के पास प्रशासनिक अधिकार हैं, लेकिन प्रमुख रणनीतिक निर्णय आईआरजीसी द्वारा ही लिए जा रहे हैं। यह संगठन, जो पहले सिर्फ सैन्य ताकत के रूप में जाना जाता था, अब ईरान की आंतरिक और बाहरी नीतियों में निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

खामेनेई की उम्र 90 साल हो गई है, और उनका उत्तराधिकारी कौन होगा, इस पर अनिश्चितता बनी हुई है। आईआरजीसी को एक ऐसी संस्था के रूप में देखा जा रहा है, जो राजनीतिक स्थिरता और निरंतरता को बनाए रखने में सक्षम है। इसलिए, ईरान का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि आईआरजीसी की शक्ति किस हद तक बढ़ती है और वह सत्ता के केंद्रीकरण में कितनी भूमिका निभाता है।

गार्ड्स की प्रभुता उनकी आर्थिक पहुंच से और मजबूत होती है। खतम अल-अंबिया जैसे समूहों के माध्यम से आईआरजीसी ईरान के बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और निर्माण क्षेत्रों के विशाल हिस्सों को नियंत्रित करता है। प्रतिबंधों ने इस प्रभाव को कम करने के बजाय अक्सर बढ़ाया है। इसने निजी प्रतिस्पर्धियों को किनारे कर दिया है और गार्ड्स से जुड़े नेटवर्क को लाभ दिया है।

ईरान का भविष्य क्या होगा

ईरान में जैसे-जैसे आर्थिक तनाव और असंतोष बढ़ रहा है, सत्ता की रूपरेखा को लेकर भी चिंता गहरा रही है। तेहरान का भविष्य शायद इस बात पर कम निर्भर करेगा कि वरिष्ठ राजनीतिक पदों पर कौन बैठता है। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने खुद को जिस मजबूती से स्थापित किया है, उससे कहा जा सकता है कि उनका रोल अहम होने वाला है।

द्रौपदी मुर्मू ने किया ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन, 11 शास्त्रीय भाषाओं में 2,300 पुस्तकों का संग्रह

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां) । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भवन में ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया। ग्रंथ कुटीर में भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं में पांडुलिपियों और पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह है, जो तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, उड़िया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली हैं। राष्ट्रपति ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका एक शेयर किया। ग्रंथ कुटीर भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक और बौद्धिक विरासत को प्रदर्शित करता है। इस कुटीर में 2,300 पुस्तकों का संग्रह है। भारत सरकार ने 3 अक्टूबर, 2024 को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली भाषाओं को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया था। इससे छह भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त था। ग्रंथ कुटीर संग्रह में महाकाव्य, दर्शन, भाषा विज्ञान, इतिहास, शासन, विज्ञान और भक्ति साहित्य जैसे विषयों के साथ-साथ इन भाषाओं में भारत का संविधान भी शामिल है। संग्रह में लगभग 50 पांडुलिपियां भी हैं। इनमें से कई पांडुलिपियां ताड़ के कागज, छाल और कपड़े जैसी पारंपरिक सामग्रियों पर हस्तलिखित हैं। ग्रंथ कुटीर का विकास केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, सांस्कृतिक संगठनों और देश भर के व्यक्तिगत दानदाताओं के सहयोग से हुआ है। शिक्षा मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और उनसे संबद्ध संस्थानों ने इस पहल का समर्थन किया है। गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र पांडुलिपियों के प्रबंधन, संरक्षण, प्रलेखन और प्रदर्शन में पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान कर रहा है।

ग्रंथ कुटीर के विकास का उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना है। औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को मिटाने के राष्ट्रीय संकल्प के अनुरूप, कुटीर का विकास प्रमुख कृतियों के माध्यम से समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने और विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। ग्रंथ कुटीर, ज्ञान भारतम मिशन की परिकल्पना का समर्थन करने का एक प्रयास है, जो भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत को संरक्षित डिजिटाइज करने और प्रसारित करने की एक राष्ट्रीय पहल है, जिसमें परंपरा को प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करके भावी पीढ़ियों के लिए इसे सुगम बनाया गया है।पहले यहां विलियम होगार्थ की मूल कृतियों की सूची, लॉर्ड कर्जन ऑफ केडलस्टन के भाषण, लॉर्ड कर्जन ऑफ केडलस्टन के प्रशासन का लॉर्ड कर्जन का जीवन, पंच पत्रिकाएं और अन्य पुस्तकें रखी जाती थीं। इन्हें अब राष्ट्रपति भवन परिसर के भीतर एक अलग स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। अभिलेखीय संग्रह का हिस्सा ये पुस्तकें डिजिटाइज कर दी गई हैं और शोधकर्ताओं के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएंगी।

राष्ट्रपति भवन 1 के निर्देशित दौरे के दौरान आगंतुक कलाकृतियों और पांडुलिपियों की झलक देख सकेंगे। साथ ही, लोग संग्रह की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध पुस्तकों और पांडुलिपियों को पढ़ सकेंगे। शोधकर्ता ग्रंथ कुटीर में प्रत्यक्ष प्रवेश के लिए पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।इन भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने वाले कुछ प्राचीन ग्रंथ हैं, संस्कृत में वेद, पुराण और उपनिषद, मराठी भाषा में सबसे प्राचीन ज्ञात साहित्यिक कृति गाथासप्तसती, पाली भाषा में विनय पिटक, जिसमें बौद्ध भिक्षुओं के लिए मठवासी नियमों की रूपरेखा दी गई है। जैन और प्राकृत शिलालेख, जो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अभिलेखों के रूप में कार्य करते हैं; असमिया, बंगाली और ओडिया में प्राचीन बौद्ध तांत्रिक ग्रंथ चर्यापद; जीवन के विभिन्न पहलुओं पर तमिल भाषा का क्लासिक ग्रंथ तिरुक्कुरल; तेलुगु में महाभारत; कन्नड़ में अलंकारशास्त्र, काव्यशास्त्र और व्याकरण पर उपलब्ध सबसे प्राचीन कृति कविराजमार्ग मलयालम में रामचरितम शामिल हैं।कुटीर के उद्घाटन के बाद सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शास्त्रीय भाषाओं ने भारतीय संस्कृति की नींव रखी है। विज्ञान, योग, आयुर्वेद और भारत की शास्त्रीय भाषाओं में रचित साहित्य ने सदियों से विश्व का मार्गदर्शन किया है। तिरुक्कुरल और जैसे ग्रंथ आज भी प्रासंगिक हैं। इन्हीं भाषाओं के माध्यम से गणित, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और व्याकरण जैसे विषयों का विकास हुआ है। पाणिनी का व्याकरण, आर्यभट का गणित और चरक व सुश्रुत का चिकित्सा विज्ञान आज भी विश्व को विस्मित करते हैं।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का पहला बड़ा दौरा, 27 और 28 जनवरी को बंगाल में करेंगे संगठन को मजबूत

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां) । भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 27 और 28 जनवरी को पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरे के दौरान वह पार्टी संगठन मजबूत करने और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करने पर जोर देंगे। पार्टी की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, 27 जनवरी को नितिन नबीन दुर्गापुर में राज्य कोर टीम की अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में पश्चिम बंगाल में संगठन की मौजूदा स्थिति, आगामी रणनीति और कार्यकर्ताओं भूमिका पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। 28 जनवरी को उनका दिन पूरी तरह संगठनात्मक कार्यक्रमों से भरा रहेगा। सुबह वह दुर्गापुर पूर्वा के चित्रालय मेला मैदान में आयोजित बर्धमान विभाग कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद दोपहर बाद नितिन नबीन आसनसोल जिले के रानीगंज में जिला कार्यकर्ता बैठक में हिस्सा लेंगे, जहां वह जमीनी स्तर पर संगठन को और मजबूत करने के लिए दिशा-निर्देश देंगे।

नितिन नबीन ने 20 जनवरी को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभाला था। उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने से उन्हें 'हमारे बॉस' कहकर संबोधित किया था और उनकी सादगी और सहजता की खुलकर तारीफ की थी। पीएम मोदी ने कहा था कि नितिन नबीन के संपर्क में आने वाला हर व्यक्ति उनकी सरलता और जिम्मेदारी निभाने की क्षमता की चर्चा जरूर करता है।

प्रधानमंत्री ने यह भी था कि चाहे भाजपा युवा मोर्चा में भूमिका हो, अलग-अलग राज्यों में प्रभारी के तौर पर जिम्मेदारी निभानी हो या बिहार सरकार में काम करने का अनुभव, नितिन नबीन ने हर जगह खुद को साबित किया है।अध्यक्ष बनने से पहले नितिन नबीन छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी और सिक्किम प्रभारी के रूप में भी काम कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी संगठन की सेवा की है।नितिन नबीन का जन्म 23 मई 1980 को रांची में हुआ। उनके पिता स्वर्गीय नवीन किशोर सिन्हा भाजपा के वरिष्ठ नेता थे और पटना पश्चिम से चार बार विधायक रह चुके थे। पिता के निधन के बाद नितिन नबीन ने उपचुनाव जीतकर सक्रिय राजनीति में कदम रखा था।

पश्चिम बंगाल का यह दौरा उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद राज्य स्तर पर पहला बड़ा संगठनात्मक माना जा रहा है, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिल रहा है।

कांग्रेस ने बिहार, यूपी समेत छह राज्यों में जिला अध्यक्षों के चयन के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां) । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के चयन के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश समेत छह राज्यों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के प्रस्तावों को कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से स्वीकृति प्रदान कर दी है। जिन राज्यों में नियुक्तियां की गई हैं, उनमें बिहार, उत्तर प्रदेश, गोवा, नागालैंड, मणिपुर और मेघालय शामिल हैं। हर पर्यवेक्षक को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के के साथ मिलकर एक-एक जिले में तैनात किए जाने की बात कही गई है, जिससे जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के चयन में आसानी हो सके।

बिहार में 29, उत्तर प्रदेश में 75, गोवा में 3, मेघालय में 10, मणिपुर में 9 और नागालैंड में 9 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है।

उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों का चयन बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वहीं, विधानसभा चुनाव के दौरान बिहार में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी महज 6 सीटों तक सिमटकर रह गई। बाद पार्टी में मतभेद और फूट की चर्चाएं शुरू हो गईं। 23 जनवरी को कांग्रेस अध्यक्ष समेत पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने बिहार के नेताओं और विधायकों के साथ बैठक की थी, जिसमें उनकी समस्याओं को सुना गया।

बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी ने की। बैठक में पार्टी की बिहार इकाई के भीतर संगठनात्मक कमजोरी और बढ़ते असंतोष पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया कि बिहार कांग्रेस के नेताओं को अपनी जिम्मेदारियों को पहचानना चाहिए और जमीनी स्तर पर गंभीरता से करना चाहिए।

खबरों के मुताबिक, उन्होंने कहा कि हालांकि वह जरूरत पड़ने पर नेताओं का समर्थन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके अकेले प्रयासों से पार्टी का पुनरुद्धार नहीं हो सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बिहार में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए सभी नेताओं सामूहिक प्रयास, अनुशासन और सक्रिय भागीदारी आवश्यक होगी।

उत्तर प्रदेश दिवस: गृह मंत्री अमित शाह और सीएम योगी ने 'एक जनपद-एक व्यंजन' का किया शुभारंभ

लखनऊ , 24 जनवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश दिवस पर शनिवार को 'एक जनपद-एक (ओडीओसी) का शुभारंभ किया। प्रदेश के हर जनपद के विशिष्ट व्यंजन को अलग पहचान दिला दी। उत्तर प्रदेश के जनपदों की पहचान अब इन व्यंजनों से भी होगी। कार्यक्रम में शामिल होने शनिवार सुबह राजधानी पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया। मुख्य पर सीएम ने गृह मंत्री को स्मृति चिह्न प्रदान किया। मुख्य समारोह में इस पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' थीम पर आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली पांच प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। पुरस्कार स्वरूप उन्हें 11 लाख रुपए, अंगवस्त्र, चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले पांच जनपदों के जिलाधिकारी भी सम्मानित किए गए। केंद्रीय गृह मंत्री ने 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' योजना का भी शुभारंभ किया।

अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान थीम सांग 'उत्तर प्रदेश-उत्तम प्रदेश' ने उत्तर प्रदेश की महिमा का वर्णन किया। इसके पश्चात राष्ट्र प्रेरणा स्थल के मंच पर 'संपूर्ण उत्तर प्रदेश' उतर पड़ा, जब ब्रज, बुंदेली, अवधी, भोजपुरी बोलियों के 'सांस्कृतिक संगम' में अतिथियों व दर्शकों ने आनंद की डुबकी विभिन्न अंचलों से आए कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से हर किसी का दिल जीत लिया। गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर तीनों महापुरुषों (श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी) की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने शिल्प मेला, ओडीओसी व्यंजन मेला 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' पर आधारित प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। वहीं, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश दिवस के मंच पर 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल योजना का भी शुभारंभ किया। युवाओं के लिए रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने वाली इस योजना पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई।

जीतू पटवारी ने सीएम मोहन यादव से विदेश दौरों और प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर चर्चा के लिए मांगा समय

भोपाल, 24 जनवरी (एजेंसियां) । कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर विदेशी दौरों के साथ निवेशों परिणाम और प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर चर्चा के लिए समय मांगा है। पटवारी द्वारा मुख्यमंत्री यादव को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि निवेश परिणामों का विवरण, विदेश दौरों की उपलब्धियों की जानकारी एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर गंभीर चर्चा करना चाहता हूं। मुख्यमंत्री मोहन यादव अभी हाल ही दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 में हिस्सा लेकर लौटे हैं। इस दौरे पर मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने लिखा कि उम्मीद है आपने मध्य प्रदेश के लिए निवेश, रोजगार एवं औद्योगिक विस्तार को लेकर जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वे धरातल पर परिणामों के साथ पूरे होंगे। राज्य की

जनता के पैसों से हुए सरकारी दौरों का परिणाम आंकड़ों और क्रियान्वयन के माध्यम से सामने आना चाहिए, ताकि जनता का भरोसा मजबूत हो और निवेशकों में भी पारदर्शिता का संदेश जाए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने अभी हाल में सामने आए सचिव के एक बयान का हवाला देते हुए लिखा है कि प्रदेश के मुख्य सचिव द्वारा अफसर की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कहा गया कि मध्य प्रदेश में कोई भी कलेक्टर बिना पैसे लिए काम नहीं करते। यह कथन भ्रष्टाचार की शिकायत के साथ, राज्य के प्रशासनिक ढांचे में भ्रष्टाचार संस्थागत प्रवेश का पुख्ता प्रमाण है। उन्होंने कहा यदि कलेक्टर ही पैसे लेकर काम करेंगे, तो आम नागरिक की शिकायत, सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, अनुमतियां, भुगतान, ठेके, राहत कार्य, सबकुछ लेन-देन की व्यवस्था में फंस जाएगा।

पटवारी ने लिखा, मैं यह पत्र केवल आलोचना के उद्देश्य से नहीं लिख हूं। मैं चाहता हूं कि मध्य प्रदेश की व्यवस्था बेहतर हो, जनता को न्याय मिले और प्रशासन में पारदर्शिता स्थापित हो। इन सभी विषयों पर चर्चा करना चाहता हूं ताकि करप्शन और कमीशन की महामारी रोकने के लिए मैं अपने सुझाव साझा कर सकूं।

मिया समुदाय को बढ़ावा दे गौरव गोगोई : असम भाजपा

गुवाहाटी, 24 जनवरी (एजेंसियां) । असम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर निशाना साधा है। उन्होंने गोगोई पर मिया समुदाय पर केंद्रित 'नए ग्रेटर को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है, जिससे कथित तौर पर राज्य की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक नींव कमजोर हो रही है। पार्टी प्रवक्ता जयंत कुमार गोस्वामी ने राज्य भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए दावा किया कि गोगोई का राजनीतिक दृष्टिकोण मिया रजाउल करीम द्वारा प्रचारित विचारधारा से प्रभावित है। गोस्वामी ने आरोप लगाया कि यह तरीका सात राज्यों को एकीकृत करने वाले अहोम राजा स्वर्गदेव चाओलुंग सुकफा और संत-सुधारक श्रीमंत शंकरदेव द्वारा देखे गए ग्रेटर असम के मूल विचार के विपरीत है। श्रीमंत शंकरदेव ने समुदायों में सांस्कृतिक और सामाजिक को बढ़ावा दिया था।भाजपा के प्रवक्ता ने कहा कि असम के बारे में सुकफा का विजन अलग-अलग जातीय और सांस्कृतिक समूहों के बीच एकता पर आधारित था, जबकि शंकरदेव के नव-वैष्णव आंदोलन ने जाति और समुदाय के भेदभाव से परे समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शंकरदेव द्वारा चंद साई को नव-वैष्णव संप्रदाय में शामिल करने को असमिया सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित समावेशी आत्मसात्करण के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया।

गोस्वामी ने आरोप लगाया कि रेजाउल करीम ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद पार्टी के मंच से सार्वजनिक रूप से धमकी दी थी शिवसागर जैसे ऐतिहासिक रूप से स्वदेशी क्षेत्रों को धुबरी के समान मिया-प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में बदल दिया जाएगा।

हालांकि, बाद में करीम ने कांग्रेस छोड़ दी, लेकिन गोस्वामी ने दावा किया कि जिस विचारधारा का उन्होंने प्रतिनिधित्व किया, वह गौरव गोगोई की राजनीतिक स्थिति में अभी भी दिखाई देती

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस नेता गोगोई के इरादों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि गोगोई के 'नए ग्रेटर असम' के विचार में मिया युवा नेताओं के साथ घनिष्ठ संपर्क शामिल है, जिन्होंने कथित तौर पर मिया समुदाय के लिए विशेष रूप से 48 विधानसभा सीटों के आरक्षण की की है।

सीएम के तमाम दावों के बावजूद बिहार में बेटियां असुरक्षित : रोहिणी आचार्या

पटना, 24 जनवरी (एजेंसियां) । राजद अध्यक्ष लालू यादव की पुत्री रोहिणी आचार्या ने शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के तमाम दावों के बावजूद बिहार में बेटियां असुरक्षित हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या में अपराधियों को कानून का भय नहीं है? दरअसल, पिछले लोकसभा चुनाव में सारण लोकसभा क्षेत्र से राजद के टिकट पर चुनाव लड़ चुकी रोहिणी आचार्या पटना में नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा की मौत के बाद सरकार पर हमलावर हैं।इस बीच, शनिवार को उन्होंने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर सीधे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा, मुख्यमंत्री जी , यह शर्म का विषय है कि कानून के राज के आपके तमाम दावों के बावजूद बिहार में बेटियां असुरक्षित हैं। दुखद सच्चाई यह है कि सरकार की संवेदनहीनता, महिलाओं की सुरक्षा प्रति सरकारी-प्रशासनिक उदासीनता और नाकामी की वजह से बहन-बेटियों के लिए तनिक भी सुरक्षित नहीं रह गई हैं। हैरानी की बात है कि पूरे प्रदेश में लगभग रोज बहन-बेटियों के साथ अत्याचार-दुराचार-यौनाचार हो रहा है, फिर भी गहरी नींद में सोई हुई है सरकार।उन्होंने आगे सवाल करते हुए मुख्यमंत्री जी, ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बिहार में अपराधियों को कानून का रत्ती भर भी भय नहीं है? आपके तमाम निर्देशों के बावजूद बेटियों के प्रति हिंसक और यौन अपराध की घटनाएं खत्म होने का नाम क्यों नहीं ले रही हैं?

पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने छोड़ी कांग्रेस पार्टी हाईकमान को भेजा इस्तीफा

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा। कद्दावर नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। एक समय में नसीमुद्दीन बहुजन समाज पार्टी के दिग्गज और मायावती के करीबी नेता माने जाते थे, जिन्होंने बसपा छोड़कर कांग्रेस का हाथ थाम था। लेकिन अब उन्होंने कांग्रेस को भी अलविदा कह दिया है। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ पार्टी नेता नसीमउद्दीन सिद्दीकी के इस कदम से उत्तर प्रदेश की राजनीति में सियासी हलचल पैदा हो गई है। दरअसल, बसपा छोड़कर कांग्रेस में आए नसीमुद्दीन को पार्टी ने बड़े मुस्लिम चेहरे के तौर लिया था। हालांकि, संगठन से लेकर चुनावों तक में कांग्रेस को उनके नेतृत्व में कोई बढ़त नहीं मिल पाई। वहीं, नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस्तीफा भेजकर पार्टी छोड़ने को व्यक्तिगत कारणों की वजह बताया है। अपने लिखित इस्तीफे पत्र में सिद्दीकी ने कहा कि वे कारणों' से अपनी प्राथमिक सदस्यता और सभी संगठनात्मक जिम्मेदारियों का त्याग कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस के किसी भी पदाधिकारी के खिलाफ उनकी कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं है, लेकिन उन्होंने कहा कि जिन उद्देश्यों के लिए वे पार्टी में शामिल हुए थे, वे पूरे नहीं हो थे। हालांकि राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि नसीमुद्दीन आने वाले समय में चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी में शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी ये केवल अटकलें हैं, नसीमुद्दीन की तरफ से अभी तक इसको लेकर कोई अधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

नसीमउद्दीन सिद्दीकी उत्तर प्रदेश की में एक जाना-पहचाना चेहरा हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत बसपा से की और मायावती सरकार में मंत्रिमंडल मंत्री के रूप में कई महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाला। अपने जोशीले भाषण और जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ के लिए जाने जाने वाले सिद्दीकी ने दलितों, पिछड़े वर्गों और समुदायों के बीच काफी प्रभाव स्थापित किया है।

पूर्व मंत्री ने बताया कि उनके साथ पूर्व विधायकों समेत करीब 72 नेताओं ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आगे कहा कि उनके सहयोगियों से बातचीत चल रही है और भविष्य की रणनीति पर सामूहिक निर्णय लिया जाएगा।

जंग, जज़्बात और जुनून की गाथा, बड़े पर्दे पर देशभक्ति का जबरदस्त विस्फोट

फिल्म 'बॉर्डर 2' भारत-पाक युद्ध 1971 की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें थलसेना, वायुसेना और नौसेना के जांबाज़ जवानों की बहादुरी को एक साथ पिरोया गया है। कहानी तीन दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो नेशनल वॉर अकादमी में साथ ट्रेनिंग लेते हैं और बाद में अलग-अलग सेनाओं का हिस्सा बनते हैं। शादी की खुशियों के बीच अचानक युद्ध की आहट सुनाई देती है और तीनों अपने-अपने मोर्चों पर देश की रक्षा के लिए निकल पड़ते हैं। पश्चिमी सीमा पर सीमित संसाधनों के बावजूद दुश्मन को रोकने की चुनौती फिल्म की कहानी को रोमांचक मोड़ देती है।

पटकथा और संवाद: सरल लेकिन प्रभावशाली

फिल्म की कहानी सिनेमाई होने के साथ-साथ जानकारी भी देती है और 1971 युद्ध के कई अनछुए पहलुओं को सामने लाती है। पटकथा को इस तरह गढ़ा गया है कि दर्शक बिना उलझे युद्ध की गंभीरता को समझ सकें। संवाद भावनात्मक, देशभक्ति से भरपूर और कई जगह तालियां बजवाने वाले हैं। फिल्म सिर्फ युद्ध नहीं दिखाती, बल्कि जवानों के मन के द्वंद्व, दोस्ती और परिवार से जुड़े जज़्बातों को भी मजबूती से पेश करती है।

निर्देशन: भावनाओं और भव्यता का संतुलन

निर्देशक अनुराग सिंह की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उन्होंने कहानी को सरल और प्रभावी रखा है। युद्ध के दृश्य भव्य होने के बावजूद भ्रम पैदा नहीं करते और दर्शकों को अंत तक बांधे रखते हैं। फिल्म में मास अपील का खास ध्यान रखा गया है, खासकर इंटरवल से पहले का सीन और अंतिम 15 मिनट दर्शकों में जबरदस्त जोश भर देते हैं। इसके साथ ही भावनात्मक और हल्के-फुल्के पल भी कहानी को संतुलित बनाते हैं।

कमजोर कड़ियां भी आईं सामने

हालांकि फिल्म ज्यादातर हिस्सों में मजबूत है, लेकिन कुछ जगहों पर लंबाई थोड़ी ज्यादा महसूस होती है। पहले हाफ में रोमांटिक ट्रैक के बाद कहानी की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ती है। वहीं नौसेना से जुड़े कुछ दृश्यों में विजुअल इफेक्ट्स उतने प्रभावशाली नहीं लगते। बावजूद इसके, ये कमियां फिल्म के समग्र असर को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचातीं।

अभिनय: सनी देओल का दबदबा, बाकी कलाकार भी मजबूत

सनी देओल एक बार फिर अपने क्लासिक अंदाज़ में नजर आते हैं और भावनात्मक तथा युद्ध दोनों दृश्यों में गहरी छाप छोड़ते हैं। उनके कुछ डायलॉग और सीन पुराने दौर की याद दिलाते हैं। वरुण धवन अपने करियर के सबसे गंभीर और प्रभावशाली रोल में दिखाई देते हैं और अपने किरदार को पूरी ईमानदारी से निभाते हैं। दिलजीत दोसांझ सहज और प्रभावी लगते हैं, जबकि अहान शेट्टी ने भी अपनी भूमिका में पूरी कोशिश की है। महिला कलाकारों में मोना सिंह सबसे ज्यादा असर छोड़ती हैं। सहायक कलाकार और विलेन भी कहानी को मजबूती देते हैं।

संगीत और तकनीकी पक्ष

फिल्म का संगीत इसकी जान है और कई गाने सीधे दिल को छूते हैं। देशभक्ति और भावनाओं से भरे गीत कहानी के साथ अच्छे से घुलते हैं। बैकग्राउंड स्कोर युद्ध दृश्यों की गंभीरता को और बढ़ाता है। एक्शन सीक्वेंस प्रभावशाली हैं और प्रोडक्शन डिजाइन व कॉस्ट्यूम्स फिल्म को यथार्थ के करीब लाते हैं। एडिटिंग संतुलित है, हालांकि कुछ दृश्य छोटे किए जा सकते थे।

देशभक्ति सिनेमा का दमदार अनुभव

कुल मिलाकर 'बॉर्डर 2' एक भव्य, भावनात्मक और जोशीली वॉर फिल्म है, जो 1997 की क्लासिक 'बॉर्डर' की विरासत को आगे बढ़ाती है। फिल्म दिल और जांबाज़ी के बीच सही संतुलन बनाती है और जब पूरी रफ्तार पकड़ती है, तो दर्शकों को सीट से बांध देती है। क्लाइमेक्स के दृश्य थिएटर में जबरदस्त माहौल बनाने की ताकत रखते हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के मजबूत ओपनिंग करने की पूरी उम्मीद है और यह साल की बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में शामिल हो सकती है।

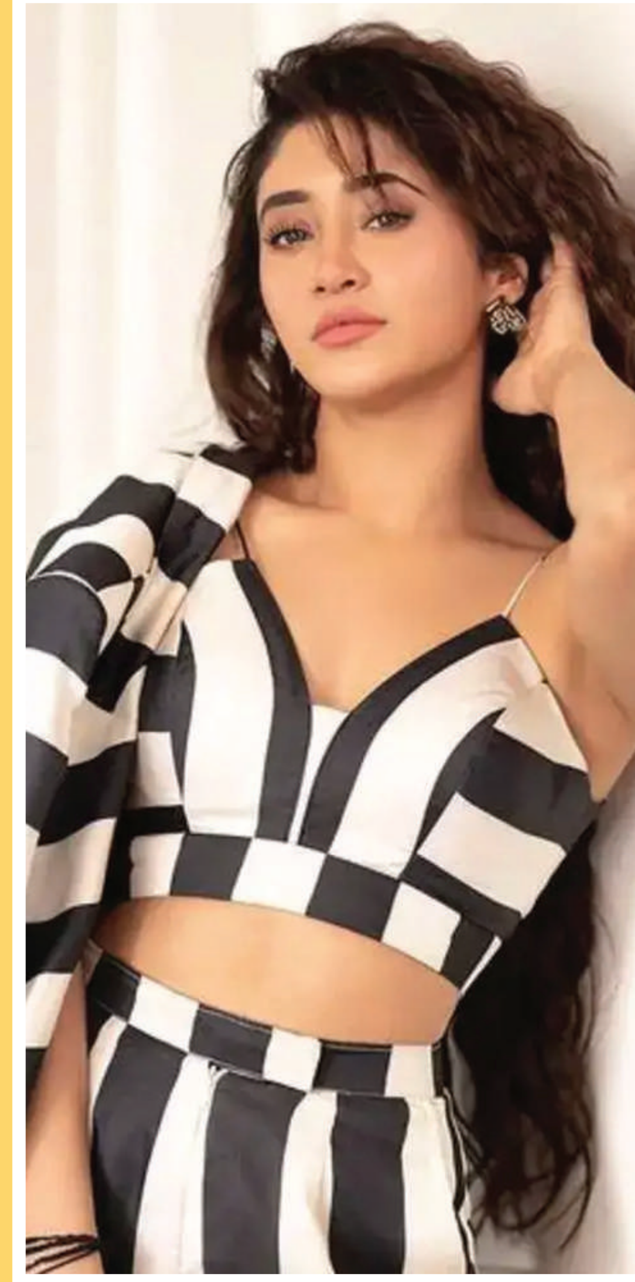

डेटिंग के लिए प्रोफेशन नहीं, इंसान मायने रखता है : शिवांगी जोशी

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री शिवांगी जोशी अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह रखती हैं। उन्होंने हाल ही में डेटिंग और रिलेशनशिप को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। अभिनेत्री ने हाल ही में बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉपुलर पॉडकास्ट ऑनेस्टली, व्हाई नॉट? में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शिरकत की थी। इस शो में होस्ट ने अभिनेत्री से मनोरंजन जगत के लोगों को डेट करने के बारे में सवाल किया था। होस्ट ने पूछा था कि क्या वे इंडस्ट्री के लड़कों को डेट करना पसंद करेंगी या नहीं। इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने साफ तरीके से कहा कि उनके लिए किसी भी रिश्ते की नींव इंसानियत, आदर और आपसी समझ पर टिकी होना जरूरी है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि प्यार का किसी इंडस्ट्री या प्रोफेशन से कोई लेना-देना है। यह पूरी तरह से इंसान पर निर्भर करता है। असल में ये सब सम्मान, समझदारी, सच्चा प्यार और अच्छे मूल्यों पर आधारित होता है। इसलिए किसी का प्रोफेशन मेरे लिए मायने नहीं रखता है। हालांकि, अभिनेत्री अपनी लव लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। उनका नाम मोहसिन खान और कुशाल टंडन के साथ जोड़ा जाता है।

शिवांगी ने अपने करियर में टीवी से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक में काम किया है, लेकिन आज भी फैंस उन्हें ये रिश्ता क्या कहलाता है से पहचानते हैं। इस शो में वे नायरा के किरदार में नजर आई थीं। शो में उनके अपोजिट मोहसिन खान नजर आए थे। कहा जाता है कि शो के दौरान दोनों रिलेशन में थे। हालांकि, फिर उन्होंने ब्रेकअप कर लिया था, लेकिन दोनों ने कभी भी अपने ब्रेकअप को लेकर बात नहीं की।

इसके बाद अभिनेत्री टीवी सीरियल बरसातें में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ कुशाल टंडन थे। शो के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाद में प्यार में बदल गई थी। वहीं, कुछ समय बाद उनके ब्रेकअप की खबरें सामने आईं। इस बात की पुष्टि खुद कुशाल ने सोशल मीडिया पर की थी, यह बताते हुए कि वे अब साथ नहीं हैं और उनकी सोच नहीं मिलती थी। -

रिया सेन: 15 साल की उम्र में फेस किया कैमरा, नहीं हासिल कर सकी मां और नानी जैसा मुकाम

हिंदी सिनेमा के बड़े पर्दे पर चमकने के लिए हर साल कई चेहरे आते हैं। नए चेहरे आते हैं, और कहां गायब हो जाते हैं, किसी को पता नहीं चलता। कुछ ही चेहरे ऐसे होते हैं जो सिनेमाई दुनिया में अपना मुकाम बना पाते। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं रिया सेन, जिन्हें विरासत में एक्टिंग मिली, लेकिन वो मुकाम हासिल नहीं कर पाई जो उनकी मां मुनमुन सेन और नानी

सुचित्रा सेन ने हासिल किया था। 24 जनवरी को जन्मीं रिया सेन ने बाल कलाकार के रूप में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। 1991 में फिल्म 'विषकन्या' में उन्हें बतौर चाइल्ड ऑटिस्ट देखा गया और उसके बाद रिया कई फिल्मों में नजर आई। उन्होंने हिंदी, तमिल और बंगाली सिनेमा में पैर जमाने की कोशिश की लेकिन असफल रहीं। रिया अपनी फिल्मों से ज्यादा फिल्म इंडस्ट्री में उनके विवाद और पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रही थीं। यही कारण है कि फिल्मों के दौरान भी उनके लव अफेयर के चर्चे सबसे ज्यादा रहते थे।

रिया ने करियर की शुरुआत 15 साल की उम्र में 1999 में आई तमिल फिल्म 'ताजमहल' से की थी, जिसके बाद रिया साल 2001 में आई 'स्टाइल', 'झंकार बीट्स', 'शादी नं. 1', और 'सपना मनी मनी' जैसी फिल्मों में दिखी। ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप या कुछ औसत रहीं। साल 2005 में उन्हें हॉरर मलयालम फिल्म अनंथाभाद्रम में भी देखा गया। फिल्में आती रहीं, रिलीज हुईं, लेकिन रिया पहचान बना नहीं पाई।

कई फिल्मों में काम करने के बाद रिया आज बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन आज भी उनकी फिल्मों से ज्यादा उनके विवादों की बात होती है। कहा जाता है कि रिया को सेट पर उनके टैंट्रम्स के लिए जाना जाता है। रिया सेट पर स्टॉफ से बदसलूकी के लिए बदनाम थीं। निर्माता उन्हें फिल्म इसलिए भी ऑफर करने से बचते थे क्योंकि उनके बदतमीजी के किस्से मशहूर थे। रिया का नाता एमएमएस लीक होने से लेकर रेव पार्टी में उनकी मौजूदगी तक से रहा था। निजी जीवन भी फिल्मों से कम नहीं था। उनका नाम बॉलीवुड स्टार्स से लेकर क्रिकेट जगत के खिलाड़ियों के साथ जुड़ा। बिपाशा बसु को डेट करने से पहले रिया और जॉन अब्राहम ने एक दूसरे को लंबे समय तक डेट किया था। इतना ही नहीं, दोनों की शादी की खबरें भी आई थीं, लेकिन अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए दोनों ने ही अपने रास्ते अलग कर लिए। जॉन के अलावा, रिया का नाम अश्मित पटेल, मशहूर लेखक और बुकर पुरस्कार विजेता सलमान रुश्दी, युवराज सिंह, अक्षय खन्ना और श्रीसंत के साथ भी जुड़ा था।

बॉर्डर-2 के दीवाने हुए नील नितिन मुकेश, गर्व और सम्मान के साथ फिल्म बनाने के लिए पूरी टीम को दी बधाई

सनी देओल और मल्टीस्टारर फिल्म 'बॉर्डर-2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और पहले ही दिन फिल्म ने 30 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म रिपब्लिक डे की सबसे बड़ी ओपनिंग करने से चूक गई, क्योंकि ये खिताब शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' के नाम है। इसी बीच अभिनेता नील नितिन मुकेश ने फिल्म और फिल्म की पूरी स्टारकास्ट की खुलकर तारीफ की है। नील नितिन मुकेश ने फिल्म 'बॉर्डर-2' की खुलकर तारीफ की है और फिल्म को दिल छू लेने वाला बताया है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें वे फिल्म की स्टारकास्ट के साथ दिख रहे हैं। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, क्या शानदार फिल्म है! क्या गजब की विरासत है जिसे गर्व और सम्मान के साथ आगे बढ़ाया गया है। फिल्म की निर्माता निधि दत्त को बहुत बधाई, जिन्होंने बॉर्डर-2 के साथ नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

'बॉर्डर-2' को इतनी भव्यता, भावनाओं और गर्व के साथ पर्दे पर लाने के लिए कई लोगों ने मेहनत की है। सनी देओल की तारीफ कर उन्होंने कहा, सर, आप हमेशा की तरह बेहतरीन फॉर्म में हैं। ज़बरदस्त शक्ति और ज़बरदस्त गंभीरता के साथ आपने फिल्म में जान डाल दी। वरुण धवन ने अपने अभिनय से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। उनका दबदबा हर फ्रेम में देखने को मिला है।

अभिनेता ने दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की भी तारीफ की, और सबसे ज्यादा वे फिल्म के गानों के फैन दिखे। फिल्म के सातों गानों को अभिनेता ने शानदार बताया। नील ने इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी बनाने का भार उठाने और उसे अपने अंदाज में पेश करने के लिए पूरी टीम की सराहना की है।

बता दें कि 'बॉर्डर-2' में वही एलिमेंट और इमोशन डालने की कोशिश की गई है जो फिल्म 'बॉर्डर' में डाले गए थे। फिल्म के डायलॉग से लेकर गाने तक 1997 में आई फिल्म की याद दिलाते हैं। हालांकि, देखना होगा कि फिल्म कमाई के मामले में 'बॉर्डर' को पीछे छोड़ पाती है या नहीं। बॉर्डर ने 1997 में अपने बजट से तीन गुना ज्यादा कमाई की थी। इंडस्ट्री ट्रैकर वेबसाइट सेकनिल्क के मुताबिक फिल्म का बजट 10 करोड़ रुपये था और फिल्म ने वर्ल्डवाइड कलेक्शन 64.98 करोड़ रुपये का किया था, जबकि घरेलू स्तर पर भारत में 39.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर पाई थी।

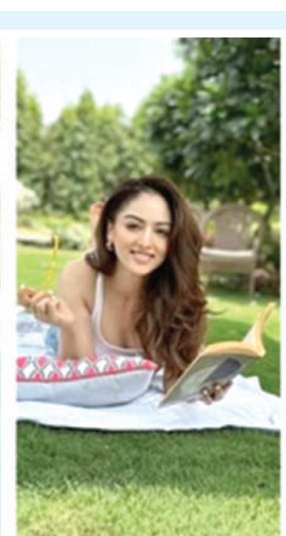
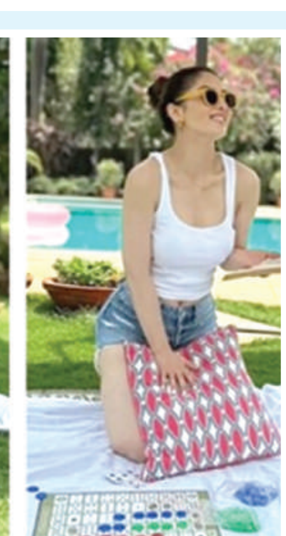
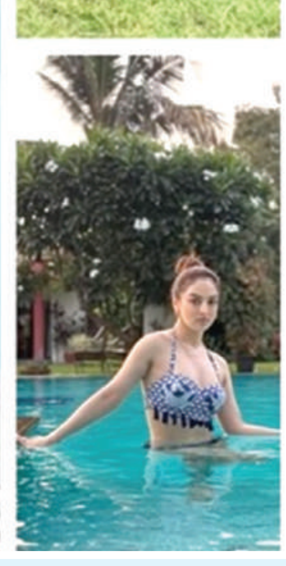
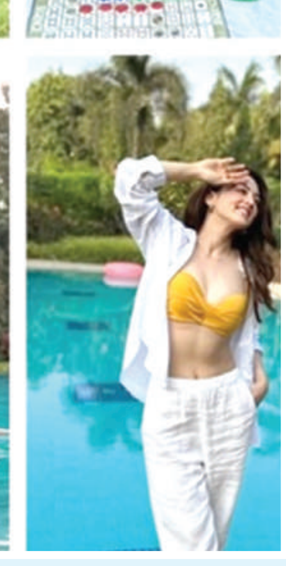

इस नेशनल टूरिज़्म डे पर संदीपा धर की ट्रैवल डायरी के साथ बनाइए अपना परफेक्ट वीकेंड

संदीपा धर की नई ट्रैवल डायरी हमें याद दिलाती है कि वीकेंड का असली मतलब होता है थोड़ा खुद के लिए रुकना, धूप का आनंद लेना और खुद के लिए समय निकालना। नेशनल टूरिज़्म डे के मौके पर अभिनेत्री द्वारा शेयर की गई ये तस्वीरें घूमने-फिरने और सुकून भरे पलों की खूबसूरती को बहुत ही सरल अंदाज़ में दिखाती हैं। एक तस्वीर में संदीपा पूल के पास पिकनिक का मज़ा लेती दिखाई दे रही हैं। सफेद चादर पर सन अंब्रेला के नीचे हाथ में किताब और पास में बोर्ड गेम रखकर आराम करती संदीपा, आराम के साथ सुकून से भरे समय को दर्शा रही है। सफेद टैंक टॉप, डेनिम शॉर्ट्स और पीले सनग्लासेस में उनका लुक काफ़ी सादा, लेकिन स्टाइलिश है। दूसरी तस्वीर में संदीपा पूलसाइड मस्टर्ड रंग की बिकिनी में नज़र आ रही हैं, जिसके साथ उन्होंने हल्की सफेद पैंट और ढीली शर्ट पहनी है। हरियाली और साफ़ नीले पानी के बीच उनका यह अंदाज़ बताता है कि घूमते समय आराम और फैशन दोनों साथ चल सकते हैं।

आख़िरी तस्वीर में संदीपा गोल्डन आवर के दौरान पूल में कमर तक पानी में खड़ी दिखाई दे रही हैं। पैटर्न वाली बिकिनी और बंधे हुए बालों के साथ उनका शांत अंदाज़ इस पल को और भी खास बना देता है। यह तस्वीर यात्रा के दौरान मिलने वाले सुकून और शांति को खूबसूरती से दिखाती है। फिलहाल नेशनल टूरिज़्म डे पर संदीपा धर की ये तस्वीरें हमें यह संदेश देती हैं कि यात्राएं सिर्फ़ नई जगहें देखने के लिए नहीं होती, बल्कि खुद से जुड़ने का भी एक माध्यम होती हैं।

हालांकि संदीपा धर के आने वाली फिल्मों की बात करें तो वे जल्द ही फिल्म दो दीवाने सहर में में नज़र आने वाली हैं। इसके अलावा वे एक और अनटाइटल्ड फ़िल्म में काम कर रही हैं, जिसकी जानकारी जल्द ही उनके दर्शकों को मिलेगी। तब तक संदीपा धर की ट्रेवलिंग डायरी की तर्ज़ पर आप अपने वीकेंड को पर्फेक्ट बनाइए और उनके साथ मनाइए नेशनल टूरिज़्म डे।

रथ सप्तमी पर नमक न खाने से पूरे साल मिलता है इसका लाभ, इन उपायों से बनेंगे बिगड़े काम

माघ मास में शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को रथ सप्तमी के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इसी दिन सूर्यदेव की पहली किरणें धरती पर पड़ी थीं। ऐसे में सारी सप्तमी तिथियों में से इसका अधिक महत्व माना गया है। इस बार रथ सप्तमी की पूजा और व्रत 25 जनवरी, रविवार को करना शास्त्र सम्मत होगा। वहीं, इस दिन रविवार पड़ने से यह दिन और भी खास रहेगा क्योंकि सप्ताह का यह दिन सूर्यदेव को समर्पित माना जाता है। पद्म पुराण के अनुसार, रथ सप्तमी पर सूर्यदेव की पूजा करने के साथ-साथ उन्हें मीठे पकवान अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। वहीं, जो जातक इस दिन नमक का सेवन नहीं करते उन्हें इस पूजा का अत्यंत शुभ फल प्राप्त होता है। आइए विस्तार से जानें एक दिन नमक न खाने के फायदे और रथ सप्तमी के उपाय...

रथ सप्तमी पर नमक त्यागने के लाभ और महत्व

पद्म पुराण में माघ मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली सप्तमी तिथि का खास महत्व है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और सूर्यदेव की पूजा करने से रोगों से बचाव होता है। साथ ही, जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। वहीं, इस तिथि पर मीठा खाने का भी खास महत्व है। पद्म पुराण के अनुसार जो लोग रथ सप्तमी पर केवल मीठा भोजन करते हैं और केवल एक दिन के लिए नमक का त्याग करते हैं उन्हें पूरे साल की सप्तमी तिथि के व्रत के बराबर फल की प्राप्ति होती है। माघी सप्तमी पर मीठा भोजन करके सूर्यदेव की पूजा करने से करियर में तरक्की के रास्ते खुलते हैं और आपके बिगड़े हुए काम बनने शुरू हो सकते हैं। जो लोग पूरे साल की सप्तमी का व्रत नहीं कर पाते उन्हें यह व्रत नमक त्यागकर अवश्य रखना चाहिए। ऐसा करने से सूर्यदेव की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

धन-धान्य में वृद्धि के लिए करें यह उपाय

रथ सप्तमी के दिन दान, पुण्य कार्यों का खास महत्व बताया गया है। ऐसा करने से अत्यंत शुभ फल प्राप्त होता है। रथ सप्तमी के दिन सुबह स्नानादि करके सूर्यदेव की पूजा करने के पश्चात किसी जरूरतमंद व्यक्ति को गुड़ और तिल का दान करना चाहिए। अपने सामर्थ्य अनुसार आप इन चीजों का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से सूर्य देवता की विशेष कृपा प्राप्त होती है और धन-धान्य में वृद्धि के योग बनने लगते हैं।

जीवन की बाधाओं से मुक्ति का उपाय

माघ मास की सप्तमी तिथि के दिन नमक और तेल का त्याग करके मीठे भोजन का सेवन करना अत्यंत लाभदायक माना जाता है। केवल एक दिन नमक छोड़कर मीठा खाने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। व्रती को इस दिन फलाहार करना चाहिए। ऐसा करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है और जीवन में आने वाली बाधाओं से भी जातक को मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, सफलता के नए द्वार खुल सकते हैं।

आर्थिक लाभ और करियर में उन्नति का उपाय

रथ सप्तमी के दिन व्रत और सूर्यदेव की पूजा करने के साथ-साथ पवित्र नदी में स्नान करने का भी खास महत्व होता है। लेकिन अगर ऐसा संभव न हो तो आप घर में नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। साथ ही, सूर्य के मंत्रों का जाप भी अवश्य करें। इस दिन रविवार पड़ने से आप आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ भी कर सकते हैं। अगर संभव हो तो रथ सप्तमी पर नमक का दान जरूर करें। ऐसा करने से आर्थिक लाभ मिलता है और करियर में भी उन्नति प्राप्त हो सकती है।

माघी पूर्णिमा का शास्त्र सम्मत विधान, स्नान, दान और विष्णु पूजन का पुण्यफल

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माघ मास की पूर्णिमा से ही कलियुग का आरंभ माना जाता है। इस दिन विधिपूर्वक किया गया स्नान मनुष्य को नर्कगमन से मुक्ति प्रदान करता है और स्नान, दान एवं जप के पुण्य प्रभाव से साधक भवसागर को पार कर विष्णु धाम को प्राप्त करता है। माघी पूर्णिमा के विषय में शास्त्रों में विशेष विधान वर्णित है। मान्यता है कि जो श्रद्धालु इस दिन-

तारों के छिपने से पूर्व पवित्र स्नान करते हैं, उन्हें उत्तम फल की प्राप्ति होती है।

जो व्यक्ति तारों के लुप्त होने के बाद, किंतु सूर्योदय से पूर्व स्नान करते हैं, उन्हें मध्यम फल प्राप्त होता है,

जबकि सूर्योदय के पश्चात स्नान करने वाले इस दिन के श्रेष्ठ पुण्य से वंचित रह जाते हैं और उन्हें केवल साधारण फल ही प्राप्त होता है।

इसी कारण माघी पूर्णिमा पर शास्त्र अनुसार आचरण करते हुए प्रातःकाल तारों के छिपने से पहले स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यताओं के अनुसार माघी पूर्णिमा के दिन सूर्योदय से पूर्व जल में भगवान का दिव्य तेज विद्यमान रहता है। देवताओं से संयुक्त यह तेज पापों का शमन करने वाला माना गया है। कहा जाता है कि जब प्रातःकाल आकाश में पवित्र तारों का समूह दृष्टिगोचर हो, उस समय नदी में किया गया स्नान घोर से घोर पापों का भी नाश कर देता है और साधक को पुण्य का अक्षय फल प्रदान करता है। माघी पूर्णिमा के पर्व पर तीर्थस्थलों पर स्नान के लिए आए श्रद्धालुओं को सर्वप्रथम त्रिवेण्ये नमः का उच्चारण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित करनी चाहिए, जिससे उनका संकल्प पूर्ण और साधना फलदायी होती है।

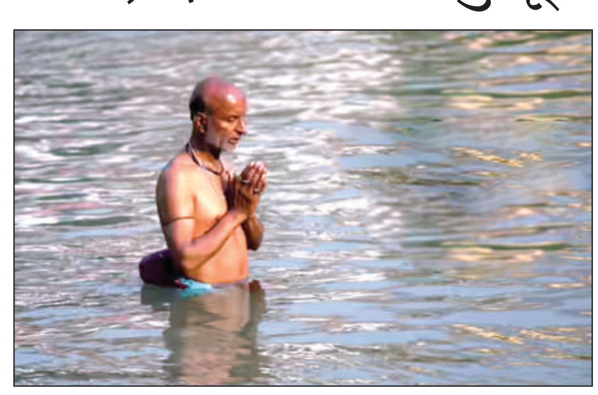

माघी पूर्णिमा 2026 दान व पूजन

माघ मास की पूर्णिमा के दिन प्रातः स्नानादि से निवृत्त होकर भगवान विष्णु का विधिपूर्वक पूजन, पितरों का श्राद्ध कर्म, असमर्थों को भोजन तथा वस्त्रदान करना विशेष फलदायी माना गया है। इसके अतिरिक्त ब्राह्मणों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार तिल, वस्त्र, कंबल, गुड़, कपास, घी, लड्डू, फल, अन्न, स्वर्ण एवं रजत आदि का दान करना चाहिए। इस दिन पूर्ण व्रत का पालन करते हुए ब्राह्मणों को भोजन कराने के पश्चात कथा-कीर्तन करना और अगले दिन प्रस्थान करना शास्त्रसम्मत बताया गया है। माघी पूर्णिमा की यह तिथि गंगा स्नान के लिए अत्यंत पुण्यदायिनी मानी गई है, जिससे साधक को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

साल 2026 में लाल किताब के अनुसार मेष से मीन राशि को कौन सा उपाय करना चाहिए, ग्रहों की स्थिति होगी मजबूत

लाल किताब के अनुसार, आने वाले वर्ष 2026 में मेष से मीन तक सभी बारह राशियों को कौन-कौन से उपाय करने चाहिए ताकि उनका ग्रहों के प्रतिकूल प्रभाव से बचाव हो सके और लाभ कमाने के अवसर प्राप्त हों। ज्योतिषीय गणना बताती है कि साल 2026 में गुरु मिथुन, कर्क और सिंह तीन राशियों में गोचर करेंगे। राहु पूरे वर्ष कुंभ राशि में, केतु सिंह राशि में गोचर करेंगे और शनि पूरे वर्ष में मीन राशि में विराजमान रहेंगे। ऐसे में ग्रहों की स्थिति सभी राशियों के जीवन पर अलग-अलग प्रभाव डालेगी। तो आइए जानते हैं कि लाल किताब के अनुसार मेष से मीन तक सभी राशियों के लिए साल 2026 कैसा रहने वाला है। साथ ही, कौन से उपाय आजमाने से लाभ प्राप्त हो सकता है।

मेष राशि – साल 2026 मेष राशि के लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। आपको सोच-समझकर निर्णय लेने होंगे और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी। इस राशि के स्वामी ग्रह मंगल होते हैं। ऐसे में लाल किताब के अनुसार, आपको इस साल में गाजर, अनार, चुकंदर, मसूर, लौंग, टमाटर, किशमिश, बादाम आदि का सेवन करना चाहिए। सर्दियों में मक्के के आटे की रोटी का सेवन करें और बादाम भिगोकर खाएं। उपाय के तौर पर मेष राशि को बंदरों की सेवा और लाल वस्त्र का दान करना चाहिए।

शुभ रंग– लाल

वृषभ राशि –नया वर्ष वृषभ राशि वालों के लिए अच्छा रहेगा। लेकिन जल्दबाजी में निवेश से नुकसान की संभावना है। स्वास्थ्य में गिरावट आने की आशंका है। वृषभ राशि के स्वामी ग्रह शुक्र होते हैं। ऐसे में लाल किताब के अनुसार आपको गेहूं, नारियल, सिंघाड़े, बादाम, नारियल आदि सफेद चीजों का सेवन करना चाहिए। उपाय के तौर पर आलू, दही और घी का दान करना लाभदायक सिद्ध होगा। चांदी का छोटा टुकड़ा अपने साथ रखें।

शुभ रंग– सफेद

मिथुन राशि –साल 2026 में मिथुन राशि की कुछ इच्छाएं पूरी हो सकती है। मेहनत का भी फल मिलेगा। लेकिन विवादों से दूर रहना होगा और स्वास्थ्य के लिहाज से पेट संबंधित समस्याएं परेशान कर सकती हैं। इस राशि के स्वामी ग्रह बुध होते हैं। ऐसे में लाल किताब के अनुसार, आपको मूंग, मेथी, आंवला, बथुआ, पालक, लौकी आदि हरी चीजों का सेवन करना चाहिए। उपाय के तौर पर मछलियों को भोजन कराएं और रोजाना सुबह सूर्य को जल अर्पित करें।

शुभ रंग– हरा

कर्क राशि –लाल किताब के मुताबिक, नया वर्ष कर्क राशि वालों के लिए करियर के मामले में शुभ रहेगा। लेकिन आर्थिक मामलों में कुछ बाधाएं सामने आ सकती हैं। ऐसे में सोच-समझकर फैसले लेने होंगे। आपकी राशि के स्वामी ग्रह चंद्रमा हैं। ऐसे में लाल किताब के अनुसार कर्क राशि वालों को दही, पनीर, दूध, अखरोट, सफेद तिल आदि चीजों का सेवन करना चाहिए। उपाय के तौर पर दूध और चावल का दान करें। रोजाना दुर्गा चालीसा का पाठ करना लाभदायक सिद्ध होगा।

शुभ रंग– सफेद

सिंह राशि –साल 2026 सिंह राशि के लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। परिवार के साथ समय बिताना बेहतर रहेगा। वहीं, वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ख्याल रखना होगा। सिंह राशि का स्वामी ग्रह सूर्य होता है। ऐसे में लाल किताब के अनुसार आपको मुनक्का, खजूर, गन्ना, किशमिश, गेहूं का आटा, जौ आदि का सेवन करना चाहिए। उपाय के तौर पर पानी में चीनी डालकर सूर्य को जल अर्पित करें। शुभ कार्य से पहले मीठा जरूर खाएं।

शुभ रंग– गुलाबी और सुनहरा

कन्या राशि –लाल किताब के अनुसार, कन्या राशि के लिए साल 2026 सामान्य से कुछ कम अच्छा हो सकता है। खर्चों में वृद्धि होने के संकेत हैं, आर्थिक स्थिति पर ध्यान देना होगा। कन्या राशि के स्वामी ग्रह बुध होते हैं। ऐसे में आपको पालक, सरसों, लौकी, मेथी, हरे आंवले आदि का सेवन करना चाहिए। सर्दियों में पालक और सरसों का साग लाभकारी होगा। उपाय के तौर पर मछलियों को भोजन कराएं और जरूरतमंदों को वस्त्र दान करें।

शुभ रंग– हरा

तुला राशि –नया वर्ष तुला राशि के लिए उतार-चढ़ाव भरा हो सकता है। आपको यात्राओं का मौका मिलेगा और आय को स्थिर रखने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। इस राशि के स्वामी ग्रह शुक्र होते हैं। ऐसे में लाल किताब के अनुसार, तुला राशि को चौलाई के बीज, अखरोट, बादाम, नारियल आदि का सेवन करना चाहिए। उपाय के तौर पर दही, दूध, चावल आदि का दान करें। नियमित पहली रोटी गौ माता के लिए निकालें।

शुभ रंग– सफेद

वृश्चिक राशि –साल 2026 में वृश्चिक राशि को पारिवारिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रयासों से सफलता मिलेगा और कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। इस राशि के स्वामी मंगल होते हैं। ऐसे में लाल किताब के अनुसार, वृश्चिक राशि को मक्का, किशमिश, गुड़, जौ, गेहूं आदि का सेवन करना चाहिए। उपाय के तौर पर सूर्य को जल में चीनी डालकर अर्घ्य दें। मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करें।

शुभ रंग– गुलाबी और सुनहरा

धनु राशि –लाल किताब के मुताबिक, साल 2026 धनु राशि के लिए अनुकूल रहेगा। आपको तरक्की के अवसर मिलेंगे और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। धनु राशि के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं। ऐसे में आपको अदरक, पपीता, चना, सीताफल, चने का आटा, मेथी दाना, हल्दी, मक्के के आटे का सेवन करना चाहिए। उपाय के तौर पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएं। पीपल के वृक्ष की पूजा करना शुभ रहेगा।

शुभ रंग– पीला

मकर राशि –नया साल मकर राशि वालों के लिए जीवन में कई बदलाव ला सकता है। आर्थिक मामलों में व्यय की स्थिति अधिक रहेगी। हालांकि, सात के अंत में स्थिति बेहतर होगी। इस राशि के स्वामी ग्रह शनि होते हैं। लाल किताब के अनुसार, मकर राशि को जामुन, काले अंगूर, काली मिर्च, शहद, मुनक्का आदि का सेवन करना चाहिए। उपाय के तौर पर काली उड़द और तेल का दान करें। बंदरों को केला खिलाएं और अखरोट दान करना लाभदायक सिद्ध होगा।

शुभ रंग– काला और नीला

कुंभ राशि –लाल किताब के अनुसार, इस साल में कुंभ राशि की इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। हालांकि, निजी जीवन में गलतफहमियों से दूर रहने की सलाह है। कुंभ राशि के स्वामी ग्रह शनि होते हैं। ऐसे में लाल किताब के अनुसार, काली मिर्च, मुनक्का, काले अंगूर, जामुन आदि का सेवन करने से कुंडली में शनि की स्थिति बेहतर होगी। उपाय के तौर पर काली उड़द की दाल का दान करें और शनिवार के दिन चीटियों को आटा खिलाएं।

शुभ रंग– काला और नीला

मीन राशि –साल 2026 मीन राशि वालों के लिए मेहनत का समय हो सकता है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा और किसी भी मामले में धैर्य रखने की सलाह है। इस राशि के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं। लाल किताब के अनुसार मीन राशि को चने की दाल, सीताफल, मक्के का आटा, पपीता, केला, हल्दी, मेथी दाना आदि का सेवन करना चाहिए। उपाय के तौर पर हल्दी या केसर का तिलक लगाएं। जरूरी मामलों में जीवनसाथी का सलाह अवश्य लें।

शुभ रंग– पीला

महाशिवरात्रि 15 फरवरी को

अबकी बार सर्वार्थ सिद्धि योग में बना है शिव पूजा का महासंयोग, जानें पूजन विधि

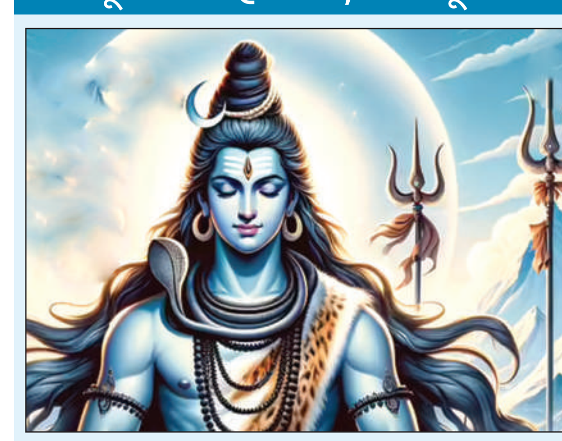

महाशिवरात्रि हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। इस त्योहार का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व है। मान्यता है कि इसी दिन शिवजी और देवी पार्वती का विवाह हुआ था। भोलेनाथ ने फाल्गुन मास के चतुर्दशी तिथि को वैराग्य त्याग कर वैवाहिक जीवन को अपना लिया था। ऐसे में महाशिवरात्रि पर शिवजी की पूजा, अभिषेक और व्रत करने से मनुष्य को सुख सौभाग्य की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और दांपत्य जीवन सुखद बना रह सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि इस साल महाशिवरात्रि कब है।

फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि का आरंभ 15 फरवरी, रविवार के दिन शाम को 5 बजकर 5 मिनट पर होगा। वहीं, अगले दिन यानी 16 फरवरी, सोमवार को शाम के 5 बजकर 35 मिनट चतुर्दशी तिथि व्याप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार, जिस रात में निशीथ काल में चतुर्दशी तिथि का संयोग बनता है उसी दिन शिवरात्रि मनाई जाती है। ऐसे में महाशिवरात्रि का व्रत और पूजा करना 15 फरवरी को ही शास्त्र सम्मत रहेगा। वहीं, जो लोग केवल चतुर्दशी का व्रत करते हैं वे 16 फरवरी को भी व्रत रख सकते हैं।

महाशिवरात्रि पूजा शुभ मुहूर्त

अबकी बार महाशिवरात्रि पर शिव पूजा का शुभ मुहूर्त शाम में श्रवण नक्षत्र के शुभ संयोग में होगा। मान्यता है कि श्रवण नक्षत्र में शिव पूजन करना अत्यंत उत्तम होता है। पंचांग के अनुसार, 15 फरवरी रविवार को रात में 7 बजकर 48 मिनट तक उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रहेगा, उपरांत श्रवण नक्षत्र शुरू हो जाएगा। इस बार सर्वार्थ सिद्धि योग में शिव पूजन का महासंयोग बन रहा है। ऐसे में इस दिन शाम को शिवजी और माता पार्वती की पूजा करने से अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

महाशिवरात्रि पूजा विधि

* व्रती को महाशिवरात्रि के दिन सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि कर लेना चाहिए। इसके बाद, साफ वस्त्र धारण करें और व्रत का संकल्प लें।

* अपने घर के मंदिर में एक चौकी पर लाल या पीले रंग का साफ वस्त्र बिछाएं। इसके पश्चात, उस पर भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें।

* अपने चारों ओर गंगाजल का छिड़काव करें। फिर, शिवजी और माता पार्वती को वस्त्र अर्पित करें।

* महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का अभिषेक जरूर करना चाहिए। इसके बाद, विधि विधान से शिवजी और मां पार्वती की पूजा अर्चना करें।

* भोलेनाथ को बेलपत्र, धतूरा, आक के पत्ते आदि जरूर अर्पित करना चाहिए। साथ ही, पूरे शिव परिवार को भी वस्त्र अर्पित करें।

* सुहागिन महिलाओं को शिवरात्रि के दिन श्रृंगार का सामान माता पार्वती को अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है।

* महाशिवरात्रि पर सुबह और शाम दो समय शिव परिवार की पूजा करने चाहिए। साथ ही, मन में सुख समृद्धि के कामना करें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सिडनी ओपेरा हाउस

करीब 2000 साल पहले एक ग्रीक कवि ने अपने समय की कुछ अनोखी इमारतों और प्रतिमाओं का जिक्र अपनी कविता में किया था। उनकी लिस्ट में शामिल प्राचीन विश्व के सातों अजूबे आज भी हमारे बीच हैं। आधुनिक अजूबों में ऑस्ट्रेलिया की पहचान सिडनी ओपेरा हाउस डिजाइन, इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन का अनूठा उदाहरण है...

अनूठा आर्किटैक्ट

सिडनी ओपेरा हाउस 20वीं सदी में बनी दुनिया की सबसे अनोखी इमारत है और दुनिया के सबसे प्रसिद्ध परफोर्मिंग आर्ट्स सेंटर में से

एक। यह ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े शहर सिडनी में सिडनी हार्बर ब्रिज के पास स्थित है। यह इमारत तीन ओर से पानी से घिरी हुई है। इसकी छतें खासतौर पर इस तरह डिजाइन की गई हैं कि वे विशाल नाव की तरह दिखाई देती हैं।

डिजाइन के लिए कम्पीटिशन

1940 के दशक में सिडनी ओपेरा हाउस की प्लानिंग शुरू हो गई थी। 13 सितंबर 1955 को सिडनी में एक नए आर्ट्स सेंटर के डिजाइन के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता शुरू की गई, जिसमें 32 देशों से 233 एंट्रीज प्राप्त हुईं। विजेता की घोषणा 1957 में की गई।

इसने जीता कम्पीटिशन

इस कम्पीटिशन को डैनिश आर्किटैक्ट जॉन अटजन ने जीता। उनके बनाए डिजाइन की काफी प्रशंसा हुई। जजों ने फैसला सुनाते समय कहा कि उनका डिजाइन सबसे ज्यादा काल्पनिक है। यह बंदरगाह में खड़ी बड़ी नावों, एजटेक और माया टैम्पल्स से प्रेरित था। हालांकि इस अनूठी कंस्ट्रक्शन का निर्माण इतना आसान नहीं था। अटजन को प्रथम पुरस्कार के तौर पर 5000 पौंड की प्राइज मनी भी दी गई।

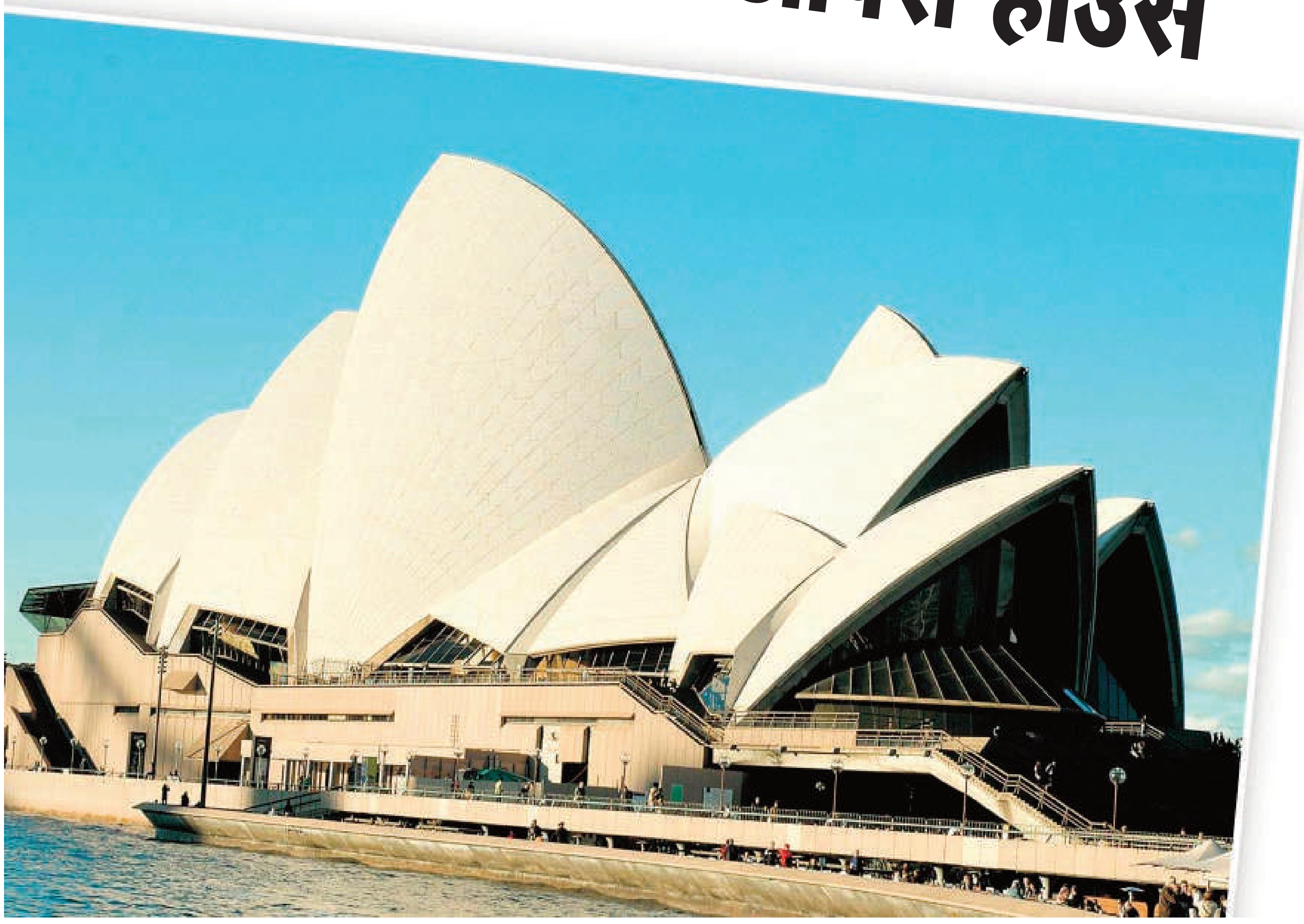

आर्किटैक्ट जॉन अटजन

अटजन ने ऐसी इमारत का निर्माण करवाया, जो उस समय उपलब्ध तकनीक के हिसाब से काफी एडवांस थी। उन्हें एक ऐसी इमारत के निर्माण के लिए बहुत प्रशंसा और आलोचना सुननी पड़ी, जिसने पूरे देश की छवि ही बदल कर रख दी थी। उन्हें 2003 में आर्किटैक्चर के सबसे बड़ा सम्मान 'प्रित्जकर' से भी नवाजा गया।

सिडनी ओपेरा हाउस कम्पीटिशन से पहले जॉन अटज़न ने 18 प्रतियोगिताओं में भाग लिया था, जिसमें से सात में उन्होंने जीत हासिल की थी, पर उनमें से उनके किसी एक डिजाइन को भी मूर्त रूप नहीं दिया गया था।

निर्माण की कहानी

ओपेरा सिडनी हाउस के निर्माण की कहानी भी बड़ी दिलचस्प है। मार्च 1959 में इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ। इसका बेस पूरा करने में चार साल का समय लग गया। इसके बाद शुरू हुई चुनौती शेल रूफ बनाने की, क्योंकि इससे पहले इस तरह की कोई चीज दुनिया में कहीं और बनाई नहीं बनी गई थी।

शेल रूफ का निर्माण

1963 में शेल रूफ का निर्माण शुरू हुआ, जो इसे दुनिया की अन्य सभी इमारतों से भिन्न बनाता है। ये 2000 से अधिक प्रीफैब्रिकेटिड कंक्रीट सैक्शंस से बनी हैं। इन शेल्स को दस लाख से ज्यादा सिरेमिक टाइल्स से कवर किया गया है। चमकीले सफेद रंग की टाइलें ऐसा पैटर्न बनाती हैं, जो सूरज की रोशनी में खूब चमक बिखेरती हैं।

जॉन अटजन का इस्तीफा

सिडनी ओपेरा हाउस की छत को लेकर अटजन और बिल्डर्स में विवाद हो गया। छत को किस तरह बनाया जाए, इस बात पर उनमें सहमति नहीं बन पाई। इसी के चलते 1966 में अटजन ने प्रोजैक्ट बीच में ही छोड़ दिया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के चार आर्किटै ट्स ने इस प्रोजै ट को अपने हाथों में लिया और एक साल बाद इसकी छत का निर्माण पूरा हुआ। बिल्डिंग के भीतर सभी चीज़ों को तैयार करने में छह साल और लग गए।

लोगों के लिए खुला

सिडनी ओपेरा हाउस को सरकारी तौर पर 20 अक्तूबर 1976 में रानी एलिजाबेथ द्वितिया द्वारा जनता के लिए खोला गया। इसके उद्घाटन समारोह में न तो अटजन को बुलाया गया और न ही उसके नाम का ही कहीं उल्लेख किया गया।

चार मख्य हाल

इसमें चार मुख्य परफोर्मिंग हॉल हैं, जिनमें सबसे बड़ा कंर्स्ट हाल है। इसमें 2600 से ज्यादा लोगों के बैठने की क्षमता है। ओपेरा थिएटर इससे थोड़ा छोटा है। इसकी क्षमता करीब 1500 लोगों की है। इसके दो मेन हाल हैं- ड्रामा थिएटर व ह्श्वलेहाउस।

अटजन की वापसी

1999 में सिडनी ओपेरा हाउस की बिल्डिंग में भविष्य में होने वाले बदलावों के लिए ट्रस्ट ने अटजन को नियु त किया। 2004 में अटजन के डिजाइन के अनुसार पहले इंटीरियर स्पेस का पुर्ननिर्माण करवाया गया और अटजन को सम्मान देने के लिए इसे 'द अटजन रूम' का नाम दिया गया। अप्रैल 2007 में अटजन ने ओपेरा थिएटर में कई बड़ी तब्दीलियां करने का सुझाव दिया। 29 नवंबर 2008 को उनकी मौत हो गई।

विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थल

सिडनी ओपेरा हाउस बनने के पहले 20 सालों में 3.6 करोड़ लोग इसे देखने के लिए यहां आए। हर साल यहां 3000 से ज्यादा ओपेरा, नाटकों और दूसरी गतिविधियों की परफोर्मेंस होती हैं।

वर्ल्ड हैरिटेज साइट

ओपेरा हाउस को 28 जून 2007 को यूनैस्को वर्ल्ड हैरिटेज साइट घोषित कर दिया गया।

रोचक तथ्य

- सिडनी ओपरा हाउस का मॉडल बनाने में सात साल का समय लगा और 17 साल में वास्तविक बिल्डिंग का निर्माण पूरा हो गया। इसके मॉडल के निर्माण में ही लाखों डॉलर खर्चे गए।
- 2007 में प्रस्तावित सात नए अजूबों के 20 फाइनलिस्ट्स में सिडनी ओपेरा हाउस एक था।
- सिडनी ओपेरा हाउस के निर्माण की अनुमानित लागत 70 लाख डॉलर थी, जबकि इसके निर्माण पर दस करोड़ बीस लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का खर्चा आया।
- इसमें हर साल 3000 इवेंट्स ऑर्गेनाइज किए जाते हैं।
- हर साल बीस लाख दर्शक यहां परफोर्मेंस देखने आते हैं।
- यह 4.5 एकड़ क्षेत्रफल पर फैला हुआ है। यह 185 मीटर लंबा और 120 मीटर चौड़ा है।

क्या आप जानते हैं?

- दुनियाभर में करीब एक अरब साइकिलें हैं, जिनमें से 40 करोड़ चीन में ही हैं।
- लियोनार्दो द विंची ने कुछ स्कैच बनाए थे, जो साइकिल जैसे दिखते थे।
- फ्रांसिसी डी सिर्वाक ने 1690० में बाइसाइकिल जैसा वाहन बनाया। हालांकि इसके पैडल नहीं थे।
- पहली दो पहियों वाली साइकिल की खोज 1818 में फ्रांस में बैरन कार्ल डी ड्रेस डी सॉसबर्न ने की थी। ये पूरी तरह लकड़ी से बनी थी।
- 1840 में स्कॉटिश ब्लैक स्मिथ, किर्कपैट्रिक मैक्मिलन ने इसे पैडल लगाए। इन्हें ही वास्तविक साइकिल का आविष्कारक माना जाता है।
- हवा से भरे टायरों का इस्तेमाल कारों से पहले साइकिलों में किया गया था।
- गियर्स के आगमन के बाद साइकिल भी कारों की तरह तेज गति से चलने लगे।
- 1890 के दशक से साइकिल के बेसिक डिजाइन में कोई फर्क नहीं आया।
- ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन के अनुसार एक सप्ताह में 20 मील साइकिल चलाने से हार्ट डिसीज का रिस्क उनके मुकाबले लगभग आधा रह जाता है, जो साइकिल नहीं चलाते और किसी तरह की एक्सरसाइज भी नहीं करते।

रहस्यमय चमकती गेंद

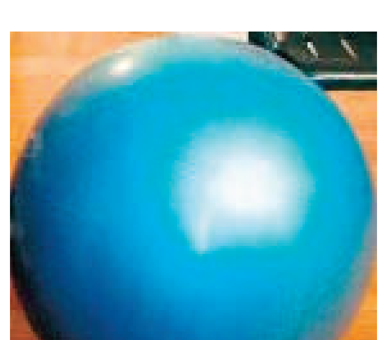

जनवरी 1984 की बात है। रशियन पैसेंजर एयरक्राफ्ट आसमान में उड़ रहा था। अचानक इसमें एक चार इंच व्यास की चमकती हुई गेंद दाखिल हुई। रशियन न्यूज रिलीज के अनुसार गेंद घबराए हुए यात्रियों के ऊपर से निकलती हुई जहाज के पिछले हिस्से में जाकर दो चमकते हुए अर्द्धचंद्रों में विभाजित हो गई और फिर दोबारा इकट्ठी हो गई और बगैर कोई शोर किए जहाज से बाहर निकल गई।

वैज्ञानिक इसके बारे में पूरी तरह सच्चाई का पता नहीं लगा पाए हैं। लैबोरेट्री में इसे आर्टिफिशियल तौर पर री- क्रीयेट करने की कोशिश भी की गई है, लेकिन इतनी चमकदार व आकर्षक गेंद का विचित्र व्यवहार, अभी राज ही हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह गेंद इतनी समझदारी से चलती है कि रास्ते में आने वाली दीवारों और फर्नीचर से नहीं टकराती। इसे देखकर ऐसा लगता है मानो यह रुकावटों से बच रही हो। सॉलिड चीजों के बीच में से निकलने की इसकी काबलियत अभी भी रहस्य ही बनी हुई है। कई बार जब यह किसी चीज में से गुजरती है, तो वहां छेद बन जाता है (जैसे कि विमान में), पर कई बार यह खिड़की के शीशे और यहां तक कि दीवार में से बगैर कोई निशान छोड़े भी गुजर जाती है।

हम बताएं, आप बनाएं

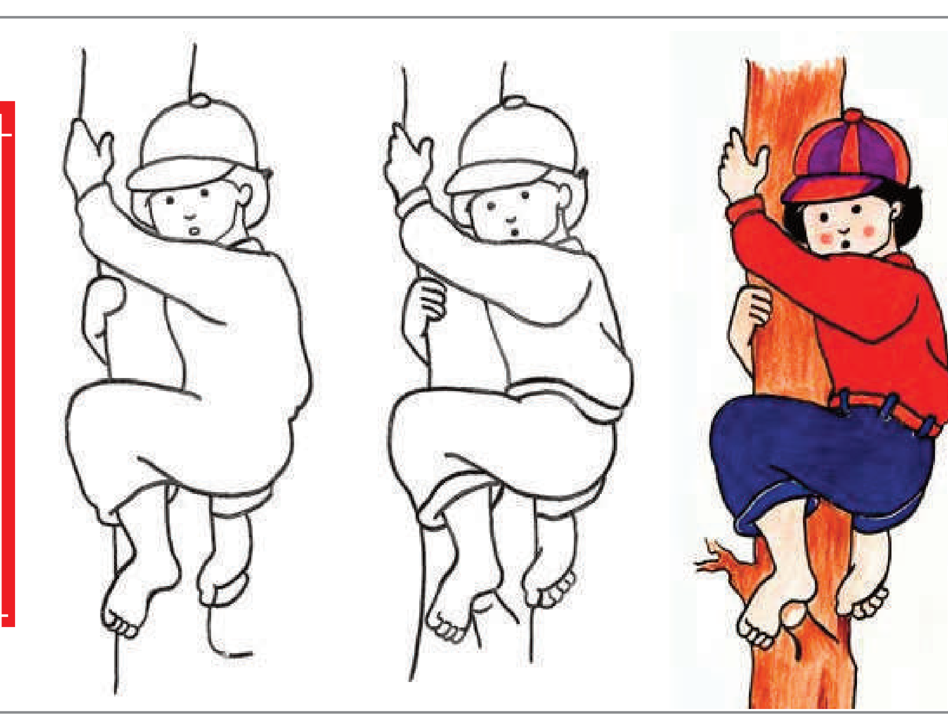

शांति का प्रतीक

हिरोशिमा पर गिराए परमाणु बमों द्वारा मचाई तबाही के मंजर से दुनिया को रूबरू करवाने के लिए यहां पीस मेमोरियल पार्क बनाया गया है। इसके अलग-अलग हिस्से उस दुर्घटना के विभिन्न पहलुओं को समर्पित हैं...

जापान के शहर हिरोशिमा पर 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने न्यूक्लियर बम गिराया था। इस हादसे में 1,40,000 लोग मारे गए थे। इसके तीन दिन बाद 9 अगस्त को जापान के ही एक और शहर नागासाकी की हवा में भी परमाणु बम का हर घुल गया।

हौंसले की जीत

न्यूक्लियर बम की तबाही से ये शहर पूरी तरह उबर चुके हैं। आज ये पूरी तरह विकसित शहर हैं। तबाही को चुनौती मानने वाला यह देश आज सबसे हाईटेक देश है।

पीस मेमोरियल पार्क

हिरोशिमा पीस मेमोरियल पार्क बनाने का मक़सद न सिर्फ न्यूक्लियर बम हमले में मारे गए लोगों को याद करना है, बल्कि परमाणु बम के आतंक के बारे में लोगों को बताना और शांति का संदेश देना है।

ए-बॉम्ब डोम

हमले से पहले यह इंडस्ट्रियल प्रमोशन हॉल था। बम इसी इमारत के ऊपर गिरा था। यह इमारत उसी हालत में सहेज कर रखी गई है जैसी वह हमले के तुरंत बाद हो गई थी।

द चिल्ड्रन पीस मॉन्युमेंट

द चिल्ड्रन पीस मॉन्युमेंट एक स्टेच्यु है, जो उन बच्चों को समर्पित है जो एटमी हमले में मारे गए थे। यह बुत जापानी लड़की सडाको सासाकी से प्रेरित होकर बनाया गया है जो बम की रेडिएशन का शिकार हो गई थी।

पीस मेमोरियल हॉल

जमीन के अंदर बने इस हॉल में एक घड़ी है, जिसे 8:15 का समय डालकर बंद कर दिया गया है। इसी समय यहां बम गिरा था।

टीला

यहां घास से ढंका एक बड़ा टीला है, जिसमें 70,000 ऐसे लोगों की राख है, जिनकी पहचान भी नहीं हो पाई थी।

पीस-फ्लेम

1964 में जलाई गई यह ज्योति तब तक जलती रहेगी, जब तक पृथ्वी से सारे परमाणु बम नष्ट न हो जाएं और परमाणु हमले की आशंका से हमारा ग्रह मु त न हो जाए।

पीस बेल

यहां आने वाले पर्यटक पीस बेल को विश्वशांति की प्रार्थना के लिए बजाते हैं।

पीस गेट

इस स्मारक में छह गेट बनाए गए हैं। इन पर दुनिया की 49 भाषाओं में 'शांति' लिखा हुआ है।

अंकों का जादू

गणित की पहेलियां हल करना बहुत मनोरंजक होता है। हम जानते हैं कि आपको भी इसमें बहुत मजा आता है। यहां आपको हम दे रहे हैं एक ही संख्या, जिसमें आपने जमा के चिन्हों का इस्तेमाल इस तरह करना है कि जब आप इन्हें हल करें, तो उत्तर 1000 ही मिले। आपको संख्या 8 को आठ बार इस प्रकार जोड़ना है कि इनका जोड़ 1,000 बन जाए।

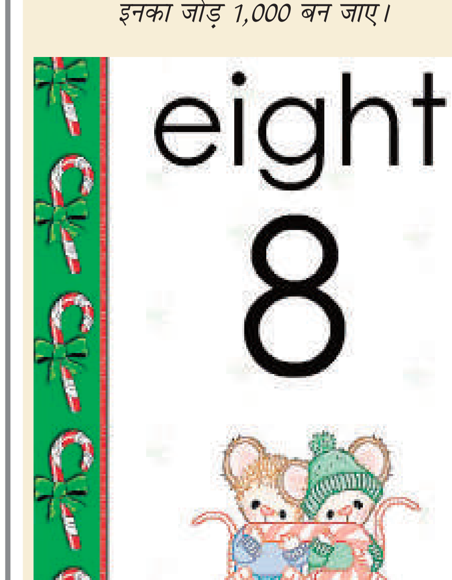

उत्तर: 888+88+8+8+8=1,000

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। किसी तीसरे इंसान का दख़ल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। अपना नज़रिया दोस्तों और रिश्तेदारों पर थोपने की कोशिश न करें। क्योंकि न सिर्फ़ यह आपके लिए कुछ ख़ास फ़ायदेमंद साबित नहीं होगा अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आप ख़ुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएं-गे। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए, नहीं तो दुर्घटना हो सकती है इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मुश्किल घड़ी में रिश्तेदार भी काम आएंगे। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। आप और आपका महबूब आज प्यार के समुन्दर में गोते लगाएंगे और प्यार की मदहोशी को महसूस करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये-पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। समय, कामकाज, पैसा, यार-दोस्त, नाते-रिश्ते सब एक ओर और आपका प्यार एक तरफ़, दोनों आपस में खोए हुए – कुछ ऐसा मिज़ाज रहेगा आपका आज। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। आपके नज़दीकी लोग निजी जीवन में परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं। आप अपने प्रिय की बांहों में आराम महसूस करेंगे। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत-काल की तरह है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे। अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। आज जीवनसाथी के साथ थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ और मीठी यादों को फिर से ताज़ा करें, ताकि पुराने दिनों को फिर से वापस लाया जा सके। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। दफ़्तर में अपनी ग़लती स्वीकार करना आपके पक्ष में जाएगा। लेकिन आपको इसे सुधारने के लिए विश्लेषण की ज़रूरत है। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। जब आपका जी-वनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत-काल की तरह है – रोमानी व प्यार से भरा; जहाँ सिर्फ़ आप और आपका जीवनसाथी साथ हों।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। बेहतर कामकाज के चलते आपको तारीफ़ मिल सकती है। आपके घर का कोई करीबी शख़्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 जनवरी 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 11:12 तक
नक्षत्र : रेवती दोपहर 01:36 तक
योग : सिद्ध प्रात: 11:45 तक
करण : गर दोपहर 12:00 तक
चन्द्रराशि : मीन दोपहर 01:36 तक
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:07 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:17 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:09 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:00 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मन्वादि तिथि , पंचक समाप्त दोपहर 01:36 से , गण्डमूल चालू है ,शुक्र तारा अस्त है , रथ-अचला-भानु-विजया सप्तमी

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में

प्राकृतिक खेती को मिल रही नई दिशा

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। प्रदेश में प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि रसायनों पर निर्भरता कम होने के साथ ही यह क्षेत्र टिकाऊ कृषि की ओर अग्रसर हो। सरकार का लक्ष्य किसानों को रसायन-मुक्त और टिकाऊ प्राकृतिक खेती की ओर प्रोत्साहित करना है, जिससे मिट्टी की उत्पादकता में सुधार हो, खेती की लागत कम हो, किसानों की आय बढ़े और अधिकतम उपज प्राप्त हो सके। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में व्यापक एवं दूरदर्शी कार्ययोजना की घोषणा की गई है। इसके तहत 2 लाख 50 हजार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 2 लाख 25 हजार किसानों को केंद्र

सरकार 60 प्रतिशत और राज्य सरकार 40 प्रतिशत योगदान दे रही है। अतिरिक्त 25 हजार किसानों को राज्य सरकार द्वारा शत् प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।प्राकृतिक खेती को संगठित रूप से लागू करने के लिए 125 किसानों के 50 हैक्टेयर क्षेत्र में 1 कलस्टर का गठन किया गया है। योजनान्तर्गत राज्य के सभी जिलों में 1 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में 2 हजार कलस्टर बनाये गये हैं। मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किसानों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। उदयपुर के प्राकृतिक खेती केंद्र द्वारा विभागीय अधिकारियों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों एवं किसान मास्टर ट्रेनरों को भी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

चयनित कलस्टरों में किसानों में जागरुकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रत्येक कलस्टर में किसानों के साथ समन्वय हेतु कृषि सखी/सीआरपी की नियुक्ति की गई है। इन कृषि सखियों को कृषि विज्ञान केंद्रों के द्वारा प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध करा सकें।

प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए चयनित किसानों को प्रति एकड़ 4 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही है। यह राशि ऑन-फार्म इनपुट उत्पादन इकाइयों के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

जावर में फुटबॉल का महाकुंभ

46वें ऑल इंडिया मोहन कुमारमंगलम टूर्नामेंट का भव्य आगाज़

उदयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

फुटबॉल के जुनून और 46 वर्षों की शानदार विरासत को समेटे हुए अखिल भारतीय मोहन कुमारमंगलम हिंद जिंक फुटबॉल टूर्नामेंट का शनिवार को जावर माइंस के एमकेएम स्टेडियम में भव्य शुभारंभ हुआ। जावर माइंस मजदूर संघ और हिंदुस्तान जिंक (वेदांता समूह) की मेजबानी में आयोजित यह 10 दिवसीय खेल उत्सव 2 फरवरी तक चलेगा।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध भारतीय प्रोफेशनल फुटबॉलर अरिंदम भट्टाचार्य रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर टूर्नामेंट की शुरुआत की। इस अवसर पर जावर माइंस के ऑपरेशंस हेड राधा रमण, आयोजन सचिव पुनीत बोरदिया, कोऑर्डिनेटर परवेज पठान और मजदूर संघ के महामंत्री लालू राम मीणा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्य अतिथि भट्टाचार्य ने कहा, हिंदुस्तान जिंक ने 46 वर्षों से इस विरासत को संजो कर रखा है, जो ग्रासरूट फुटबॉल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मंच भविष्य के कई सितारों को जन्म देगा।

टूर्नामेंट का पहला मैच दून स्टार फुटबॉल क्लब (देहरादून) और राजस्थान पुलिस (बीकानेर) के बीच खेला गया। एक तरफा और रोमांचक मुकाबले में देहरादून की टीम ने बीकानेर पुलिस को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। मैच के दौरान हजारों की संख्या में मौजूद दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

हिंदुस्तान जिंक ने 1976 में जावर फुटबॉल स्टेडियम की स्थापना की थी। कंपनी की 'जिंक फुटबॉल एकेडमी' देश की पहली ऑल-गर्ल्स रेजिडेंशियल फुटबॉल एकेडमी भी संचालित करती है, जो स्थानीय युवाओं को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। एमकेएम टूर्नामेंट इसी 'जिंक सिटी' अभियान का हिस्सा है, जो उदयपुर की खेल संस्कृति को संरक्षित कर रहा है।

जैसलमेर में हथियारबंद चोर गैंग का आतंक

सोलर संयंत्रों में 100 से अधिक चोरियां ग्रामीणों ने एसपी को ज्ञापन सौंपा

जैसलमेर, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

राजस्थान के जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ कस्बे और आसपास के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों हथियारबंद चोर गैंग ने आतंक का माहौल बना रखा है। चोर रिन्यूएबल एनर्जी यानी सोलर और विंड पावर संयंत्रों में लगे महंगे उपकरणों, केबलों, पैनलों और अन्य सामग्री की लगातार चोरी कर रहे हैं। इससे ग्रामीणों और सुरक्षा गार्डों में भारी आक्रोश है, क्योंकि चोर रात में हथियारों के साथ बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों में घूमते हैं और गार्डों को जान से मारने की धमकी देते हैं। शनिवार को भोपा, डांगरी, लखासर, लाला, कराड़ा, मेहरेरी, छोड़िया और भीखसर सहित कई गांवों के सैकड़ों ग्रामीण और सुरक्षाकर्मी जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक शिवहरे के कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एक लिखित ज्ञापन सौंपकर एक सक्रिय चोर गैंग के खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में गैंग के मुख्य सरगना सुमेर सिंह (निवासी भोपा) और भोम सिंह (निवासी डांगरी) का नाम स्पष्ट रूप से लिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि इनके पास कई बिना नंबर वाली गाड़ियां हैं, जिनके आगे-पीछे लोहे के बड़े-बड़े एंगल (गाटर) लगे हुए हैं। ये गाड़ियां दिन में किसी अन्य क्षेत्र में छिपाकर रखी जाती हैं और रात में चोरी की वारदातें अंजाम दी जाती हैं।

ग्रामीणों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पिछले एक साल में इस गैंग ने 100 से अधिक चोरी की घटनाएं की हैं। चोर बेहद प्रोफेशनल तरीके से काम करते हैं और सुरक्षा गार्डों को हथियार दिखाकर डराते-धमकाते हैं। यदि पुलिस कार्रवाई करती है तो गैंग के सदस्य सोशल मीडिया पर झूठे मारपीट और टॉर्चर के वीडियो वायरल कर पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं।

ग्रामीणों का दावा है कि इन बदमाशों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर हथियारों के साथ सैकड़ों फोटो और वीडियो मौजूद हैं। ज्ञापन में कई मांग की गई है।

राजस्थान में शीत लहर तेज हुई, लूणकरणसर में तापमान गिरकर 0.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

मौसम में अचानक हुए बदलाव से राजस्थान में कड़ाके की ठंड पड़ गई है। तूफान, बारिश और ओलावृष्टि के बाद पूरे राज्य में तापमान काफी गिर गया है, जिससे लोगों को तेज ठंड का सामना करना पड़ रहा है। बीकानेर के लूंकरनसर में शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है। शनिवार सुबह तक राज्य के कई इलाकों में जमीन पर बर्फ की मोटी परत दिखाई दी। वहीं सीकर, बाड़मेर, जैसलमेर और शेखावाटी जैसे जिलों में खेतों में पाला जम गया, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। राज्य भर में चल रही ठंडी हवाओं के कारण एक ही दिन में दिन का तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जिससे दिन के समय भी ठंड काफी बढ़ गई। इस बीच, जयपुर, दौसा, अलवर, उदयपुर और नागौर समेत कई जिलों में शनिवार सुबह से ही ठंडी और बर्फीली हवाएं चल रही हैं। बीच-बीच में धूप निकलने के बावजूद, कड़ाके की ठंड ने लोगों की जिंदगी प्रभावित कर दी है। कई जगहों पर दिन भर घना कोहरा छाया रहा, जिससे सूरज की रोशनी कम हो गई और शीतलहर और तेज हो गई।

मौसम विभाग के अनुसार, 24 और 25 जनवरी को मौसम ज्यादा खराब नहीं रहेगा और अधिकतर साफ रहने की संभावना है। हालांकि, 26 और 27 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में तूफान, बारिश और घना कोहरा आने की संभावना है। शुक्रवार को जयपुर, सीकर, अजमेर, भरतपुर, अलवर और दौसा समेत 10 से अधिक जिलों में बारिश और गरज के साथ तूफान आया। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई। बारिश के बाद राज्य भर में तापमान में काफी गिरावट आई। फतेहपुर में 2.3 डिग्री सेल्सियस, सिरोही में 4 डिग्री सेल्सियस, अजमेर में 6.9 डिग्री सेल्सियस और नागौर में 0.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। ठंड का असर खासकर सीमावर्ती जिलों में ज्यादा दिखा। बाड़मेर के ग्रामीण इलाकों में छतों और वाहनों पर बर्फ जमी हुई थी। वहीं जैसलमेर के थारियत गांव में न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस तक गिरने के कारण वहां के वाहनों पर भी बर्फ जम गई।

महिला से नंबर मांगना कांग्रेस नेता को पड़ा भारी, बस स्टैंड पर घुटनों के बल बैठकर 10 बार पकड़े पैर

पानीपत, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के पानीपत बस स्टैंड पर उस वक्त हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब कांग्रेस के एक स्थानीय नेता को ग्रामीणों और परिजनों के गुस्से का सामना करना पड़ा। आरोप है कि नेता ने चलती बस में एक महिला से उसका मोबाइल नंबर मांगने की कोशिश की, जिससे विवाद बढ़ गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में नेताजी भीड़ के सामने बार-बार हाथ जोड़ते और महिला के पैर पकड़कर माफी मांगते नजर आ रहे हैं। क्या है पूरा मामला? जानकारी के अनुसार, इसराना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस टिकट के दावेदार रहे सतपाल वाल्मीकि एक निजी बस में सवार थे। बस में सफर कर रही एक महिला का आरोप है कि सतपाल ने उनसे उनका मोबाइल नंबर मांगा। महिला ने इसका कड़ा विरोध किया और तुरंत फोन कर अपने परिजनों को मामले की जानकारी दे दी।

जैसे ही बस पानीपत बस स्टैंड पहुंची, वहां पहले से ही भारी संख्या में ग्रामीण और महिला के परिजन मौजूद थे। ग्रामीणों ने बस से उतरते ही नेताजी को घेर लिया और उनकी जमकर क्लास लगाई। 'तू मेरी बहन है'... 10 बार पकड़े पैरभीड़ के गुस्से और बढ़ते विवाद को देख सतपाल वाल्मीकि ने अपना रसूख छोड़ दिया और महिला के सामने गिड़गिड़ाने लगे।

सतपाल ने 10 से ज्यादा बार महिला के पैर पकड़े और घुटनों के बल बैठकर माफी मांगी।वे बार-बार महिला को 'बहन' कहते हुए अपनी गलती मान रहे थे और बच्चों की कसम खा रहे थे।महिला ने गुस्से में पूछा, मेरा नंबर क्या सरकारी है जो तुमने मांगा? जिस पर सतपाल ने कहा कि उनसे गलती हो गई और उनके घर में भी बहन-बेटी हैं।काफी देर तक चले ड्रामे के बाद, मौका पाकर नेताजी वहां से तेज कदमों से निकल गए।

नेताजी की सफाई: मैं तो मदद कर रहा थाइस मामले पर जब सतपाल वाल्मीकि से बात की गई, तो उन्होंने एक अलग कहानी बताई। उनका कहना है कि वे पूर्व पुलिसकर्मी रहे हैं, इसलिए मदद के इरादे से बात की थी। बस में सफर के दौरान महिला ने जिक्र किया था कि उसका बैंक अकाउंट हैक हो गया है।उन्होंने सिर्फ मदद करने और शिकायत दर्ज करवाने के लिए नंबर मांगा था, जिसे गलत समझ लिया गया।सतपाल वाल्मीकि इसराना हलके से कांग्रेस के सक्रिय नेता हैं और 2024 के चुनावों में टिकट की रेस में भी शामिल रहे थे।

स्वर्गीय राजिंदर प्रसाद का जीवन न्याय और सेवा के मूल्यों की प्रेरणा : हरविन्द्र कल्याण

करनाल, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहाकि स्वर्गीय राजिंदर प्रसाद का जीवन न्याय, अनुशासन और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण रहा। वे न केवल एक उत्कृष्ट न्यायाधीश थे, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व थे जिनका आचरण समाज के लिए प्रेरणा बना। करनाल के कर्णेश्वर मंदिर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में स्वर्गीय राजिंदर प्रसाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि न्यायिक सेवा के दौरान उनके निर्णयों में कानून के साथ-साथ नैतिकता और मानवता का संतुलित समावेश दिखाई देता था। हरियाणा में वाल्मीकि समाज से प्रथम न्यायाधीश के रूप में उनका योगदान सामाजिक समरसता और समान अवसर का प्रतीक रहा। हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी स्वर्गीय राजिंदर प्रसाद ने विभिन्न मंचों पर समाज सेवा जारी रखी, जो यह दर्शाता है कि सच्ची सेवा पद की सीमाओं से परे होती है।उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा विधान सभा के सचिव राजीव प्रसाद द्वारा लोक सेवा में अपनाए गए मूल्य उनके पिता के संस्कारों का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्वर्गीय राजिंदर प्रसाद का जीवन आज के समय में कर्तव्य, मर्यादा और चरित्र के महत्व का स्मरण कराता है।

मनरेगा ग्रामीण भारत के करोड़ों परिवारों के लिए जीवनरेखा है : कुमारी सैलजा

फतेहाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

आज जिला फतेहाबाद के गाँव बनगांव में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित पंचायत-स्तरीय कार्यक्रम में सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने भाग लिया। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर करने के विरुद्ध तथा ग्रामीण गरीबों के काम के संवैधानिक अधिकार की रक्षा के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, मनरेगा मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कुमारी सैलजा ने कहा कि मनरेगा केवल एक सरकारी योजना नहीं है, बल्कि ग्रामीण भारत के करोड़ों परिवारों के लिए जीवनरेखा है, जिसने पिछले दो दशकों में गरीब, मजदूर, किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के स्वरूप में किए जा रहे बदलाव ग्रामीण मजदूरों के काम मांगने के कानूनी अधिकार, न्यूनतम मजदूरी की गारंटी और ग्राम पंचायतों की भूमिका को कमजोर कर रहे हैं। डिजिटल सत्यापन की जटिलताएँ, भुगतान प्रणाली में देरी, बजट में अपेक्षित वृद्धि का अभाव और प्रशासनिक नियंत्रण का केंद्रीकरण मनरेगा की मूल भावना के विपरीत है। कुमारी सैलजा ने कहा कि कोरोना महामारी जैसे कठिन समय

में मनरेगा ने करोड़ों परिवारों को आर्थिक सहारा दिया था, लेकिन आज उसी योजना को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया जा रहा है। इससे गरीब मजदूरों का काम और सम्मान दोनों प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहले ग्राम पंचायतों को अपने गाँव के विकास कार्यों की योजना बनाने और मजदूरों को काम देने का अधिकार था, परंतु अब निर्णय ऊपर से थोपे जा रहे हैं, जिससे पंचायतों की स्वायत्तता समाप्त हो रही है और स्थानीय जरूरतों की अनदेखी हो रही है। कांग्रेस पार्टी की ओर से उन्होंने स्पष्ट किया कि काम की कानूनी गारंटी को पूर्ण रूप से बहाल किया जाना चाहिए, मनरेगा में किए गए प्रतिकूल बदलावों को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। मजदूरों को समय पर और सम्मानजनक न्यूनतम मजदूरी दी जानी चाहिए तथा ग्राम पंचायतों के अधिकारों को पुन: स्थापित किया जाना चाहिए। साथ ही, मनरेगा का बजट बढ़ाया जाना भी आवश्यक है ताकि जरूरतमंदों को पर्याप्त काम मिल सके।

कुमारी सैलजा ने ग्राम सभा से आह्वान किया कि वे मनरेगा की रक्षा के लिए प्रस्ताव पारित करें और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा हेतु एकजुट रहें। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल एक योजना की नहीं, बल्कि काम के अधिकार और ग्रामीण सम्मान की लड़ाई है। कार्यक्रम के अंत में ग्राम पंचायत और उपस्थित ग्रामीणों ने मनरेगा के संरक्षण तथा काम के अधिकार की बहाली के समर्थन में सामूहिक रूप से अपनी आवाज बुलंद की। यह कार्यक्रम मनरेगा बचाओ-काम का अधिकार बचाओ अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जो हरियाणा के विभिन्न जिलों में चलाया जा रहा है। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा, विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, पूर्व विधायक प्रहलाद सिंह गिलाखेड़ा, जयपाल सिंह लाली, मंगत राम लालवास, गुरदीप सिंह चहल, सुंदर, घनश्याम आनंद, शम्मी रति, मंगत राम थानेदार, सुखदेव अहरवां, निरंजन शर्मा, भूप सिंह फौजी, सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

10वीं कक्षा के छात्रों पर विशेष ध्यान आवश्यक : कलेक्टर हरिता

आसिफाबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वार्षिक परीक्षाओं को देखते हुए 10वीं कक्षा के छात्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जिला कलेक्टर के. हरिता ने निर्देश दिए। शनिवार को उन्होंने कागजनगर मंडल के गन्नाराम गांव स्थित तेलंगाना ज्योतिबा फुले गर्ल्स गुरुकुल स्कूल का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने मेनू, भोजन की गुणवत्ता, सब्जियों व आवश्यक वस्तुओं की जांच की तथा प्राचार्य से विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने रसोईघर की स्वच्छता, शौचालयों की सफाई और परिसर की साफ-सफाई पर जोर दिया। कक्षाओं में जाकर छात्राओं से शैक्षणिक व्यवस्था व भोजन वितरण की जानकारी ली।

उन्होंने शिक्षकों को छात्रों को सरल तरीके से पढ़ाने, पिछड़े छात्रों पर विशेष ध्यान देने तथा उपस्थिति व स्वास्थ्य का ध्यान रखने के निर्देश दिए। फलों की अनियमित आपूर्ति पर कल्याण अधिकारी व संबंधित एकाधिकारवादी पर नाराजगी जाहिर की तथा गुणवत्तापूर्ण फल समय पर उपलब्ध कराने को कहा। स्कूल की सुरक्षा दीवार निर्माण के लिए इंजीनियरिंग अधिकारियों के साथ प्रस्ताव तैयार करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में जिला परिषद सीईओ लक्ष्मीनारायण, प्राचार्य, शिक्षक व छात्राएं उपस्थित रहीं।

विधायक गड्डम विनोद ने विकास कार्यों का शिलान्यास किया

बेल्लमपल्ली, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली विधायक गड्डम विनोद ने शनिवार को शहर के वार्ड 31 में विभिन्न विकास कार्यक्रमों का शिलान्यास किया। यूआईडीएफ और डीएमएफटी फंड से स्वीकृत कार्यों का उद्घाटन किया गया।

हनुमान बस्ती-बाबू कैंप क्षेत्र में वार्ड 29, 30, 31, 32 से जुड़े सड़क व ड्रेनेज कार्यों का शिलान्यास लगभग 45 लाख रुपये की लागत से हुआ। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष मुचरला मल्लैया, टीपीसीसी सदस्य चिलुमुलु शंकर, नथारी स्वामी, सूरी बाबू समेत पूर्व पार्षद, श्रीनिवास नगर उपाध्यक्ष बुकाला रंजीत कुमार, युवा नेता लेंकला श्रवण कुमार, एल्डंडी श्याम, मंदा कुमार, मल्लीकार्जुन, दुंबाला वामसी, अलुरी राजू, गोली सदानंद सहित बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों ने विकास कार्यों के लिए विधायक का आभार जताया।

चेन्नूर बनेगा विकास की नई पहचान : मंत्री गड्डम विवेक

चेन्नूर, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के श्रम, रोजगार प्रशिक्षण, कारखाना, खनन एवं भूगर्भ मंत्री गड्डम विवेकानंद ने कहा कि चेन्नूर नगर के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार कटिबद्ध है। शनिवार को उन्होंने नगर पालिका प्रवेश द्वार पर 50 लाख की स्वागत तोरण, विभिन्न वार्डों में 1 करोड़ से कल्वर्ट व 50 लाख से पार्क निर्माण का शिलान्यास किया।

मंत्री ने बताया कि नगर में 50 करोड़ से विकास कार्य चल रहे हैं। श्मशान वाटिका हेतु 1.20 करोड़ सीएसआर से 1 एकड़ भूमि अधिग्रहित कर कार्य शुरू, अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर 1 करोड़ से जिम व वॉकिंग ट्रैक युक्त पार्क बनेगा। चेन्नूर में आरटीसी डिपो स्थापना व सुबह 5 बजे हैदराबाद बस सेवा पर विचार।

शिक्षा में सरकारी डिग्री कॉलेज को 2 करोड़, जूनियर कॉलेज को 1.50 करोड़, मुदिराज भवन 50 लाख, मुनूरु कापू भवन 30 लाख व मेरुगु संघ भवन हेतु 15 लाख सीएसआर प्रस्तावित। विधानसभा क्षेत्र में 250 बोरवेल, अमृत योजना से 30 करोड़ कार्य 50% पूर्ण। 100 बेड अस्पताल व डायलिसिस यूनिट सक्रिय।

कलेक्टर बोले टीएफआईडीसी से 24 करोड़, डीएमएफटी से 4 करोड़ से सड़क, नाली, पेयजल विकास। 31 बोरवेल, सब्जी बाजार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व आश्रम विद्यालय निर्माणाधीन। अवसर पर संबंधित अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच का रक्तदान शिविर

बेल्लमपल्ली, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच बेल्लमपल्ली शाखा के तत्वावधान में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसकी घोषणा करते हुए मंच अध्यक्ष कृष्णकांत सोनी व सचिव बाला प्रसाद मारू ने बताया कि मंचेरियाल जिले में थैलेसीमिया व सड़क हादसों के घायल मरीजों को रक्त की कमी से परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है, इसलिए सभी नागरिक बिना संकोच के आगे आएं। युवा मंच ने युवाओं से रक्तदान का आह्वान किया है तथा अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की है।कार्यक्रम में रक्तदान कार्य अध्यक्ष अखिल झावर, सहयोगी राजेंद्र लाहोटी, अजय लाहोटी, चंद्रकांत तोष्णीवाल एवं अन्य उपस्थित थे ।

स्कूली शिक्षा में पसंद का क्षेत्र चुनें : शंकर अन्ना

धर्माबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष व मराठवाड़ा जनहित पार्टी अध्यक्ष शंकर अन्ना बोलमवार ने अभिनंदन स्वीकार करते हुए कहा कि स्कूली शिक्षा में बच्चे अपनी पसंद का क्षेत्र चुनें, गुरुजनों का सम्मान करें, इससे किस्मत बदल जाएगी। शनिवार को शहीद पानसरे हाईस्कूल में नगर पालिका अध्यक्ष संगीता महेश, उपाध्यक्ष शंकर अन्ना बोलमवार व नगरसेवकों का संस्था ने भव्य अभिनंदन किया।

संस्था सचिव विश्वनाथ पाटील बनालिकर, मुख्य अतिथि मोइज सेट बीड़ीवाले, पूर्व सैनिक शेषराव पाटील फड़से उपस्थित रहे। प्राचार्य सन्मुख बेम्बारेकर ने प्रस्तावना दी, बालाजी पंचलिंग ने संचालन किया। नगरसेवक ताहेर पठान ने बताया कि स्कूल की स्थापना 10 जुलाई 1950 को हुई, अब 76 वर्ष पूरे हो रहे हैं। नगर परिषद पूर्ण सहयोग का वादा किया। सौ अर्चना देविदास, सय्यद सुलताना बेगम ने विचार व्यक्त किए। छात्राओं ने नृत्य-कलाएं प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में न्यासी मंडल, पदाधिकारी, रामचंद्र पाटील बनालिकर उपस्थित रहे। सुबह एनसीसी टीम, झांझ-डंडा, तलवारबाजी से अभिनंदन किया गया।

पंचायतों के विकास में सरपंचों की मुख्य भूमिका : के. हरिता

आसिफाबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पंचायतों के विकास में सरपंचों की मुख्य भूमिका निभानी चाहिए, जिला कलेक्टर के. हरिता ने कहा। शनिवार को कागजनगर शहर के अल्पसंख्यक कल्याण स्कूल में पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कागजनगर, दहेगाम, बेजूर, चिंताला मनेपल्ली और कौतला मंडल के सरपंचों ने भाग लिया।

कलेक्टर ने कहा कि सरपंच गांव की समस्याओं से अच्छी तरह परिचित होते हैं, इसलिए समाधान के लिए तत्काल कदम उठाएं, आय स्रोत बढ़ाएं तथा स्वच्छता कार्यों की नियमित निगरानी करें। ग्राम पंचायत कानूनों की जानकारी बढ़ाएं, न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करें, अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सड़क, सीवर व इंदिरम्मा घरों का निर्माण शीघ्र पूरा करें। विकास एवं कल्याणकारी योजनाएं योग्य लाभार्थियों तक पहुंचाएं तथा किसानों को फसल चक्र प्रणाली के लिए जागरूक करें।

इस अवसर पर जिला पंचायत अधिकारी बिक्षापति गौड़, जिप सीईओ लक्ष्मीनारायण, प्रभागीय पंचायत अधिकारी उमर हुसैन, हरि प्रसाद, एमपीडीओ, प्रशिक्षक व विभिन्न मंडलों के सरपंच व अन्य उपस्थित थे।

मंदामरी नेशनल हाईवे पर लॉरी ने 18 भेड़ों को कुचला

आसिफाबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंदामरी नेशनल हाईवे के बाहरी इलाके में अंदुगुलापेटा ग्राम पंचायत की सीमा के अंतर्गत कोरेगाट्टू अंजनेया स्वामी मंदिर के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नारलापुर गांव के अर्कांटी मोंडी, अर्कांटी सदानंद और चित्तवेनी मल्लैया के स्वामित्व वाली कुल 18 भेड़ें मंदामरी की ओर तेज रफ्तार से आ रही लॉरी के चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के दौरान भेड़ें सड़क पार कर रही थीं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिस पर मंदामरी एसआई गोपाली नरेश मौके पर पहुंचे और पैनल्टी जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि घायल भेड़ों को तत्काल इलाज मुहैया कराया गया है, जबकि लॉरी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।यह घटना क्षेत्र में तेज रफ्तार व पशुओं की सुरक्षा के प्रति लापरवाही को उजागर करती है। पुलिस ने चालकों से सावधानी बरतने की अपील की है।

नोडल अधिकारी कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभाएं

आसिफाबाद, 23 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर के. हरिता ने नगर पालिका चुनाव के संदर्भ में नोडल अधिकारियों को सौंपे कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने के निर्देश दिए। शनिवार को सामित्रिका जिला कलेक्ट्रेट भवन के बैठक कक्ष में अपर कलेक्टर दीपक तिवारी, एम. डेविड, कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, आसिफाबाद आरडीओ लोकेश्वर राव ने नोडल अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की।

कलेक्टर ने कहा कि नगर निकाय चुनाव के सफल संचालन में नोडल अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मतपेटियां, मतपत्र मुद्रण, मीडिया समन्वय, स्टाफ प्रशिक्षण, मैनपावर, वाहन आवंटन, उम्मीदवार खर्च जांच व चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। पिछले अनुभव से सीख लेते हुए बिना चूक के सतर्क रहने का निर्देश दिया।

मदनूर ग्राम पंचायत की पहली बैठक

सरपंच अश्विनी ने मूलभूत सुविधाओं पर जोर दिया

मदनूर, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मदनूर मंडल के थड़ी हिपरगा गांव के ग्राम पंचायत कार्यालय में शनिवार को नवनिर्वाचित सरपंच अश्विनी सुदर्शन कांकरने ने पहली सभा आयोजित की। ग्राम पंचायत सचिव ज्योति के नेतृत्व में उप सरपंच अंजलि प्रल्हाद सूर्यवंशी और सभी वार्ड सभासदों ने भाग लिया।सभापति सरपंच अश्विनी ने उप सरपंच व सभासदों को शॉल से सम्मानित किया। सचिव ज्योति ने गांव की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए मूलभूत सुविधाओं की कमी का जिक्र किया।

इस पर सरपंच ने तत्काल निर्देश दिए कि प्राथमिकता से पेयजल, सड़क, बिजली व स्वच्छता जैसी मौलिक सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाए।उन्होंने कहा, गांव की जनता ने मुझे आशीर्वाद देकर सरपंच बनाया है।

स्थानीय लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहें, यही हमारा लक्ष्य होगा।

पढ़ाई से ही ऊँचे मुकाम हासिल किए जा सकते हैं : डीएसपी वहीवुद्दीन

कागज़नगर, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । कागज़नगर डीएसपी वहीवुद्दीन ने कहा कि पढ़ाई से ही ऊँचे मुकाम हासिल किए जा सकते हैं। शनिवार को अनवर उर्दू स्कूल में आबिद अली खान ट्रस्ट के तत्वावधान में उर्दू माध्यम की कक्षा 10 के छात्रों को मुफ्त पॉलिटिकल प्रश्न बैंक व एग्जाम पैड वितरित किए गए।

मुख्य अतिथि डीएसपी ने अनवर उर्दू स्कूल, इकबाल स्कूल, गवर्नमेंट स्कूल व आर.बी. स्कूल के छात्रों को सामग्री भेंट की। उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद पर ध्यान देने, मेहनत से अच्छे परिणाम लाने व सिरपुर विधानसभा का नाम रोशन करने की सलाह दी। पिछले टॉपर्स को ट्रस्ट द्वारा प्रश्न बैंक देने की सराहना की।

मंडल शिक्षा अधिकारी प्रभाकर ने दसवीं कक्षा में सर्वोत्तम परिणाम लाने, शिक्षकों व अभिभावकों का नाम रोशन करने का आह्वान किया। ऐसे कार्यक्रम शिक्षा क्षेत्र के विकास में सहायक होंगे।

इस अवसर पर मंडल शिक्षा अधिकारी प्रभाकर, रूरल सीआई कुमारस्वामी, अनवर स्कूल प्रिंसिपल आरिफ उद्दीन, ट्रस्ट जिला प्रभारी अब्दुल जमील, कॉम्प्लेक्स प्रिंसिपल ताती रविंदर, शिक्षक व छात्र उपस्थित थे।

कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान आवश्यक : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। शनिवार को उन्होंने आसिफाबाद मंडल के बुरुगुडा जिला परिषद हाई स्कूल का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने शैक्षणिक स्तर, दसवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा की तैयारी तथा मध्याह्न भोजन योजना के क्रियान्वयन की गहन जांच की। आयोजकों को भोजन की गुणवत्ता व मेनू के अनुसार पौष्टिक आहार सुनिश्चित करने तथा रसोईघर व आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए।

प्राचार्य को छात्रों को किसी असुविधा से बचाने हेतु उचित कदम उठाने को कहा। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस: लड़कियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेल्लमपल्ली, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वनिता वक्कू फाउंडेशन के तत्वावधान में स्टेशन रोड प्राइमरी हाई स्कूल में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर लड़कियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सह-संस्थापक तल्लापल्ली कविता व सुनीता कुर्मा ने छात्राओं को अच्छे-बुरे स्पर्श के बारे में बताया तथा माता-पिता व शिक्षकों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार सिखाया।

मानद अध्यक्ष ज्योत्सना चंद्रधत व सलाहकार समिति उपाध्यक्ष डॉ. अन्नपूर्णा ने योग, ध्यान, शिक्षा, मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य व आत्मविश्वास के लाभों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को उपहार व बिस्कुट पैकेट वितरित किए गए।एचएम बंदी रमेश, प्राइमरी एचएम कुमार व रामादेवी मैडम का शॉल भेंटकर सम्मान किया गया।

बीबीएल 15 : मेलबर्न रिनेगेड्स ने विस्फोटक सलामी बल्लेबाज जाश ब्राउन के साथ किया दो साल का नया करार

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

मेलबर्न रिनेगेड्स के विस्फोटक ओपनर बल्लेबाज जाश ब्राउन ने क्लब के साथ अगले दो वर्षों के लिए अपना भविष्य सुरक्षित कर लिया है। ब्राउन अब कम से कम बिग बैश लीग 17 (बीबीएल 17) के अंत तक रिनेगेड्स के लिए खेलते नजर आएंगे।

बीबीएल 14 में मेलबर्न रिनेगेड्स से जुड़ने वाले जाश ब्राउन ने बीबीएल15 के दौरान शानदार प्रदर्शन किया, खासकर दोनों मेलबर्न डर्बी मुकाबलों में वह टीम के स्टार साबित हुए। इससे पहले उन्होंने बीबीएल 12 में ब्रिस्बेन हीट के साथ अपने बिग बैश करियर की दमदार शुरुआत की थी और 2024 के अंत में मेलबर्न का रुख किया था।

करार के बाद जाश ब्राउन ने क्लब के हवाले से कहा, रिनेगेड्स के साथ समय शानदार रहा है। यहां मुझे घर जैसा महसूस होता है और मैं इस क्लब के साथ आगे क्या हासिल कर सकते हैं, इसे लेकर उत्साहित हूं। मुझे हमारी खेलने की शैली पसंद है और अगले कुछ साल यहीं रहने को लेकर काफी उत्साह है।

बीबीएल 15 में ब्राउन ने दो अर्धशतक लगाए और लगातार तीसरे सीजन 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट को बरकरार रखा। उन्होंने कुल 311 रन बनाए और रिनेगेड्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ पहले मेलबर्न डर्बी में नाबाद 84 रन रहा।

मेलबर्न रिनेगेड्स के जनरल मैनेजर रोसेनगार्टन ने कहा, जाश हमें पारी की शुरुआत में जबरदस्त ताकत देते हैं। जब वह लय में होते हैं, तो बहुत कम खिलाड़ी हैं जो उनकी तरह तेजी से पारी को आगे बढ़ा सकते हैं।

जाश ब्राउन का यह नया करार ऐसे समय आया है, जब बीबीएल 15 अपने अंतिम चरण में है और कई क्लबों ने खिलाड़ियों के अनुबंध बढ़ाने की घोषणाएं की हैं। मेलबर्न स्टार्स ने सैम हार्पर (दो साल), हिल्टन कार्टराइट (दो साल) और पीटर सिडल (एक साल) के साथ नए समझौते किए हैं, जबकि सिडनी थंडर के कप्तान डेविड वार्नर ने बीबीएल 16 के लिए क्लब के साथ दोबारा करार किया है।

बीबीएल नियमों के अनुसार, सभी क्लब 27 जनवरी (मंगलवार) को शाम 5 बजे तक लीग के कान्ट्रैक्टिंग एंबार्गो से पहले 10 खिलाड़ियों के रोस्टर भर सकते हैं। इसके बाद 28 जनवरी को सुबह 9 बजे से प्लेयर मूवमेंट विंडो खुलेगी, जिसमें खिलाड़ियों की ट्रेडिंग और फ्री एजेंट्स का क्लब बदलना संभव होगा।

न्यूज ब्रीफ

लीग क्रिकेट में जलवा बरकरार रखेंगे डेविड वार्नर, सिडनी थंडर के साथ एक और सीजन का करार

सिडनी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके आस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर फिलहाल लीग क्रिकेट में अपना दबदबा बनाए रखने के इरादे से मैदान पर उतरते रहेंगे। बिग बैश लीग (बीबीएल) के मौजूदा सीजन में सिडनी थंडर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले वार्नर ने अगले सीजन के लिए भी टीम के साथ करार बढ़ा लिया है। सिडनी थंडर ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की, जिससे फैंस में एक बार फिर उत्साह देखने को मिला। 39 वर्षीय डेविड वार्नर ने एक साल का करार बढ़ने पर खुशी जताते हुए कहा कि वह थंडर के साथ एक और सीजन खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम के लिए यह सीजन आसान नहीं रहा और प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। वार्नर ने कहा कि मौजूदा सीजन में सिडनी थंडर जिस तरह का क्रिकेट खेल पाई, उससे कहीं ज्यादा मजबूत टीम है, लेकिन निरंतरता की कमी के कारण नतीजे उनके पक्ष में नहीं आ सके। इसके बावजूद हर मैच में स्टेडियम में उमड़ने वाली फैंस की भीड़ और उनका जबरदस्त समर्थन उनके फैसले की सबसे बड़ी वजह बना।

साइना नेहवाल के संन्यास पर विराट कोहली सहित दिग्गजों ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज साइना नेहवाल ने अपने लंबे और सफल करियर के बाद खेल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। इस खबर के बाद भारतीय खेल जगत में प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने उन्हें बधाई देते हुए कहा, सायना नेहवाल, आपके शानदार करियर के लिए बधाई। आपने भारतीय बैडमिंटन को दुनिया भर में पहचान दिलाई। आपको एक खुशहाल, संतोषजनक और अच्छे संन्यास की शुभकामनाएं। भारत को आप पर गर्व है। वहीं, दो बार ओलंपिक पदक जीत चुकी बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने लिखा, सायना, आपको संन्यास की शुभकामनाएं। इंडियन बैडमिंटन में आपने जो कुछ भी दिया है, उसके लिए धन्यवाद। जिंदगी के इस अगले पड़ाव के लिए आपको शांति, खुशी और ढेर सारी शुभकामनाएं। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी सोशल मीडिया पर साइना को उनके करियर और संन्यास पर बधाई दी और लिखा, बहुत बढ़िया खेला, साइना। शानदार करियर के लिए बधाई। आपने भारतीय बैडमिंटन को आगे बढ़ाया और एक पीढ़ी को प्रेरित किया। आगे जो भी हो, उसके लिए आपको शुभकामनाएं। साइना ने अपने संन्यास की वजह इंजरी को बताया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक घुटनों की समस्या और आर्थराइटिस की वजह से उन्हें अब उच्च स्तर की ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा जारी रखना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा, आप दुनिया में बेस्ट बनने के लिए आठ से नौ घंटे ट्रेनिंग करते हैं। अब, मेरे घुटने एक या दो घंटे में ही जवाब दे जाते थे। सूजन आ गई थी, और उसके बाद जोर लगाना बहुत मुश्किल हो गया था। इसलिए मुझे लगा कि बस बहुत हो गया। सायना नेहवाल भारतीय बैडमिंटन की पहली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। इसके अलावा, उन्होंने 2008 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने और 2009 में इंडोनेशिया ओपन जीतने का रिकार्ड बनाया।

आस्ट्रेलियन ओपन : अमांडा अनिसिमोवा ने स्टर्न्स को हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

मेलबर्न। अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने आस्ट्रेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हमवतन पेयटन स्टर्न्स को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम-16 (प्री-क्वार्टरफाइनल) में प्रवेश कर लिया। तेज गर्मी और धूप के बीच खेले गए इस मुकाबले में अनिसिमोवा ने महज 71 मिनट में जीत दर्ज की। मेलबर्न पार्क में चल रही हीटवेव के बावजूद 24 वर्षीय खिलाड़ी ने बेहतरीन फिटनेस और आक्रामक खेल का नमूना पेश किया। अब क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए अनिसिमोवा का सामना चेक गणराज्य की 13वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा या चीन की वांग शिन्यू से होगा। अनिसिमोवा के लिए 2025 का साल शानदार रहा था, जिसमें उन्होंने विंबलडन और यूएस ओपन के फाइनल तक का सफर तय किया। वह 2026 में एक कदम आगे बढ़ते हुए ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश में हैं। मैच के बाद आन-कोर्ट इंटरव्यू में बर्फ की तौलिया ओढ़े अनिसिमोवा ने कहा, बहुत ज्यादा गर्मी थी। लेकिन आपके सामने खेलकर मुझे काफी मजा आया, खासकर यहां मौजूद अमेरिकी समर्थकों के बीच। मार्गरेट कोर्ट एरीना में खेले गए मुकाबले के पहले सेट में अनिसिमोवा ने दुनिया की 68वें नंबर की खिलाड़ी स्टर्न्स को पूरी तरह दबाव में रखा। दूसरे सेट में हालांकि स्टर्न्स ने वापसी की कोशिश की और अनिसिमोवा की सर्विस पर कुछ हद तक दबाव बनाया। एक समय 5-1 से पिछड़ने के बाद स्टर्न्स ने लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबले में हलचल पैदा की। हालांकि यह केवल जीत में देरी साबित हुई।

मानुष शाह-दिया चितले की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीटी कंटेंडर मस्कट 2026 का खिताब

मस्कट, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी मानुष शाह और दिया चितले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को डब्ल्यूटीटी कंटेंडर मस्कट 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त चीन की हुआंग यौझेंग और शी शुन्याओ की जोड़ी को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया। 37 मिनट तक चले इस कड़े फाइनल में शाह-चितले की जोड़ी ने 11-5, 5-11, 11-5, 5-11, 13-11 से जीत दर्ज की। यह भारतीय जोड़ी का तीसरा डब्ल्यूटीटी खिताब है। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज मानुष शाह और दिया चितले इससे पहले 2024 में बेरूत में डब्ल्यूटीटी फीडर और 2025 में ट्यूनिस में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर का खिताब जीत चुके हैं। साल 2025 में मानुष शाह और दिया चितले डब्ल्यूटीटी फाइनल्स में खेलने वाली पहली भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी भी बनी थी।

मस्कट में जीत का सफर

मस्कट में भारतीय जोड़ी ने अपने अभियान की शुरुआत राउंड आफ 16 में चीन की चेन युआनयू और हान फेइयर को 3-2 (11-9, 11-9, 6-11, 8-11, 11-8) से हराकर की। क्वार्टरफाइनल में उन्होंने सिंगापुर की पांग कोएन और ज़ेंग जियान की जोड़ी को 3-1 (9-11, 11-8, 13-11, 11-6) से मात दी। सेमीफाइनल में शाह-चितले की जोड़ी को फ्रांस के क्वालिफायर थिबाल्ट पोरे और शार्लोट लुट्ज़ के खिलाफ कड़ी चुनौती मिली, लेकिन भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 3-2 (10-12, 8-11, 11-8, 11-8, 11-8) से मुकाबला अपने नाम किया। अन्य मुकाबलों का हाल पुरुष डबल्स में मानुष शाह ने मानव ठक्कर के साथ सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त लिन शिदोंग और हुआंग की जोड़ी से 2-3 (11-8, 9-11, 11-6, 8-11, 7-11) से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, महिला डबल्स सेमीफाइनल में यशस्विनी घोरपड़े और अयाहिका मुखर्जी की जोड़ी चीन की किन युशुआन और जोंग गेमन के खिलाफ 1-3 (11-8, 6-11, 4-11, 9-11) से पराजित हुई।

साउथ अफ्रीका टी20 लीग फाइनल में भिड़ेंगी प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप

केपटाउन। साउथ अफ्रीका टी20 लीग के चौथे सीजन का फाइनल मुकाबला 25 जनवरी को केपटाउन के ऐतिहासिक न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा, जहां प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न केप आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है, क्योंकि एक ओर सनराइजर्स ईस्टर्न केप अपने तीसरे खिताब की तलाश में उतरेगी, तो दूसरी ओर प्रिटोरिया कैपिटल्स पहली बार ट्राफी जीतने के इरादे से मैदान में होगी। प्रिटोरिया कैपिटल्स ने क्वालिफायर-1 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स ईस्टर्न केप को हराकर सीधे फाइनल में प्रवेश किया था। वहीं, सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने एलिमिनेटर मुकाबले में पार्ल रायल्स को मात देकर फाइनल का टिकट कटाया। दोनों टीमों का पूरे सीजन में प्रदर्शन लगभग बराबरी का रहा। लीग स्टेज में दोनों ने 10-10 मैच खेले, जिनमें से 5-5 मैचों में जीत हासिल की। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर सनराइजर्स ईस्टर्न केप अंकतालिका में शीर्ष पर रही, जबकि प्रिटोरिया कैपिटल्स दूसरे स्थान पर रही। यह दूसरी बार होगा जब दोनों टीमें फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। लीग के पहले सीजन में भी प्रिटोरिया और सनराइजर्स के बीच खिताबी मुकाबला खेला गया था, जिसमें सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने बाजी मारी थी। उस मुकाबले की यादें अभी भी क्रिकेट प्रशंसकों के जेहन में ताजा हैं, और इस बार प्रिटोरिया की टीम बदला लेने के इरादे से उतरेगी। साउथ अफ्रीका टी20 लीग के इतिहास पर नजर डालें तो सनराइजर्स ईस्टर्न केप अब तक की सबसे सफल टीम रही है। टीम ने पिछले तीनों सीजन में फाइनल में जगह बनाई है और दो बार खिताब अपने नाम किया है।

हार्दिक पंड्या-मुरली कार्तिक वीडियो पर मचा बवाल

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में शानदार जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। इस मुकाबले में जहां भारतीय बल्लेबाजों ने तूफानी अंदाज में लक्ष्य हासिल कर इतिहास रचा, वहीं मैच से पहले भारतीय आलराउंडर हार्दिक पंड्या और पूर्व भारतीय क्रिकेटर मुरली कार्तिक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। यह वीडियो रायपुर में खेले गए इसी मुकाबले से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें दोनों के बीच किसी मुद्दे पर गंभीर बातचीत होती दिखाई दे रही है। वायरल वीडियो मैच शुरू होने से पहले का बताया जा रहा है, जिसे स्टैंड में मौजूद दर्शकों ने रिकार्ड किया था। वीडियो में हार्दिक पंड्या प्रैक्टिस किट में नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में बल्ला और ग्लव्स हैं और वे मैदान पर प्रवेश करते हुए दिखाई देते हैं। इसी दौरान उनकी मुलाकात कमेंट्री ड्यूटी पर मौजूद मुरली कार्तिक से होती है। दोनों पहले आपस में हाथ मिलाते हैं, जिसके बाद कुछ देर तक बातचीत करते नजर आते हैं। वीडियो में कोई स्पष्ट आवाज नहीं है, केवल मैदान का शोर सुनाई देता है, लेकिन बाडी लैंग्वेज को देखकर सोशल मीडिया पर इसे बहस बताया जाने लगा।

वीडियो में ऐसा प्रतीत होता है कि मुरली कार्तिक हार्दिक को किसी बात को लेकर समझाने या शांत करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं हार्दिक गंभीर मुद्रा में नजर आते हैं। बातचीत का असली कारण क्या था, इस पर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसके बावजूद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। कुछ यूजर्स ने इसे मैदान पर हुई बहस करार दिया, तो कुछ ने इसे सामान्य बातचीत बताया। फिलहाल इस पूरे मामले पर न तो हार्दिक पंड्या और न ही मुरली कार्तिक की ओर से कोई बयान सामने आया है। मैच की बात करें तो हार्दिक पंड्या को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, क्योंकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने ही मुकाबला खत्म कर दिया। हालांकि गेंदबाजी में उन्होंने अहम योगदान दिया। हार्दिक ने तीन ओवर की किफायती गेंदबाजी करते हुए 25 रन देकर एक विकेट अपने नाम किया। उन्होंने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन को आउट किया, जो 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनकी गेंदबाजी ने मध्यक्रम पर दबाव बनाए रखने में मदद की।

टी20 विश्वकप में अभिषेक होंगे भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड : शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री मानना है कि आगामी टी20 विश्वकप में आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। शास्त्री के अनुसार अभिषेक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड साबित होंगे। इस पूर्व कोच के अनुसार अभिषेक निडर होकर खेलते हैं। उनमें गजब का आत्मविश्वास है और ऐसे में वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी क्रम को धवस्त कर देते हैं। इसके अलावा उन्हें घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इससे वह टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। यहां एक कार्यक्रम में शास्त्री ने अभिषेक की जममर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह विश्वकप में सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी होंगे जो मैच बदलने में सक्षम रहेगा। उनके अनुसार अभिषेक इस समय जबरदस्त लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। जिस प्रकार का आत्मविश्वास उसके अंदर भरा हुआ है। उससे भी उससे एक आक्रामक बल्लेबाज बनने में सहायता मिली है।

आस्ट्रेलिया दौरा : भारतीय महिला टेस्ट टीम घोषित हरमनप्रीत कप्तान; कमलिनी बाहर, उमा छेत्री की एंट्री

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को आस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला टेस्ट टीम की घोषणा कर दी। यह दौरा अगले महीने शुरू होगा, जिसमें भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे, तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी।

15 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक चलने वाले इस दौरे में टीम इंडिया की कमान हरमनप्रीत कौर संभालेंगी, जबकि स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है।

बीसीसीआई के अनुसार, विकेटकीपर जी. कमलिनी चोट के कारण पूरे दौरे से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह उमा छेत्री को भारत की टी20 और वनडे टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा, विश्व कप विजेता अभियान का हिस्सा रहीं प्रतिका रावल, जो चोट से उबर चुकी हैं, को भी टेस्ट टीम में जगह मिली है।

भारत की महिला टेस्ट टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे।

भारत का आस्ट्रेलिया दौरा 2026-(पूरा कार्यक्रम):

टी20 अंतरराष्ट्रीय

- 15 फरवरी: सिडनी क्रिकेट ग्राउंड, सिडनी
- 19 फरवरी: मनुका ओवल, कैनबरा
- 21 फरवरी: एडिलेड ओवल, एडिलेड

वनडे अंतरराष्ट्रीय

- 24 फरवरी: एलन बार्डर फील्ड, ब्रिस्बेन
- 27 फरवरी: बेलरीव ओवल, होबार्ट
- 1 मार्च: बेलरीव ओवल, होबार्ट

टेस्ट मैच

- 6 से 9 मार्च: वाका ग्राउंड, पर्थ

यह दौरा भारतीय महिला टीम के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जहां वह आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ सभी प्रारूपों में अपनी तैयारियों और संतुलन की कड़ी परीक्षा देगी।

सूर्यकुमार यादव ने तोड़ डाला युवराज सिंह का रिकार्ड

टी20 में एक ओवर में सबसे ज्यादा बार 20 प्लस रन

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

लंबे समय से खराब फार्म से गुजर रहे भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रायपुर में खेले गए दूसरे टी20 मैच में जोरदार वापसी करते हुए न सिर्फ टीम इंडिया को जीत दिलाई, बल्कि एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ 209 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यकुमार ने 37 गेंदों में नाबाद 82 रन की विस्फोटक पारी खेली और भारत को सात विकेट से शानदार जीत दिलाई। उनकी इस पारी में 9 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। अक्टूबर 2024 के बाद यह सूर्यकुमार की 24 पारियों में पहली अर्धशतकीय पारी

रही, जिसने उनके आत्मविश्वास और लय में लौटने के संकेत दे दिए हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले कप्तान का इस तरह फार्म में आना भारतीय टीम के लिए बेहद सकारात्मक माना जा रहा है। रनचेज के दौरान सूर्यकुमार पूरी तरह आक्रामक नजर आए और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। खासतौर पर जैक फाउल्केस के नौवें ओवर में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का असली रंग दिखाया। इस ओवर में सूर्यकुमार ने 24 रन बटोरे, जिसमें शुरुआती चार गेंदों पर चौके, पांचवीं पर छक्का, आखिरी गेंद पर दो रन और एक वाइड शामिल रही। इसी ओवर ने मुकाबले को पूरी तरह भारत के पक्ष में झुका दिया। इस पारी के साथ सूर्यकुमार यादव ने पूर्व दिग्गज आलराउंडर युवराज सिंह का रिकार्ड भी तोड़ दिया।

ईशान किशन ने प्लेयर आफ द मैच अवार्ड के साथ रचा खास रिकार्ड

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ रायपुर में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में भारत की शानदार जीत के सबसे बड़े हीरो ईशान किशन रहे। 209 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जब टीम इंडिया की हालत नाजुक थी और स्कोर महज 6 रन पर दो विकेट हो चुका था, तब ईशान किशन ने जिम्मेदारी संभालते हुए एक यादगार पारी खेली। उन्होंने 32 गेंदों में 11 चौकों और 4 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 76 रन बनाए और भारत को मुश्किल हालात से निकालकर जीत की राह पर ले गए। ईशान किशन की इस पारी ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 37 गेंदों पर नाबाद 82 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन दबाव के क्षणों में ईशान की बल्लेबाजी का असर मुकाबले पर ज्यादा पड़ा। इसी वजह से उन्हें प्लेयर आफ द मैच के अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनकी इस शानदार पारी ने न सिर्फ भारत को सात विकेट से जीत दिलाई, बल्कि व्यक्तिगत उपलब्धियों की सूची में भी उन्हें खास स्थान दिलाया। रायपुर टी20 में मिला यह अवार्ड ईशान किशन के टी20 इंटरनेशनल करियर का तीसरा प्लेयर आफ द मैच अवार्ड रहा। इसके साथ ही उन्होंने सुरेश रैना, श्रेयस अय्यर और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की बराबरी कर ली है।

नई तिमाही जीडीपी सीरीज से बदलेगी आर्थिक तस्वीर, 2022-23 माना जाएगा नया बेस ईयर

ज्यादा सटीक जीडीपी के लिए नए डेटा सोर्स, आईएमएफ मानकों के अनुसार होगी गणना

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।
भारत सरकार अगले महीने से नई तिमाही राष्ट्रीय लेखा (क्यूएनए) सीरीज लागू करने जा रही है, जिसमें सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की गणना को अधिक सटीक और आधुनिक बनाया जाएगा। यह नई सीरीज 27 फरवरी 2026 को पहली बार जारी की जाएगी और इसमें 2022-23 को नया बेस ईयर माना जाएगा। इससे पहले जीडीपी की गणना 2011-12 के बेस ईयर पर आधारित थी। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी चर्चा पत्र के अनुसार, नई जीडीपी सीरीज में कई नए और हाई-फ्रिक्वेंसी डेटा सोर्स जोड़े गए हैं। इनमें सामान, सेवाओं और व्यवसाय के प्रकार के अनुसार जीडीपी डेटा, ई-वाहन से जुड़ा डेटा और प्राकृतिक गैस की खपत शामिल है। इनसे उन सेक्टरों के अनुमान बेहतर होंगे, जहां पहले तेजी से बदलते आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। नई क्यूएनए सीरीज में आईएमएफ के 2017 क्वार्टरली नेशनल अकाउंट्स मैनुअल को अपनाया जाएगा। पुरानी प्रो-राटा पद्धति की जगह अब प्रोपोर्शनल बेंचमार्किंग और प्रोपोर्शनल डेंटन मेथड का उपयोग होगा। इससे तिमाही और सालाना आंकड़ों के बीच तालमेल बेहतर बनेगा और कृत्रिम उतार-चढ़ाव कम होंगे। उत्पादन पक्ष में कृषि के लिए विस्तारित फसल डेटा, मैन्युफैक्चरिंग में डबल डिफ्लेशन और बैंकिंग सेक्टर में तिमाही लोन-डिपौजिट रेट्स का उपयोग किया जाएगा। वहीं मांग पक्ष में निजी उपभोग व्यय को नीचे से ऊपर की पद्धति से तैयार किया जाएगा, जिसमें सीओआईसीओपी 2018 क्लासिफिकेशन और नवीनतम घरेलू उपभोक्ता व्यय सर्वे शामिल होगा। राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद के आकलन में भी सुधार किया जाएगा। सेवाओं और निर्माण क्षेत्र में अब फिक्स्ड रेशियो की जगह रियल-टाइम जीडीपी और एचएसएन-एसएसी आधारित डेटा का इस्तेमाल होगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता अंतिम चरण में, 27 को घोषणा की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत निर्णायक चरण में पहुंच गई है। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को नई दिल्ली में होने वाले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन के दौरान इस समझौते के निष्कर्ष की घोषणा करने का लक्ष्य रखा है। यह वार्ता 20 वर्षों से अधिक समय से चली आ रही है और इसे दोनों के बीच एक अत्यंत रणनीतिक कदम माना जा रहा है। यूरोपीय संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, वार्ता में पर्यावरण संरक्षण जैसे जटिल और संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा हुई है। प्रस्तावित समझौते का प्रमुख उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए शुल्क में पर्याप्त कमी करना है। हालांकि, समझौते के औपचारिक रूप से लागू होने से पहले भारत और यूरोपीय संघ दोनों को अपनी-अपनी आंतरिक अनुमोदन प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। इस एफटीए को वैश्विक व्यापार में विविधीकरण लाने और सीमित आपूर्ति स्रोतों पर निर्भरता कम करने के एक महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। समझौते के तहत निवेश बढ़ाने और औद्योगिक सहयोग को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसमें एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स (एपीआई), सौर ऊर्जा उपकरण और हाइड्रोजन जैसे रणनीतिक क्षेत्र शामिल हैं। यूरोपीय संघ के अधिकारी ने कहा कि यह समझौता दुनिया के सबसे बड़े व्यापारिक क्षेत्रों में से एक का निर्माण करेगा, जिससे लगभग 2 अरब लोगों का साझा बाजार बनेगा।

100 साल पहले भारतीय रुपया था मजबूत, 1 रुपए के बदले मिलते थे 10 अमेरिकी डौलर

नई दिल्ली। आज भले ही भारतीय रुपया डौलर के मुकाबले नीचे फिसल चुका हो, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब भारतीय करेंसी दुनिया की सबसे मजबूत मुद्राओं में गिनी जाती थी। करीब 100 साल पहले तक स्थिति यह थी कि 1 रुपये के बदले 10 अमेरिकी डौलर मिलते थे। यह दौर ब्रिटिश शासन का था, लेकिन तब भारतीय मुद्रा की कीमत सोने और चांदी के मानक से तय होती थी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसका सम्मान था। उस समय अमेरिकी डौलर का वैश्विक व्यापार में कोई बड़ा दबदबा नहीं था और वह मुख्य रूप से अमेरिका तक ही सीमित था। जानकारी के मुताबिक स्थिति में बड़ा बदलाव दूसरे विश्व युद्ध के दौरान आया। साल 1939 में शुरू हुए युद्ध में अमेरिका को छोड़कर दुनिया की करीब सभी बड़ी और शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाएं शामिल थीं। इसी दौरान अमेरिका ने करीब 22 हजार टन सोना अपने पास जमा कर लिया और बदले में अन्य देशों को डौलर देना शुरू किया। इसके बाद 1945 में अमेरिका समेत 44 देशों ने ब्रेटन वुड्स समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत डौलर को सोने से जोड़ दिया गया और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए इसे मानक मुद्रा बना दिया। यहीं से डौलर के वैश्विक प्रभुत्व की नींव पड़ी और धीरे-धीरे बाकी मुद्राएं कमजोर होती चली गईं।
ब्रिटिश काल में भारतीय रुपए का मूल्य पाउंड स्टर्लिंग से जुड़ा हुआ था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नामपल्ली के...

हिंदी प्रचार सभा के नाम पर था निर्माण

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, जिस भवन में आग लगी, उसका निर्माण 1960 में हिंदी प्रचार सभा के नाम पर किया गया था। इस इमारत का निर्माण दाताओं द्वारा दिए गए दान से हुआ था। अच्युत रेड्डी नामक व्यक्ति द्वारा दान की गई भूमि पर यह भवन बना था, लेकिन कथित तौर पर पिछले कुछ समय से यह भू-माफियाओं के कब्जे में चला गया था। नियमों के विरुद्ध जाकर इस भवन पर कब्जा किया गया और यहाँ दुकानें खोल दी गईं।

अदालती आदेशों की अवहेलना और अवैध कारोबार

गौर करने वाली बात यह है कि हाईकोर्ट ने पूर्व में इन दुकानों को तत्काल खाली करने के आदेश जारी किए थे। हालांकि, इन आदेशों की अनदेखी करते हुए यहाँ व्यावसायिक गतिविधियां जारी रखी गईं। पहले जहाँ सेट-बैक (खाली जगह) छोड़ी गई थी, वहाँ नियमों को ताक पर रखकर फर्नीचर की दुकान खोल दी गई। वर्तमान में यह मामला अदालत में लंबित होने के बावजूद, अवैध रूप से यहाँ व्यापार और धंधा चलाया जा रहा था, जिसके परिणामस्वरूप आज यह बड़ा हादसा हुआ।

अदाणी समूह : हिंडनबर्ग रिपोर्ट से उथल पुथल और बाजार की नई चुनौतियां

शेयरों में बिकवाली, मार्जिन कौल और सूचकांक पुनर्संतुलन के दबाव से समूह हुआ प्रभावित

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।
अमेरिकी शौर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट ने अदाणी समूह के लिए भारी उथल-पुथल मचा दी। रिपोर्ट में समूह पर अकाउंटिंग गड़बड़ियों, अत्यधिक कर्ज और विदेशी स्वामित्व संरचनाओं की पारदर्शिता नहीं होने के आरोप लगाए गए। रिपोर्ट के बाद समूह का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 23 लाख करोड़ रुपये से घटकर 6.82 लाख करोड़ रुपये रह गया। शेयरों में लगातार बिकवाली, मार्जिन कौल और सूचकांक पुनर्संतुलन के दबाव से समूह प्रभावित हुआ। अगले वर्ष समूह ने परिचालन प्रदर्शन में सुधार किया और कर्ज में भारी कटौती की। प्रवर्तकों और वैश्विक निवेशकों, जैसे जीक्यूजी पार्टनर ने नई इक्विटी में निवेश किया और विश्वसनीयता बढ़ाई।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति ने नियामकीय विफलता के कोई ठोस सबूत नहीं पाए। सेबी ने भी समूह को आरपीटी और भेदिया कारोबार से जुड़े दो मामलों में क्लीन चिट दी। बंदरगाह, हवाई अड्डे, विद्युत पारेषण और नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसायों से मजबूत नकदी प्रवाह ने बाजार के मनोबल को बनाए रखा।

3 जून, 2024 तक समूह का बाजार पूंजीकरण 19.43 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गया। हालांकि, इसके बाद तेजी धीमी पड़ गई और बाजार मूल्यांकन गिरकर 12.7 लाख करोड़ रुपये रह गया। इस गिरावट के पीछे मुनाफावसूली, कर्ज चिंता और वैश्विक जोखिम जुड़े हैं। नवीनतम बिकवाली अमेरिकी एसईसी के कदम के कारण हुई, जिसमें संस्थापक गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी को कथित धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी मामले में ईमेल समन भेजने की अनुमति मांगी गई है।

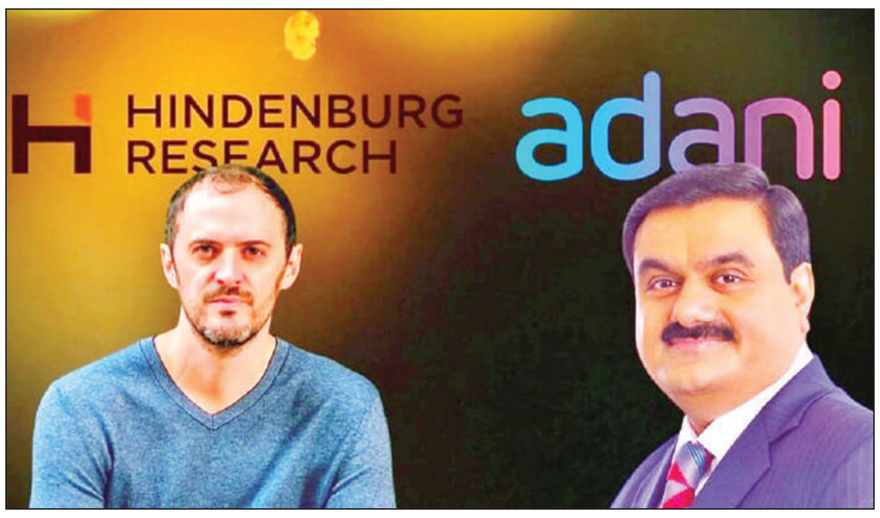

छंटनी के दूसरे चरण में 30 हजार कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर देगी अमेजन

नई दिल्ली। दुनिया की दिग्गज ई-कौमर्स और टेक्नोलौजी कंपनी अमेजन अपने कौर्पोरेट कार्यबल में एक और बड़ी कटौती करने की तैयारी में है। खबरों के अनुसार, कंपनी अगले सप्ताह नौकरियों में कटौती के दूसरे चरण की शुरुआत कर सकती है। यह कदम अमेजन के उस व्यापक पुनर्गठन अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत कुल 30,000 कौर्पोरेट पदों को कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ज्ञात हो कि कंपनी ने पिछले साल अक्टूबर में ही करीब 14,000 कर्मचारियों को सेवामुक्त कर दिया था, और अब शेष पदों पर छंटनी की प्रक्रिया आगामी मंगलवार से शुरू होने की संभावना है। इस नई छंटनी का सबसे अधिक प्रभाव अमेजन वेब सर्विसेज, रिटेल डिवीजन, प्राइम वीडियो और मानव संसाधन जैसे महत्वपूर्ण विभागों पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, छंटनी की सटीक संख्या और प्रभावित होने वाली विशिष्ट टीमों के बारे में कंपनी ने अभी तक कोई आधिकारिक पुख्ता जानकारी साझा नहीं की है। अमेजन के एक प्रवक्ता ने इस विषय पर फिलहाल किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है, लेकिन मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अगले सप्ताह का घटनाक्रम कंपनी के भविष्य के प्रशासनिक ढांचे को तय करेगा। अमेजन के 30 साल के इतिहास में यह अब तक की सबसे बड़ी छंटनी मानी जा रही है। यदि 30,000 नौकरियों की कटौती का लक्ष्य पूरा होता है, तो यह कंपनी के कुल कौर्पोरेट कार्यबल का लगभग 10 प्रतिशत होगा। इससे पहले साल 2022 में भी कंपनी ने लगभग 27,000 कर्मचारियों को निकाला था। गौरतलब है कि पिछले साल अक्टूबर में निकाले गए कर्मचारियों की 90 दिनों की पेरोल अवधि आगामी सोमवार को समाप्त हो रही है, और उसी के तुरंत बाद छंटनी का यह दूसरा दौर शुरू होने जा रहा है। वर्तमान में अमेजन के कुल कर्मचारियों की संख्या लगभग 15.8 लाख है, जिनमें से अधिकांश वेयरहाउस और लौजिस्टिक्स सेंटर्स में कार्यरत हैं। अमेजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एंडी जैसी ने इस छंटनी के पीछे के कारणों को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह निर्णय वित्तीय संकट या सीधे तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की वजह से नहीं लिया गया है। जैसी के मुताबिक, कंपनी के भीतर बढ़ती नौकरशाही और प्रबंधन की अनावश्यक परतों को कम करना उनकी प्राथमिकता है।

पीआईडीएफ योजना के खत्म होने से फिनटेक कंपनियों पर सीमित असर

पेटीएम का शेयर 9.5 फीसदी टूटा, 1,140.75 रुपए पर बंद

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।
पेमेंट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (पीआईडीएफ) योजना के दिसंबर 2025 में समाप्त होने से पेटीएम और फोनपे जैसी प्रमुख फिनटेक कंपनियों के राजस्व पर मामूली असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, इस अनिश्चितता का असर शेयर बाजार में जरूर देखने को मिला। शुक्रवार को बीएसई पर पेटीएम का शेयर 9.53 फीसदी गिरकर 1,140.75 रुपये पर बंद हुआ।

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा है कि यदि मौजूदा पीआईडीएफ योजना का विस्तार नहीं होता या इसकी जगह कोई नई योजना नहीं आती, तो कंपनी उच्च राजस्व और अधिक लक्षित बिक्री प्रयासों के जरिए इसके प्रभाव को काफी हद तक कम करने की उम्मीद करती है।

कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में उसे पीआईडीएफ योजना के तहत 128 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जबकि इस अवधि में पेटीएम का कुल भुगतान राजस्व 2,190 करोड़ रुपये रहा। बेंगलूरु स्थित फिनटेक कंपनी फोनपे ने अपने अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रौस्पेक्टस (डीआरएचपी) में बताया कि वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में उसे पीआईडीएफ योजना से 167.4 करोड़ रुपये मिले।

यह राशि कंपनी के भुगतान से प्राप्त कुल राजस्व का 5.2 फीसदी रही। इस दौरान फोनपे का कुल राजस्व 3,238.3 करोड़ रुपये रहा। पीआईडीएफ योजना की शुरुआत 2021 में छोटे शहरों, कस्बों, पूर्वोत्तर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में डिजिटल भुगतान स्वीकार्यता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी।

आरबीआई ने 2023 में इसे दो साल के लिए बढ़ाया था। नवंबर 2023 तक योजना की कुल निधि 1,026.37 करोड़ रुपये थी। फिलहाल आरबीआई ने इसके विस्तार या किसी नई योजना को लेकर कोई अधिसूचना जारी नहीं की है।

सोना 4300 बढ़कर 1.55 लाख के औल टाइम हाई पर

नई दिल्ली। सोने के दाम शुक्रवार, 23 जनवरी को औल टाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के अनुसार सोना 4,300 रुपए बढ़कर 1,55,428 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये 1,51,128 रुपए पर था। वहीं, 1 किलो चांदी 19,249 रुपए बढ़कर 3,18,960 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले गुरुवार को ये 2,99,711 रुपए पर थी। इस साल सिर्फ 23 दिनों में सोना 22,233 रुपए और चांदी 88,540 रुपए महंगी हो चुकी है। सोने में तेजी के बड़े कारण ग्लोबल टेंशन और ग्रीनलैंड विवाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने वैश्विक बाजारों बाजारों अस्थिरता बढ़ गई है। जब भी दुनिया में ट्रेड वौर का खतरा बढ़ता है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश यानी सोने की ओर भागते हैं। रुपए की रिकौर्ड कमजोरी भारत में सोने की कीमत केवल वैश्विक दरों पर नहीं, बल्कि डौलर-रुपया एक्सचेंज रेट पर भी निर्भर करती है।

ब्राजील से तेल आयात बढ़ाएगा भारत, बीपीसीएल पेट्रोब्रास के बीच 78 करोड़ डौलर का करार

इंडिया एनर्जी वीक 2026 में होगा समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।
केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत पेट्रोलियम कौर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ब्राजील की सरकारी तेल कंपनी पेट्रोब्रास के साथ कच्चे तेल की खरीद के लिए एक अहम सावधि समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रही है। इस समझौते के तहत बीपीसीएल लगभग 78 करोड़ डौलर में 1.2 करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदेगी। यह करार अगले सप्ताह इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) 2026के दौरान किया जाएगा, जिसका आयोजन 27 से 30 जनवरी तक गोवा में होगा। पिछले वर्ष दोनों कंपनियों के बीच हुए समझौते के तहत पेट्रोब्रास ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारत को 60 लाख बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति की थी। अब नए समझौते के बाद वित्त वर्ष 2026-27 में ब्राजील से तेल आयात की मात्रा दोगुनी होकर 1.2 करोड़ बैरल हो जाएगी। इससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिलने की उम्मीद है। पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भारत ने रूसी कच्चे तेल के आयात में कमी की है। इसके चलते घरेलू तेल शोधन कंपनियां अब पारंपरिक आपूर्तिकर्ता देशों के साथ-साथ ब्राजील और गुयाना जैसे नए भौगोलिक क्षेत्रों से तेल खरीद रही हैं। यह कदम आपूर्ति जोखिम को कम करने और आयात स्रोतों में विविधता लाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारत के लिए कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2007 में भारत केवल 27 देशों से तेल आयात करता था, जबकि अब यह संख्या बढ़कर 41 देशों तक पहुंच गई है। इससे भू-राजनीतिक बदलावों के असर को कम करने में मदद मिली है। इंडिया एनर्जी वीक 2026 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक ऊर्जा और प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रमुख सीईओ से बातचीत करेंगे। इस गोलमेज सम्मेलन में 13 विदेशी सीईओ, 5 भारतीय निजी क्षेत्र के सीईओ और कई सार्वजनिक उपक्रमों के प्रमुख शामिल होंगे।

फ्लैगशिप स्मार्टफोन वनप्लस 16 को लेकर चर्चाएं तेज

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।
वनप्लस कंपनी के अगले फ्लैगशिप स्मार्टफोन वनप्लस 16 को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। वनप्लस 16 को लेकर लीक रिपोर्ट्स में खास तौर पर कैमरा, डिस्प्ले और बैटरी से जुड़ी अहम जानकारियां सामने आई हैं। माना जा रहा है कि वनप्लस 16 कई मामलों में अपने पिछले मौडल से काफी आगे होगा।

लीक्स के मुताबिक, वनप्लस 16 में दमदार कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है। मशहूर टिप्स्टर डिजीटल चैट स्टेशन ने दावा किया है कि फोन में नया 200 मेगापिक्सल का पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा दिया जा सकता है, जो बेहतर जूम और लो-लाइट फोटोग्राफी में मदद करेगा। इसके अलावा स्मार्टफोन में 200 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा, दो 50 मेगापिक्सल सेंसर और एक मल्टीस्पेक्ट्रल सेंसर मिलने की भी संभावना जताई जा रही है। यह अतिरिक्त सेंसर फोटो की कलर एक्युरेसी और इमेज प्रोसेसिंग को और बेहतर बना सकता है। डिस्प्ले के मोर्चे पर भी वनप्लस 16 बड़ा बदलाव ला सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, फोन में फ्लैट डिस्प्ले दी जा सकती है, जो 200एचझेड से ज्यादा रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगी। अगर ऐसा होता है, तो यह स्मार्टफोन बाजार में सबसे स्मूद डिस्प्ले वाले फोन्स में गिना जाएगा। बैटरी को लेकर भी लीक काफी चौंकाने वाले हैं। कहा जा रहा है कि वनप्लस नई ग्लेशियर बेट्री टेक्नोलौजी पर काम कर रहा है, जिसकी क्षमता करीब 9000 एमएएच हो सकती है, जिससे यूजर्स को लंबे समय तक बैकअप मिलेगा। परफौर्मेंस के लिए फोन में स्नैपड्रैगन 8 इलाइट जेन 6 चिपसेट मिलने की संभावना है, जिसे उस समय का सबसे ताकतवर प्रोसेसर माना जा रहा है। लौन्च टाइमलाइन की बात करें तो वनप्लस 16 को दिसंबर 2026 या जनवरी 2027 में पेश किया जा सकता है। भारत में इसकी संभावित कीमत 75,000 से 80,000 रुपये के बीच हो सकती है।

असुस अब नए स्मार्टफोन लौन्च करने के मूड में नहीं

नई दिल्ली। जानी-मानी टेक कंपनी असुस अब नए स्मार्टफोन लौन्च करने के मूड में नहीं दिख रही है। हालांकि कंपनी ने औपचारिक तौर पर यह घोषणा नहीं की हो कि वह स्मार्टफोन बिजनेस से बाहर निकल रही है, लेकिन चेयरमैन जौनी शिह के हालिया बयान ने तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। उनके मुताबिक, असुस भविष्य में नए मोबाइल फोन मौडल जोड़ने की योजना नहीं बना रही है। इस बयान के बाद माना जा रहा है कि कंपनी की दो चर्चित स्मार्टफोन सीरीज़ आरओजी फोन और झेनफोनअब आगे नहीं बढ़ेंगी। आरओजी फोन 9 सीरीज़ को आखिरी बार अक्टूबर 2024 में लौन्च किया गया था, जबकि झेनफोन 12 अल्ट्रा फरवरी 2025 में बाजार में आया था। इसके बाद से किसी नए मौडल को लेकर न तो टीज़र जारी हुआ और न ही किसी तरह की आधिकारिक जानकारी सामने आई, जिससे स्मार्टफोन सेगमेंट में असुस के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। असुस भले ही स्मार्टफोन बाजार में सबसे बड़ा खिलाड़ी न रहा हो, लेकिन उसने अपनी अलग पहचान जरूर बनाई थी। खासतौर पर आरओजी फोन सीरीज़ मोबाइल गेमर्स के बीच बेहद लोकप्रिय रही। शोल्डर ट्रिगर्स, दमदार स्पीकर्स, बड़ी बैटरी और स्थिर परफौर्मेंस जैसे फीचर्स ने इसे एक समर्पित गेमिंग स्मार्टफोन बनाया। बाद में कई कंपनियों ने ऐसे फीचर्स अपनाए, लेकिन असुस इस मामले में अग्रणी माना जाता था। झेनफोन सीरीज़ भी अपने इनोवेटिव अप्रोच के लिए जानी जाती थी। कभी कौम्पैक्ट फ्लैगशिप तो कभी फ्लिप कैमरा जैसे प्रयोगों के जरिए असुस ने भीड़ से अलग पहचान बनाई। हालांकि, समय के साथ जब झेनफोन भी बड़े साइज के फोन की रेस में शामिल हुआ, तो उसकी खासियत धीरे-धीरे फीकी पड़ने लगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 25 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

बाबा गंगाराम त्रिशक्ति महोत्सव आज

भजन-संध्या व सैंड आर्ट से सजेगा भक्तिमय माहौल

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। झुंझुनू के विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी का त्रिशक्ति महोत्सव आज सिकंदराबाद स्थित हरियाणा भवन में भव्य रूप से आयोजित होने जा रहा है। महोत्सव की तैयारियाँ पूरे उत्साह और जोश के साथ अंतिम चरण में हैं। आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई तथा कार्यक्रम को भव्य, दिव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु बड़ी संख्या में सिकंदराबाद पहुँच रहे हैं, जिनके ठहरने एवं अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा की गई है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस महोत्सव में कोलकाता से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री केशव मधुकर अपनी मधुर भजन प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे।

हैदराबाद में पहली बार बाबा गंगाराम की लीलाओं पर सैंड आर्ट

महोत्सव का विशेष आकर्षण रहेंगे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सैंड आर्टिस्ट नितीश भारती, जो इंडिया गॉट टैलेंट एवं एशिया गॉट टैलेंट जैसे प्रतिष्ठित मंचों से अपनी पहचान बना चुके हैं। द्वारा बाबा गंगाराम जी की लीलाओं पर आधारित सैंड आर्ट की विशेष प्रस्तुति श्री भारती देंगे। उनकी अद्भुत कला का प्रदर्शन विश्वभर के मंचों पर सराहा गया है। उल्लेखनीय है कि हैदराबाद में पहली बार वे अपनी अनुपम कला से बाबा गंगाराम जी की लीलाओं को जीवंत करने जा रहे हैं, जो श्रद्धालुओं के लिए एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव होगा।

बैठक में समिति सदस्यों की सक्रिय सहभागिता

आयोजन संबंधी बैठक की अध्यक्षता अशोक केजरीवाल जी ने की। बैठक में हरिनारायण व्यास, केशव शर्मा, श्रीनिवास राव, श्याम गोयनका, संजय जालान, विशाल सराफ, संतोष टाटियां, विनोद अग्रवाल, शरद संघवी, ओमप्रकाश चिरानिया, धीरज अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, विशाल डीडवानिया, अमित मोदी, संतोष केजरीवाल, कुसुम सराफ, शिल्पा गोयनका, नेहा केजरीवाल, नूपुर केजरीवाल, अनुराधा शर्मा, मीना मोदी, सुप्रिया डीडवानिया एवं मधु अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत महापुराण और शक्ति चंडी यज्ञ का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के चौराह जिंसी स्थित वाल्मीकि मंदिर के पीछे, बोरिया गली में बसंत पंचमी के पावन पर्व पर आध्यात्मिक उत्साह देखा गया। इस शुभ अवसर पर श्रीमद् भागवत महापुराण और शक्ति चंडी यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

यह पवित्र आयोजन प्रतिष्ठित विद्वानों के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें पं. दत्तु महाराज, पं. दीप्तेश जोशी, पं. दिलीप शुक्ला और पं. संस्कार जोशी ने विधि-विधान से पूजन और यज्ञ कार्य संपन्न कराया। वेदमंत्रों की गूंज और आहुतियों के साथ पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस आयोजन में श्रद्धालु कुमारी गौड़म्मा जी, सेवक दिनेश सिंह, (मालाधारी) ओम मिश्रा, शरद शर्मा और आयुष ने अपनी सक्रिय सेवाएं प्रदान कीं।यज्ञ और कथा श्रवण के लिए क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रहलाद सिंह, एस. नंदुश्री, एस. देवराथ, एस. यश एवं अन्य कई भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बसंत पंचमी के इस विशेष अवसर पर शक्ति चंडी यज्ञ के माध्यम से लोक कल्याण की कामना की गई। आयोजन के अंत में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

नरसिंग दास आत्माराम परिवार द्वारा बसंत पंचमी पर भजन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर भव्य भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष बसंत पंचमी के दिन परिवार द्वारा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी भगवान एवं पितृ गांव सोनासर, झुंझुनू के पितृ देवता भगवान श्री देवी दयाल जी के भजन आयोजित किए जाते हैं।

इस वर्ष भी यह भजन कार्यक्रम परिवार के बशीरबाग स्थित निवास पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम ज्योत प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें परिवार के सभी सदस्यों ने जोड़े से ज्योत की पूजा की तथा भजनों का भावविभोर होकर आनंद लिया।

कार्यक्रम में परिवार के अतिरिक्त रिश्तेदारों एवं मित्रों ने भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाया। भजन उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया, जिसके पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।कार्यक्रम में परिवार के सदस्यों में श्रीमती उषा देवी अग्रवाल, कान्ता-ईश्वर लाल अग्रवाल, संतोष-मुकुंद लाल अग्रवाल, माया-राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सरला-विष्णु गोपाल अग्रवाल, अरुणा-शंकर लाल अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, सरोज-शिव शंकर अग्रवाल, पुष्पा-अरुण कुमार गोयल, शांता अग्रवाल, ललिता गुप्ता, अनिता-विनोद अग्रवाल, संगीता-कमल अग्रवाल, शीतल-सतीश अग्रवाल, प्रिया-अश्विन अग्रवाल, रेखा-हरीश अग्रवाल, राखी-ओम अग्रवाल, प्रियंका-मधु अग्रवाल, श्रद्धा-कपिल अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, उमा-हरीश अग्रवाल, रूपा-नवल किशोर अग्रवाल, रमा गनेरीवाल, राधा अग्रवाल, आरती सिंघानिया, मोनिशा-अनूप अग्रवाल, करण अग्रवाल, निधि-राहुल अग्रवाल, कविता-अनुज अग्रवाल, निखिल अग्रवाल सहित परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे।कार्यक्रम में विशेष रूप से सोनासर स्थित पितृ देवता मंदिर की देखरेख करने वाले डॉ. सुरेश शर्मा भी आमंत्रित अतिथि के रूप में पधारे, जिनकी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा और बढ़ गई।

प्रदूषण पर लगाम, मास्टर प्लान तैयार

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के सहयोग से शहर की हवा को स्वच्छ बनाने के लिए एक व्यापक योजना शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य सुनियोजित कार्रवाई, निरंतर निगरानी और सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल के माध्यम से वायु गुणवत्ता में सुधार करना है।

अधिकारियों का कहना है कि वायु गुणवत्ता में सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। एनसीएपी के तहत, सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को उनकी भूमिकाएं स्पष्ट कर दी गई हैं, ताकि प्रदूषण के स्रोतों को व्यवस्थित और निरंतर तरीके से नियंत्रित किया जा सके।

इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, कई विभाग प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों पर लक्षित हस्तक्षेप लागू कर रहे हैं। समन्वित कार्रवाई के मुख्य क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

हॉटस्पॉट आकलन: वायु गुणवत्ता के आधार पर प्रदूषण वाले मुख्य केंद्रों की पहचान और विशेष कदम।

* धूल नियंत्रण: सड़कों पर उड़ने वाली धूल पर नियंत्रण और निर्माण गतिविधियों की सख्त निगरानी।

* वाहन उत्सर्जन: प्रवर्तन और यातायात प्रबंधन के माध्यम से वाहनों से निकलने वाले धुएं में कमी लाना।

* औद्योगिक निगरानी: औद्योगिक उत्सर्जन की निगरानी और पर्यावरणीय मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करना। * सीएंडडी अपशिष्ट प्रबंधन: निर्माण और विध्वंस कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन और नियमन।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह दृष्टिकोण व्यापक सामान्य उपायों के बजाय लोकेशन-विशिष्ट (स्थान-आधारित) उपायों पर केंद्रित है।

भविष्य की रणनीति और डेटा-आधारित कदम

जीएचएमसी अन्य विभागों के साथ मिलकर अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत कर रहा है। प्रदूषण को स्रोत पर ही कम करने के लिए डेटा-संचालित रणनीतियों को अपनाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, हमारा ध्यान एक बार के उपायों के बजाय वायु गुणवत्ता में निरंतर और दीर्घकालिक सुधार पर है। कार्यक्रम की सफलता के लिए नियमित समीक्षा और निरंतर निगरानी को केंद्र में रखा गया है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्थिरता पर जोर

योजना के व्यापक उद्देश्य पर जोर देते हुए अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छ हवा सार्वजनिक स्वास्थ्य और शहर के टिकाऊ भविष्य के लिए अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि एनसीएपी के नेतृत्व में किए जा रहे इन समन्वित प्रयासों का उद्देश्य दीर्घकालिक योजना और निरंतर कार्यान्वयन के माध्यम से शहर की वायु गुणवत्ता में मापने योग्य और स्थायी सुधार सुनिश्चित करना है।

नगरागमन पर राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का भव्य स्वागत

राजस्थानी समाज ने एयरपोर्ट पर पुष्पमालाओं से किया गर्मजोशी से अभिनंदन

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन राठौड़ एवं श्री मनोज जी सिंघानिया (पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष, सीकर तथा भाजपा संगठन प्रभारी, सिरोही जिला) के भाग्य नगर हैदराबाद आगमन पर राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर राजस्थानी समाज के भाइयों द्वारा भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर समाजजनों ने पुष्पमालाओं एवं पारंपरिक आत्मीयता के साथ दोनों नेताओं का अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अविनाश देवड़ा, सोहन सिंह राजपुरोहित, दूदाराम बाबल, धनराज चौधरी, गोपाल चौधरी, गुमानसिंह, लक्ष्मण सिंह, दामोदर शर्मा सहित सैकड़ों समाजबंधु उपस्थित रहे। एयरपोर्ट परिसर राजस्थानी समाज की एकता, जोश एवं संगठनात्मक उत्साह से सराबोर नजर आया। समाजजनों ने इस अवसर को गौरवपूर्ण बताते हुए राजस्थान तथा भाजपा संगठन के प्रति अपनी निष्ठा एवं समर्थन व्यक्त किया।

सज्जनार ने प्रवीण से माँगे सबूत

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर और एसआईटी प्रभारी वी.सी. सज्जनार ने शुक्रवार को बीआरएस महासचिव और पूर्व आईपीएस अधिकारी आर.एस. प्रवीण कुमार द्वारा उन पर की गई टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया। सीपी सज्जनार ने इन बयानों को भ्रामक और अपमानजनक बताते हुए आर.एस. प्रवीण को नोटिस जारी किया है और दो दिनों के भीतर अपने दावों के सबूत पेश करने को कहा है।

इससे पहले दिन में, आर.एस. प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया था कि वी.सी. सज्जनार सात आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सज्जनार के पास उस एसआईटी का नेतृत्व करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, जिसे सरकार ने बीआरएस शासन के

दौरान हुए कथित फोन टैपिंग मामले की जांच के लिए गठित किया है।

प्रवीण ने दावा किया कि 2015 के नोट के बदले वोट मामले के दौरान, जब वर्तमान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को कथित तौर पर पकड़ा गया था, तब सज्जनार इंटेलिजेंस विंग में डीआईजी के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना के बाद आंध्र प्रदेश में सज्जनार और अन्य अधिकारियों के खिलाफ फोन इंटरसेप्ट करने के आरोप में सात मामले दर्ज किए गए थे।

छवि बिगाड़ने की कोशिश : सज्जनार

इन आरोपों के कुछ घंटों बाद, सज्जनार ने नोटिस जारी कर कहा, यह बयान पूरी तरह से मानहानिपूर्ण, लापरवाह, गैर-जिम्मेदाराना और भ्रामक है। सार्वजनिक रूप से ऐसे आरोप लगाकर न केवल एसआईटी और उसके प्रमुख की प्रतिष्ठा को कम करने का प्रयास किया गया है, बल्कि चल रही जांच में बाधा डालने और जनता को गुमराह करने की कोशिश भी की गई है।

सुर्यदत्त कॉलेज ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड ट्रैवल टूरिज्म की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता सम्पन्न

चेयरमैन प्रो. डॉ. संजय चोरडिया की योजना से भावी पेशेवरों को मिला वैश्विक मंच

पुणे, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म क्षेत्र में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और भारतीय आतिथ्य संस्कृति में आधुनिकता का समावेश करने के उद्देश्य से पुणे के प्रतिष्ठित सुर्यदत्त कॉलेज ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड ट्रैवल टूरिज्म द्वारा मराज्य स्तरीय अंतर महाविद्यालयीय हॉस्पिटैलिटी प्रतियोगिता 2026फ का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से महाराष्ट्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को एक विश्व स्तरीय मंच प्राप्त हुआ। इस भव्य आयोजन की योजना सूर्यदत्त समूह के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया की दूरदर्शी सोच से साकार हुई। उनका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल कक्षा तक सीमित न रखते हुए उन्हें उद्योग जगत का अनुभव कराना था। डॉ. संजय चोरडिया ने कहा, हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास है। हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के पास केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि सृजनात्मकता, कार्यकुशलता और उद्योग केंद्रित कौशल होना चाहिए। ऐसी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं से छात्रों में नेतृत्व गुण विकसित होते हैं और उन्हें वैश्विक मानकों की समझ मिलती है। भविष्य में ये विद्यार्थी हॉस्पिटैलिटी उद्योग का नेतृत्व करेंगे, इस पर मुझे पूरा विश्वास है। इस प्रतियोगिता में पुणे के साथ-साथ महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों से आए 27 प्रमुख हॉस्पिटैलिटी संस्थानों के कुल 54 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसने पूरे राज्य की हॉस्पिटैलिटी गुणवत्ता को एक ही मंच पर प्रदर्शित किया। इस आयोजन की सफलता में 60 छात्रों, 20 विशेषज्ञ प्राध्यापकों और कर्मचारियों की अहोरात्र मेहनत शामिल रही, जिससे प्रतियोगिता का स्वरूप अंतरराष्ट्रीय स्तर का बन गया। कार्यक्रम में दो प्रमुख प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मानी गई माजी छात्रा एवं प्रसिद्ध बारटेंडर कु. सावंगी उभे का नेत्रदीपक जॉगलिंग शो रहा। डॉ. चोरडिया ने माजी छात्रा को सफल उद्यमी और पेशेवर के रूप में देख कर संतोष व्यक्त किया।

प्रतियोगिता के लिए हयात रिज़ॉर्ट्स, लेमन ट्री और बार जॉकी जैसे प्रमुख ब्रांड्स के विशेषज्ञों ने जज के रूप में कार्य किया। बार जॉकी के प्रायोजन से छात्रों को वैश्विक स्तर की सामग्री का अनुभव मिला। राज्य स्तरीय अंतर महाविद्यालयीय हॉस्पिटैलिटी प्रतियोगिता 2026 केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भावी हॉस्पिटैलिटी पेशेवरों के सर्वांगीण विकास के लिए मील का पत्थर साबित हुई।

शिखरबद्ध आईमाता मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 2 फरवरी से

बेंगलूरू, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज जिगनी की ओर से नवनिर्मित शिखरबद्ध आईमाता मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका पूर्व लोकसभा सांसद एवं डेयरी अध्यक्ष श्री डी.के. सुरेश को भेंट कर उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

संस्था के अध्यक्ष मांगीलाल राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि यह चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सीरवी समाज के धर्मगुरु दीवान माधवसिंह एवं बाबा मंडली के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। महोत्सव का शुभारंभ 02 फरवरी 2026 को किया जाएगा, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे।

इस अवसर पर तिलोकराम काग, डूंगाराम बर्फा, ताराराम, जोराराम परिहार, मनोहर राठौड़ सहित जिगनी के पूर्व सभा सदस्य एवं वार्ड मेंबर भी उपस्थित रहे। सभी ने महोत्सव के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

हिल रिज स्प्रिंग्स गच्चीबोली में बसंत पंचमी श्रद्धा व उल्लास से मनाई गई

महिलाओं ने पीले परिधानों में की माँ शारदे की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिल रिज स्प्रिंग्स, गच्चीबोली में कल्चरल कमिटी के तत्वावधान में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर माँ सरस्वती (माँ शारदे) की विधिवत पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिसर की महिलाओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भाग लिया।

बसंत पंचमी की परंपरा के अनुरूप पूजा स्थल को पीले पुष्पों से सजाया गया तथा सभी श्रद्धालुओं ने पीले परिधान धारण कर माँ सरस्वती की आराधना की। पूरे वातावरण में भक्ति, शांति और उल्लास का भाव देखने को मिला। पूजा-अर्चना के पश्चात भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें निवासियों ने मधुर कंठ से माँ शारदे, श्रीराम, श्रीकृष्ण, भगवान शिव एवं श्री गणेश के भजन प्रस्तुत किए। भजनों के माध्यम से संपूर्ण परिसर भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गीता अग्रवाल, मंजू शर्मा, राज माथुर, आशा अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, श्रीदेवी, हरिनी, सरस्वती, ज्योत्सना, अनीता, अंजना वशिष्ठ, रेणु सूद, जया, सरिता, सुंदरी, मालती सहित अनेक महिलाएँ उपस्थित रहीं।

अणुव्रत समिति की राष्ट्रीय संगठन यात्रा हैदराबाद में

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अणुव्रत विश्व भारती समिति के निर्देशन में योगक्षेम अणुव्रत संगठन यात्रा (तेलंगाना) के तहत तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद में संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा व संगठन मंत्री राजेश चावत ने अणुव्रत आंदोलन के वर्तमान स्वरूप, नैतिक शुद्धता, आत्म-संयम, नशामुक्ति व पर्यावरण संरक्षण जैसे आयामों पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि अणुव्रत उपदेश नहीं, आचरण परिवर्तन का आंदोलन है। इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, सेवा-संस्कार-संयम-संवाद पर चलें। युवा-महिला सहभागिता बढ़ाएं, छोटे निरंतर कार्यक्रमों से समाज में नैतिकता का प्रसार करें। संगठन की शक्ति संख्या में नहीं, सक्रिय कार्यकर्ताओं में है। बैठक में स्थानीय अध्यक्ष राजेंद्र बोथरा, तेलंगाना प्रभारी आलोक डागा, रीता सुराणा, दिलीप डागा, प्रवीण श्यामसूखा, चन्दन कोठरी, निर्मला बैद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अणुव्रत गीत, डायरी विमोचन व आभार से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

श्री राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर लंगर प्रसाद सेवा आयोजित

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरे)। अयोध्या में श्री राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर मिट्टी का शेर, चारमीनार स्थित क्षेत्र में श्री बालाजी फ्रेण्ड्स एसोसिएशन द्वारा लंगर प्रसाद सेवा का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में भाजपा नेता नितेश अग्रवाल एवं मेघरानी अग्रवाल सहित अनेक सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।इस अवसर पर पवन मिश्रा, विकास गादिया, आकाश अग्रवाल, वैभव शर्मा, विवेक संघी, महेश अग्रवाल, तरुण कुमार अग्रवाल, गोवर्धन अग्रवाल, वेद प्रकाश तिवारी, उमेश सिंघानिया, नितिन, राघव, करुणा सागर, पी. वेंकटेश, पंकज वर्मा, पी. सुरेन्दर, महेंदर कड़ेल, गोविंद राठी, पांडू यादव, अवदनाथ, किशनलाल, उमा महेन्द्र, रेणु सोनी, बरखा वर्मा, यशमित वर्मा, गौरीशंकर सोनी, करोड़ीमल एवं अशोक कुमार सेन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई।आयोजकों ने बताया कि यह लंगर सेवा सामाजिक समरसता, सेवा भाव एवं धार्मिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा, सहयोग और संगठन शक्ति समाज के लिए प्रेरणास्रोत : गोपाल शरण गर्ग

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निराश्रित, जरूरतमंद एवं वंचित वर्ग के लोगों को निरंतर निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराना सेवा, सहयोग और समर्पण की अनुपम मिसाल है। यह कार्य समाज की संगठित शक्ति को भी सशक्त रूप से दर्शाता है। उक्त विचार अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने व्यक्त किए।

वे घासी बाजार स्थित शिमला वाला सदन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब समाज संगठित होकर सेवा के कार्यों में जुटता है, तभी सामाजिक समरसता, भाईचारा और मानवता की भावना मजबूत होती है। राधे-राधे ग्रुप जैसे संगठन यह सिद्ध करते हैं कि सामूहिक प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल एवं रामप्रकाश अग्रवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग एवं अन्य पदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया।

कार्यक्रम के दौरान राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित अन्नदान सेवा सहित विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। गोपाल शरण गर्ग ने कहा कि समाज के सक्षम वर्ग को आगे आकर ऐसे सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता करनी चाहिए, जिससे जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल सके और समाज सशक्त बन सके।

उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही मजबूत राष्ट्र की नींव होता है। सेवा, सहयोग और संस्कार के माध्यम से समाज को नई दिशा दी जा सकती है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा निरंतर सेवा कार्य निश्चित रूप से अन्य सामाजिक संगठनों के लिए प्रेरणास्रोत है।इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय सचिव गोपाल गोयल, विपिन अग्रवाल, विनोद जैन, नवल किशोर बंसल, महावीर प्रसाद भालवाले, सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, मोनू अग्रवाल, वंश अग्रवाल, सुयश अग्रवाल, योगेश जैन, अशोक बंसल, शिवकुमार अग्रवाल भालवाले, बजरंगलाल भालवाले, अल्का मिंडा, शीनू बंसल, सतप्रकाश बंसल सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

माघ मास शुक्लपक्ष वसन्त पंचमी पर माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना कर वसन्ती बगिया में माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की केन्द्रीय केबिनेट सदस्य अरुणा गुप्ता।

श्री सरस्वती शिशु मंदिर में वसंत पंचमी आयोजित

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सरस्वती शिशु मंदिर, निंबोलीअड्डा, काचीगुडा में वसंत पंचमी के पावन अवसर पर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सरस्वती पूजा के साथ-साथ विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन सचिव श्री मूल महेंद्र जी एवं श्री हनुमंत राव जी के नेतृत्व में किया गया। आयोजन में सलाहकार श्री रमेश मंजनाथ जी एवं श्री रामलिंगेश्वर जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही माता वॉकर्स क्लब के सदस्य, श्री रंगाचार्य जी तथा विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती श्रावंती जी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सामूहिक सहयोग से यह वसंत पंचमी समारोह भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्यों एवं ज्ञान के प्रति श्रद्धा का संदेश दिया गया।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 197वां निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आज

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरे)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा आज रविवार को बेगम बाजार स्थित मारवाड़ी हिंदी विद्यालय (हाई स्कूल) में 197वां विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया जा रहा है। केयर हॉस्पिटल, एशियन इंटी केयर, स्वरूप आई केयर सेंटर सहित विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सकों द्वारा सामान्य रोग, हृदय, हड्डी, स्त्री रोग, बच्चों, त्वचा, नेत्र, दंत व फिजियोथेरेपी सेवाएं दी जाएंगी।

रक्तचाप, डायबिटीज, कोलेस्ट्रोल, हेमोग्लोबिन, किडनी टेस्ट, ईसीजी, 2डी इको व मोतियाबिंद निःशुल्क जांच व ऑपरेशन सुविधा उपलब्ध होगी। भवानी ग्रुप द्वारा निःशुल्क औषधि वितरण होगा। पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक।

प्रचार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने सभी से अधिक भागीदारी की अपील की।

इरिसेट सिकंदराबाद में नेत्र जांच शिविर आयोजित

कर्मचारी कल्याण व निवारक स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में सराहनीय पहल

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान (आईआरआईएसईटी), सिकंदराबाद द्वारा 24 जनवरी 2026 को कर्मचारी कल्याण एवं निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत संस्थान परिसर में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

यह शिविर नेत्र देखभाल संस्थान आनंद आई हॉस्पिटल, हबसीगुड़ा के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में योग्य नेत्र रोग विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ की टीम द्वारा दृष्टि परीक्षण, फंडसकॉपी, रेटिना जांच तथा सामान्य नेत्र रोगों की प्रारंभिक जांच सहित व्यापक नेत्र परीक्षण किए गए।

शिविर का लाभ बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों, आउटसोर्सिंग स्टाफ तथा उनके परिवार के सदस्यों ने उठाया। इस पहल का उद्देश्य नेत्र संबंधी समस्याओं की प्रारंभिक पहचान करना तथा विशेष रूप से बढ़ते स्क्रीन उपयोग और आयु से संबंधित दृष्टि समस्याओं के संदर्भ में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

आईआरआईएसईटी अपने अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षुओं एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के हित में नियमित रूप से इस प्रकार की स्वास्थ्य एवं कल्याण गतिविधियों का आयोजन करता रहा है। यह पहल व्यावसायिक उत्कृष्टता के साथ-साथ समग्र कल्याण पर भारतीय रेल के निरंतर फोकस को दर्शाती है।

रामंतापुर में वसंत पंचमी का आयोजन

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर के तत्वावधान में गंगा भवानी मंदिर प्रांगण में वसंत पंचमी बड़े हर्षोल्लास से मनाई गई। मंत्रोच्चार व सरस्वती पूजन से प्रारंभ हुआ उत्सव अबोध बच्चों के अक्षरारंभ व सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती माल्यार्पण के साथ आगे बढ़ा।अन्नदान व भजन-कीर्तन कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि उप्पल विधायक बी. लक्ष्मा रेड्डी, पूर्व विधायक सुभाष रेड्डी, कॉर्पोरेटर श्रीवानी वेंकट राव, गंधम ज्योत्सना नागेश्वर राव, अशोक सिंह, बिहार एसोसिएशन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कमलेश पांडेय, राम प्रकाश गुप्ता, सुरेश सिंह, भगवान सिंह, पंकज झा, अजय शर्मा, सुनील सिंह, मंजूनाथ गुप्ता सहित समिति के समर्पित सदस्यों ने अथक परिश्रम से कार्यक्रम सफल बनाया।

गच्चीबावली स्टेडियम में एथनिक फेस्ट 31 को

परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम बनेगा आकर्षण

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गाचीबोवली स्टेडियम आगामी 31 जनवरी को एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार है। गिगलमग इवेंट्स द्वारा प्रस्तुत एथनिक फेस्ट 2026 इस दिन दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक शहर को सांस्कृतिक रंगों में सराबोर कर देगा। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि परंपरा और आधुनिकता का ऐसा अनूठा संगम है, जहां हैदराबाद की सांस्कृतिक जड़ें पूरी भव्यता के साथ जीवंत होती नजर आएंगी।

इस उत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण एथनिक रन रहेगा। यह एक अनोखी और गैर-प्रतिस्पर्धी दौड़ है, जिसमें प्रतिभागी स्पोर्ट्स गियर के बजाय साड़ी, धोती, कुर्ता और लहंगा जैसे पारंपरिक परिधानों में दौड़ते दिखाई देंगे। रनिंग शूज़ के साथ पारंपरिक वस्त्रों का यह अनोखा मेल फिटनेस को एक नया, आनंदमयी और सांस्कृतिक रंग देगा।

दौड़ के उपरांत पूरा परिसर एक सांस्कृतिक खेल मैदान में परिवर्तित हो जाएगा। एंशिएंट लिविंग द्वारा तैयार किया गया विशेष एंशिएंट प्ले ज़ोन वयस्कों को उनके बचपन के पारंपरिक खेलों की याद दिलाएगा, वहीं बच्चों के लिए यह भारत की समृद्ध विरासत को करीब से जानने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

मेले में हस्तशिल्प, आभूषण और पारंपरिक वस्त्रों के स्टॉल अपनी आकर्षक छटा बिखेरेंगे। साथ ही, खाने-पीने के शौकीनों के लिए क्षेत्रीय व्यंजनों की भरमार रहेगी, जो स्वाद के साथ परंपरा का भी आनंद कराएगी।

विरासत थीम पर आधारित विशेष बूथ्स पर यादगार पलों को कैमरे में कैद करने की भी व्यवस्था की गई है। सूरज ढलते ही लोक नृत्यों, लाइव संगीत और लयबद्ध धुनों से पूरा गाचीबोवली स्टेडियम गूंज उठेगा। एथनिक फेस्ट 2026 हैदराबाद के लिए केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक भव्य सांस्कृतिक उत्सव है।

यह आयोजन शहरवासियों को अपनी दिनचर्या से बाहर निकलकर गर्व के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीने का अवसर प्रदान करेगा।आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम गाचीबोवली स्टेडियम से पूरे देश को विविधता में एकता का सशक्त संदेश देगा। यह उत्सव नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावशाली माध्यम बनेगा।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में मशीन अनुवाद पर एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आई.ओ.ई. निदेशालय के सहयोग से आज मशीन अनुवाद विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। मानविकी संकाय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम ने भाषा और तकनीक के संगम को नई दिशा दी।

कार्यशाला का शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रो. एम. श्याम राव के स्वागत वक्तव्य से हुआ। इसके बाद कार्यशाला के संयोजक डॉ. जे. आत्माराम ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि और ज्ञान-स्रोत व्यक्ति के रूप में भाग लेते हुए आई.आई.आई.टी. हैदराबाद की डॉ. सोमा दास, आई.आई.टी.-बी.एच.यू. की डॉ. सुखदा और सी.एस.आई.आर.-आई.आई.सी.टी. हैदराबाद के डॉ. सौरभ कुमार ने मशीन अनुवाद की चुनौतियों और संभावनाओं पर व्याख्यान देने के साथ-साथ मशीनी अनुवाद संबंधी प्रायोगिक-कार्य भी कराया । कार्यशाला का संचालन डॉ. राजश्री मोरे, एसोसिएट प्रोफेसर ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कपिल कुमार रंजन, सहायक प्रोफेसर ने प्रस्तुत किया।

तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों को प्राकृतिक भाषा निर्माण की गहन समझ से लेकर कंठस्थ 2.0 टूल ङ्भारतीफ और अन्य एआई उपकरणों की कार्यप्रणाली तक का अनुभव मिला। डॉ. सोमा दास और डॉ. सुखदा ने भाषा की संरचना और उसके कम्प्यूटेशनल प्रयोगों पर विस्तार से चर्चा की, वहीं डॉ. सौरभ कुमार ने भारतीय भाषाओं के लिए विकसित किए जा रहे अख टूल्स की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला और प्रतिभागियों से अभ्यास भी कराया।

समापन सत्र में प्रो. एम. श्याम राव ने कार्यशाला को हिंदी विभाग की एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह आयोजन भारतीय भाषाओं के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुसंधान को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। कार्यशाला में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के साथ-साथ नगर अन्य संस्थानों से भी कुछ विद्यार्थियों ने भाग लिया। दिनभर चले इस कार्यशाला ने शोधार्थियों और अध्यापकों को मशीन अनुवाद की नवीनतम तकनीकों से परिचित कराया और हिंदी सहित भारतीय भाषाओं के भविष्य को लेकर नई संभावनाओं के द्वार खोले।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में प्रथम एलुमनाई मीट 2026 आयोजित

देश के विकास में पूर्व छात्रों की भूमिका पर चर्चा

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी), हैदराबाद ने 24 जनवरी 2026 को अपने परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम में आईआईसीटी एलुमनाई मीट 2026 का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पूर्व छात्रों, वैज्ञानिकों, विशिष्ट अतिथियों और उद्योग जगत के दिग्गजों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस मिलन समारोह का आयोजन आईआईसीटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईआईसीटीएए) के तत्वावधान में किया गया, जिसका उद्देश्य पूर्व छात्रों के जुड़ाव को मजबूत करना, उनके उत्कृष्ट योगदान का सम्मान करना और संस्थान के साथ भविष्य के सहयोग का रोडमैप तैयार करना था।

संस्थान की प्रतिष्ठा का आधार हैं पूर्व छात्र: डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी संगठन के लिए उसके पूर्व छात्र अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा, किसी संस्थान की प्रतिष्ठा उसके वर्तमान प्रशासन, छात्रों और संकायों के साथ-साथ उसके पूर्व छात्रों की उपलब्धियों और विकास पर टिकी होती है। उन्होंने भविष्य में सीएसआईआर-आईआईसीटी को रसायन विज्ञान और रासायनिक प्रौद्योगिकियों के सभी पहलुओं के लिए एक पसंदीदा स्थान के रूप में देखने की इच्छा व्यक्त की और पूर्व छात्रों से सहयोग का अनुरोध किया।

इनोवेशन और उद्योग जगत के दिग्गजों ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया, जिनमें-

डॉ. एम.के. गुर्जर: निदेशक, एमक्योर फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड।

डॉ. एस. चंद्रशेखर: सलाहकार, पीआई इंडस्ट्रीज; पूर्व सचिव, डीएसटी (भारत सरकार) और पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-आईआईसीटी ।डॉ. यू.एस.एन. मूर्ति: निदेशक, एनआईपीईआर-गुवाहाटी; पूर्व मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईसीटी ।डॉ. अहमद कमाल: एए-नआरएफ प्रधानमंत्री प्रोफेसर; पूर्व कार्यवाहक निदेशक, सीएसआईआर-आईआईसीटी शामिल थे।

विशिष्ट पूर्व छात्रों का सम्मान और भविष्य की दिशा पर मंथन

इस मीट का एक मुख्य आकर्षण विशिष्ट पूर्व छात्रों का सम्मान समारोह था, जहाँ विज्ञान, उद्योग और राष्ट्रीय विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान को सराहा गया। इस अवसर पर सीएसआईआर-आईजीआईबी के निदेशक डॉ. सौविक मैती ने एक लोकप्रिय व्याख्यान दिया, जिसके बाद सम्मानित पूर्व छात्रों ने अपनी पुरानी यादें साझा कीं।

कार्यक्रम में भविष्य की दिशा को लेकर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें डॉ. आर.बी.एन. प्रसाद, डॉ. एस.वी. मनोरमा, डॉ. डी. शैलजा, डॉ. भानु मंजुनाथ नारायण और डॉ. जी. किशन जैसे विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चा का संचालन डॉ. संजीत कांजीलाल ने किया। इस सत्र में पूर्व छात्रों से एसोसिएशन को मजबूत करने और संस्थान-एलुमनाई साझेदारी बढ़ाने के लिए बहुमूल्य सुझाव भी लिए गए। कार्यक्रम का समापन डॉ. बी.वी. सुब्बा रेड्डी के धन्यवाद प्रस्ताव और राष्ट्रगान के साथ हुआ। अंत में, नेटवर्किंग लंच और कैंपस विजिट का आयोजन किया गया, जिससे पूर्व छात्रों को संस्थान से पुन: जुड़ने और शोधकर्ताओं व छात्रों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला।

बेगम बाजार किराना मार्केट स्थित मामा कॉम्प्लेक्स में आराधना ओझा एवं अर्चना जोशी द्वारा संचालित आर.आर. इंस्टीट्यूट में बसंत पंचमी का पर्व भव्य एवं श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर माता सरस्वती जी की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से रामदेव नागला एवं विजय शर्मा पांडिया उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डाला और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे आयोजन में बड़ी संख्या में बालक-बालिकाएँ उपस्थित रहीं। पूजा-अर्चना एवं उत्सव के माध्यम से संस्थान परिसर में भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक वातावरण देखने को मिला।

दक्षिण से उत्तर भारत की ओर जाने वाली सनातन जागरण राष्ट्र कल्याण यज्ञ यात्रा रथ का 14 जनवरी को रामेश्वरम से शुरू होकर दक्षिण भारत के 4 राज्यों से होते हुए तेलंगाना के महबूबनगर में प्रवेश कर चुकी है। यह दि. 25 जनवरी को महबूबनगर के कोडंगल, कोसगी, परगी होतू हुए सिकंदराबाद पहुंचेगी।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 6943702N Hav Biswajit Roy of AOC Records, Secunderabad, C/o 56 APO that my father name and DOB is changed from KARTICK ROY, DOB:07 JUN 1949 to KARTICK RAY, DOB:01 FEB 1962

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.JC-313659A Sub DUMPA SREENIVASULA REDDY, Residing at H. No.1/115, Bayana Palle, Vill and PO:Kondapeta, Teh:Chennur, Dist:Cuddapah, Andhra Pradesh - 516162 hereby declare that my wife name and DOB is to be changed from D VARA LAKSHMI, DOB:04-07-1990 to DUMPA VARALAKSHMI, DOB:01-01-1991 vide affidavit dt:23-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.JC-313659A Sub DUMPA SREENIVASULA REDDY, Residing at H. No.1/115, Bayana Palle, Vill and PO:Kondapeta, Teh:Chennur, Dist:Cuddapah, Andhra Pradesh - 516162 hereby declare that my mother name and DOB is to be changed from D KONDAMMA, DOB:01-07-1962 to DUMPA KONDAMMA, DOB:01-01-1964 vide affidavit dt:23-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.JC-313659A Sub DUMPA SREENIVASULA REDDY, Residing at H. No.1/115, Bayana Palle, Vill and PO:Kondapeta, Teh:Chennur, Dist:Cuddapah, Andhra Pradesh - 516162 hereby declare that my father name and DOB is to be changed from NARASIMHA REDDY D, DOB:01-07-1958 to DUMPA NARASIMHA REDDY, DOB:15-06-1958 vide affidavit dt:23-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ

बेजुबानों पर कहर

और 300 कुत्तों के शव मिले, बंदरों पर भी अत्याचार

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में आवारा कुत्तों की कथित सामूहिक हत्या का एक और रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। जगतियाल जिले में एक गड्ढे में लगभग 300 कुत्तों के शव फेंके गए हैं। इसके साथ ही इस महीने राज्य में मृत पाए गए आवारा कुत्तों की कुल संख्या लगभग 900 तक पहुंच गई है। ताजा हत्याकांड हैदराबाद से लगभग 200 किमी दूर पेगडापल्ली में गुरुवार को हुआ, जिसके बारे में पशु अधिकार कार्यकर्ताओं का दावा है कि यह गांव के सरपंच के आदेश पर किया गया था।स्ट्रे एनिमल्स फाउंडेशन ऑफ इंडिया की प्रीति मुदावत की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने ग्राम सरपंच, ग्राम पंचायत सचिव और अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 325 सहपठित 3(5) और पशु क्रूरता निवारण (पीसीए) अधिनियम, 1960 की धारा 11(1)(ए) के तहत मामला दर्ज किया है। यह धाराएं सामूहिक रूप से जानवरों को मारने और जहर देने से संबंधित हैं।

शिकायतकर्ता प्रीति ने बताया, मैंने शुक्रवार को गांव का दौरा किया और गांव की सीमा के पास शवों को पाए जाने के बाद शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने उन्हें जानकारी दी कि दो महिलाओं द्वारा कुत्तों को घातक इंजेक्शन लगाए गए थे।

ट्रैक्टरों में भरकर ले जाए गए शव

प्रीति का दावा है कि जब उन्होंने पहली बार गड्ढा देखाजो कथित तौर पर शवों को दफनाने के लिए खोदा गया थातो वह केवल आधा भरा हुआ था। उन्होंने कहा, लेकिन शाम तक गड्ढे का करीब 75% हिस्सा कुत्तों के शवों से भर गया था। बाद में, ग्राम पंचायत कार्यकर्ताओं की मदद से शवों को ट्रैक्टरों में भरकर गांव से लगभग दो किमी दूर एक गड्ढे में ले जाकर दफना दिया गया।

चुनावी वादे पूरा करने के लिए क्रूरता?

पिछले कुछ हफ्तों में कामारेड्डी, जगतियाल, हनुमकोंडा और रंगारेड्डी जिलों से आवारा कुत्तों की सामूहिक हत्या के कम से कम तीन मामले सामने आए हैं। अधिकांश मामलों में, नवनिर्वाचित सरपंचों और अन्य प्रतिनिधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिन्होंने कथित तौर पर अपने चुनावी वादों को पूरा करने के लिए इन हत्याओं का आदेश दिया था। आंकड़ों के अनुसार, हनुमकोंडा में घातक इंजेक्शन देकर लगभग 300 कुत्तों को मार दिया गया, जबकि कामारेड्डी में 200, रंगारेड्डी में 100 और जगतियाल के एक अन्य हिस्से में लगभग 30 शव मिले थे। पेगडापल्ली थाने के एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

कुत्तों के बाद अब बंदरों पर क्रूरता

तेलंगाना में कुत्तों के सामूहिक संहार के बाद अब बंदरों के साथ क्रूरता का मामला सामने आया है। कामारेड्डी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच-44) पर अंतमपल्ली गांव के पास लगभग 100 बंदरों को कथित तौर पर बेहोश कर बोरियों में भरकर फेंक दिया गया। इस घटना में अब तक चार बंदरों की मौत हो चुकी है, जबकि दो अन्य की स्थिति गंभीर बनी हुई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह घटना बुधवार सुबह की है, जब उन्होंने हाईवे किनारे पड़ी बोरियों से कुछ बंदरों को बाहर निकलते देखा और पुलिस व वन विभाग को सूचित किया।

बोरियों में भरकर लाए गए बेजुबान

अंतमपल्ली गांव के निवासी सी.एच. मधु मोहन रेड्डी ने बताया, ऐसा लगता है कि बंदरों को बोरियों में भरकर लाया गया और तड़के सुबह यहाँ फेंक दिया गया। दोपहर करीब 3 बजे तक किसी ने ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब बंदर बाहर निकलने लगे तब पता चला। वे बहुत सुस्त और दिशाहीन लग रहे थे। रेड्डी ने यह भी बताया कि आस-पास के गांवों में पूछताछ करने पर पता चला कि किसी भी गांव ने बंदर पकड़ने वालों को काम पर नहीं रखा था। आशंका है कि कामारेड्डी के बाहर से किसी ने आकर इन्हें यहाँ लावारिस छोड़ दिया। बुधवार शाम तक अधिकांश बंदर भाग गए, लेकिन आठ से दस बंदर बेहोश ही पड़े रहे।

उपचार और ग्राम सरपंच का बयान

अंतमपल्ली गांव की सरपंच वी. मंजुला संजीव रेड्डी ने कहा, बेहोश बंदरों में से चार की मौत हो गई और दो की हालत नाजुक है। दो अन्य बंदरों को फल और सब्जियां खिलाने के बाद वे भागने में सफल रहे। उन्होंने बताया कि वन विभाग और पशु चिकित्सा अधिकारियों को तुरंत सूचित कर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सक डॉ. अनिल रेड्डी ने बताया कि केवल प्राथमिक उपचार ही दिया जा सका। उन्होंने कहा, हमें यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें जहर दिया गया था या ट्रैंक्विलाइज़र (बेहोशी की दवा), इसलिए हम बिना जानकारी के इलाज नहीं कर सकते। मैंने उन्हें एनर्जी बूस्टर दवाएं दी हैं और ग्रामीणों से उनकी देखभाल करने को कहा है। उनके अनुसार, छह बंदरों का इलाज किया गया, जिनमें से बाद में दो की मौत हो गई।

जांच जारी: टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

तहसीलदार कार्यालय के अधिकारियों ने हाईवे पर बंदरों को फेंके जाने की पुष्टि की है और कहा है कि जांच जारी है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि अभी तक कोई प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज नहीं हुई है। बिकनूर थाना उप-निरीक्षक डी. नरेंद्र ने बताया, इलाके में कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। हम आरोपियों की पहचान करने के लिए पास के टोल प्लाजा के फुटेज की जांच कर रहे हैं।

पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने इन घटनाओं पर गहरा रोष व्यक्त किया है। स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अदुलपुरम गौतम ने कहा, हम हाल के दिनों में लगभग हर दिन जानवरों की सामूहिक हत्याएं देख रहे हैं। पुलिस को इन घटनाओं की गहन जांच करनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए।

मलकाजगिरी वक्फ सम्पत्ति

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मलकाजगिरी निर्वाचन क्षेत्र की 76 कॉलोनियों में रहने वाले लगभग 20,000 परिवारों की नींद उड़ी हुई है। पिछले साल इस क्षेत्र की 300 एकड़ से अधिक जमीन को वक्फ बोर्ड की संपत्ति के रूप में सूचीबद्ध किए जाने के बाद स्थानीय निवासियों ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। इस कदम के कारण बैंकों ने होम लोन देना बंद कर दिया है, और संपत्ति मालिक बिक्री या गिफ्ट डीड जैसे जरूरी लेनदेन करने में असमर्थ हैं, जिससे वे वित्तीय और मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। निवासियों के अनुसार, नवंबर 2024 में इन जमीनों को वक्फ संपत्ति बताते हुए पंजीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 22 ए के तहत प्रतिबंधित सूची में डाल दिया गया था।

दशकों पुराने रिकॉर्ड के बावजूद पंजीकरण में बाधा

मलकाजगिरी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन फेडरेशन के महासचिव बी.टी. श्रीनिवासन ने मीडिया को बताया, जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज किए जाने से हम बहुत चिंतित हैं। हमारे पास 1950-60 के दशक के पहानी भूमि रिकॉर्ड मौजूद हैं। हम वर्षों से संपत्ति कर जमा कर रहे हैं, लेकिन अब भूमि पंजीकरण में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।एक अन्य निवासी संपत यादव ने कहा कि निवासियों को कोई गजट अधिसूचना नहीं दी गई, लेकिन 300 एकड़ जमीन को प्रतिबंधित कर दिया गया। उन्होंने बताया, 2017 से इस क्षेत्र में संपत्तियों की कोई बिक्री नहीं हुई है। जो भी घर बनाना चाहता है, उसे निर्देशों के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है।

मंत्री से मिले विधायक और प्रभावित निवासी

इन समस्याओं को देखते हुए, संपत्ति मालिकों ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन से मुलाकात की और एक मांग पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में शामिल मलकाजगिरी विधायक राजशेखर रेड्डी ने लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए इन जमीनों को पंजीकरण अधिनियम की धारा 22 ए के दायरे से हटाने और मालिकों को न्याय दिलाने का अनुरोध किया। निवासियों के अनुसार, मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए मामले की जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

वक्फ हमेशा वक्फ रहता है

दूसरी ओर, तेलंगाना वक्फ बोर्ड के निर्वाचित सदस्य अबुल फतह सैयद बंदगी बादेशा कादरी ने एक अलग पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में निर्देश दिया है कि टाइटल डीड स्वामित्व का अंतिम दस्तावेज नहीं है। कादरी ने स्पष्ट किया, एक बार जब कानूनी प्रक्रिया पूरी कर संपत्तियों को गजट के तहत अधिसूचित कर दिया जाता है, तो उसकी स्थिति नहीं बदलती। वक्फ हमेशा वक्फ रहता है। भले ही लोग सेल डीड या पंजीकरण करा लें, लेकिन इससे वक्फ संपत्ति का दर्जा नहीं बदलेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.